दैनिक

छत्तीसगढ़ गौरव

डाक पंजीयन क्रमांक :जी2-112/सी.जी/बी.एल.पी./032/ 2023-2026 website:- chhattisgarhgaurav.in

इंदौर स्वीट्स

नमकीन और मिठाईयों की लंबी श्रृंखला के बाद अब केशर कुल्फी और दही कचौड़ी

हमारा विश्वास हैं

एक बार खायेगें, बार-बार आयेगें...

पावर हाऊस रोड, कोरबा
फोन-222833,222733

वर्ष 25 अंक 335 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रूपये सोमवार 29 दिसंबर 2025 डाक- मंगलवार 30 दिसंबर 2025 chhattisgarhgaurav@rediffmail.com

प्रथमेश

नर्सिंग होम में लगी आग, 16 लोगों की मौत

जकार्ता। इंडोनेशिया के उत्तरी सुलावेसी प्रांत की राजधानी मनाडो में एक नर्सिंग होम में आग लगने से कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई। शवों की पहचान करने के लिए इंडोनेशियाई पुलिस कार्रवाई कर रही है। यह जानकारी स्थानीय अधिकारियों ने सोमवार को दी। पोल्डा सुलुट के जनसंपर्क अधिकारी आलमस्याह पी. हसीबुआन के अनुसार, पीड़ितों के शवों की पहचान उत्तरी सुलावेसी क्षेत्रीय पुलिस (पोल्डा सुलुट) के भायंगकारा अस्पताल में की जा रही है। हसीबुआन के अनुसार, रविवार को स्थानीय समयानुसार रात लगभग 8ः36 बजे मनाडो जिले के पाल दुआ जिले के रानोमुट उप-जिले में स्थित पांटी वर्धा दमाई नर्सिंग होम में आग लग गई। मनाडो नगर सरकार की तीन दमकल गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंची और रात लगभग 9ः30 बजे आग पर काबू पाया। आग लगने की सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी तुरंत इलाके को सुरक्षित करने और बचाव कार्यों में सहायता करने के लिए सक्रिय हो गए। जीवित बचे लोगों को मनाडो सिटी रीजनल हॉस्पिटल और परमाता बुंडा हॉस्पिटल भेजा गया जबकि मृतकों को आगे की प्रक्रिया के लिए भेजा गया। हसीबुआन ने बताया कि पुलिस की फोरेंसिक टीमों ने घटनास्थल की जांच और गवाहों से बातचीत सहित एक जांच शुरू की है, ताकि घटनाक्रम और आग लगने के प्रारंभिक कारण का पता लगाया जा सके।

दिल्ली में सुरक्षा चाक-चौबंद! नववर्ष और गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर पुलिस-केंद्रीय एजेंसियां, लगाएंगी पैनी नज़र, मीटिंग का दौर शुरू

नई दिल्ली,29 दिसंबर (एजेंसी)। आने वाले नए साल के जश्न और गणतंत्र दिवस की तैयारी में, दिल्ली पुलिस ने केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर राष्ट्रीय राजधानी के संवेदनशील इलाकों में बड़े पैमाने पर वेरिफिकेशन अभियान शुरू किया है। इस पहल का मकसद संदिग्ध लोगों की पहचान करना और किसी भी संभावित सुरक्षा खतरे को रोकना है। ये कोशिशें त्योहारों के मौसम में शहर में सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने की एक कोऑर्डिनेटेड रणनीति का हिस्सा हैं।

नए साल और गणतंत्र दिवस समारोह से पहले राष्ट्रीय राजधानी में किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए दिल्ली पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों के बीच समन्वय बैठकों के साथ संवेदनशील इलाकों में संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान के उद्देश्य से बड़े पैमाने पर सत्यापन अभियान चलाए जा रहे हैं। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि नागरिक एजेंसियों की मदद से पुलिस उन इलाकों में चौबीसों घंटे रिकॉर्डिंग करने वाले सीसीटीवी कैमरे स्थापित कर रही है और उनकी निगरानी कर रही है, जहां सुरक्षा को लेकर खतरे की आशंका है। पूरे दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और संवेदनशील इलाकों में निगरानी भी बढ़ा दी गई है।

अधिकारी ने बताया कि सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने और लोगों से अफवाहों से दूर रहने की अपील के लिए विभिन्न जिलों में स्थानीय शांति समितियों के साथ बैठकें की जाएंगी। इन इलाकों पर ड्रोन के जरिए भी नजर रखी जाएगी। नववर्ष की पूर्व संध्या पर कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए दिल्ली पुलिस ने इंतजाम और कड़े कर दिए हैं।

अधिकारियों के अनुसार, यातायात पुलिस और अर्धसैनिक बलों सहित करीब 20,000 पुलिसकर्मी पूरे शहर में तैनात किए जाएंगे।

नए साल की पूर्व संध्या पर कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए, दिल्ली पुलिस पूरे शहर में ट्रैफिक पुलिस और पैरामिलिट्री फोर्स सहित लगभग 20,000 कर्मियों को तैनात करेगी। कई पिकेट, बैरिकेड और वाहन-जांच चौकियाँ स्थापित की जाएंगी, खासकर एंट्री पॉइंट्स, पार्टी ज़ोन, बाज़ारों और नाइटलाइफ़ वाले इलाकों में। पड़ोसी राज्यों से आने वाले लोगों की संभावित भीड़ को मैनेज करने के लिए हरियाणा और उत्तर प्रदेश से लगने वाली दिल्ली की सीमाओं पर भी सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

पुलिस नशे में ड्राइविंग, लापरवाही से ड्राइविंग और खतरनाक मोटरसाइकिल स्टंट करने वालों पर कड़ी नज़र रखेगी। चेकपॉइंट्स पर बड़े पैमाने पर ब्रेथ एनालाइज़र का इस्तेमाल किया जाएगा, और नियम तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। कनॉट प्लेस, हौज खास विलेज और बड़े बाज़ारों जैसे इलाकों के लिए भी खास इंतज़ाम किए गए हैं, जहाँ बड़ी भीड़ होने की उम्मीद है। वैध स्टिकर वाले वाहनों को कनॉट प्लेस के इनर सर्कल में प्रवेश करने की अनुमति होगी, जिससे ट्रैफिक का फ्लो आसान होगा और भीड़ को बेहतर तरीके से मैनेज किया जा सकेगा।

पुलिस रूटीन वेरिफिकेशन के तहत होटलों, गेस्ट हाउसों, धर्मशालाओं, बस टर्मिनलों और रेलवे स्टेशनों सहित विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर नियमित जांच करेगी। किसी भी आपात स्थिति में तुरंत कार्रवाई करने के लिए शहर भर में रणनीतिक स्थानों पर क्विक रिएक्शन टीमें (त्तक्रञ्जह्य) तैनात की गई हैं।

इंडिया गेट जैसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा, जहाँ सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त बल तैनात किए जाएंगे। स्टेशन हाउस अधिकारियों (स्।ह्व) को पूरी रात सड़कों पर रहने और अपनी टीमों के साथ स्थिति पर कड़ी नज़र रखने का निर्देश दिया गया है।

छत्तीसगढ़ : ईडी का एक्शन, भारतमाला प्रोजेक्ट में भूमि अधिग्रहण घोटाले में 9 जगहों पर छापामारी

नई दिल्ली ,29 दिसंबर (एजेंसी)। ईडी ने सोमवार को छत्तीसगढ़ में कई स्थानों पर छापामारी की है। यह कार्रवाई रायपुर से विशाखापट्टनम (आंध्र प्रदेश) तक भारतमाला परियोजना के तहत आर्थिक कॉरिडोर के लिए भूमि अधिग्रहण में मुआवजे के भुगतान में कथित अनियमितताओं की जांच के सिलसिले में की गई है।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, राजधानी रायपुर और महासमुंद जिले में कम से कम 9 परिसरों पर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। जांच का संबंध भारतमाला परियोजना के रायपुर-विशाखापट्टनम खंड में भूमि अधिग्रहण के मुआवजे में गड़बड़ी से जुड़ा है। भारतमाला परियोजना के तहत देश में करीब 26,000 किलोमीटर आर्थिक कॉरिडोर विकसित किए जा रहे हैं, जो माल ढुलाई के लिए महत्वपूर्ण हैं। इस प्रोजेक्ट में पहले से ही छत्तीसगढ़ में कई अनियमितताओं की जांच चल रही है, जिसमें करोड़ों रुपये के मुआवजे में घोटाले के आरोप लगे हैं। ईडी की यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े प्रावधानों के तहत की गई है। जांच में शामिल लोगों के ठिकानों पर दस्तावेज, इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस और अन्य सबूत तलाशे जा रहे हैं। यह मामला पहले से ही राज्य में चर्चा का विषय रहा है, जहां विपक्ष ने सीबीआई जांच की मांग की थी। ईडी की जांच आगे बढ़ने से इस घोटाले की परतें खुलने की उम्मीद है।

श्रद्धालुगण कृपया ध्यान दें!, 5 जनवरी तक वृंदावन आने से करें परहेज, मंदिर प्रशासन ने जारी की गाइडलाइन

मथुरा,29 दिसंबर (एजेंसी)। ठाकुर श्री बांके बिहारी मंदिर प्रशासन और हाई पावर मैनेजमेंट कमेटी ने नववर्ष 2026 के मद्देनजर श्रद्धालुओं के लिए अहम दिशा-निर्देश जारी किए हैं। प्रशासन ने 29 दिसंबर 2025 से 5 जनवरी 2026 तक वृंदावन में अत्यधिक भीड़ उमड़ने की संभावना जताई है। सुरक्षा और सुचारू व्यवस्था को देखते हुए बाहरी दर्शनार्थियों से इस अवधि में यात्रा टालने या भीड़ की स्थिति का आकलन कर ही आने की अपील की गई है।

प्रशासन के अनुसार, मंदिर परिसर में प्रवेश और निकास के लिए अलग-अलग मार्ग निर्धारित किए गए हैं। यह व्यवस्था बढ़ती भीड़ और संभावित अव्यवस्थाओं को नियंत्रित करने के उद्देश्य से लागू की गई है। श्रद्धालुओं से अनुरोध किया गया है कि वे दर्शन के दौरान अपने साथ बैग या कीमती सामान न लाएं। जूते-चप्पल केवल निर्धारित स्थानों पर ही उतारें, जिसके लिए मुख्य मार्गों पर विशेष व्यवस्था की गई है। प्रशासन ने जेबकतरों और मोबाइल चोरों से सतर्क रहने की सलाह दी है। साथ ही, परिजनों की जेब में अपना पता और मोबाइल नंबर लिखी पर्ची रखने को कहा गया है, ताकि भीड़ में बिछड़ने की स्थिति में सहायता मिल सके। भीड़ के दबाव को देखते हुए वृद्धों, बच्चों, दिव्यांगों तथा हृदय या श्वास संबंधी रोगों से ग्रस्त लोगों को इस अवधि में मंदिर न आने की सलाह दी गई है। दर्शनार्थियों से कहा गया है कि वे खाली पेट न आएं और आवश्यक दवाइयां साथ रखें। किसी भी आपात स्थिति या सामान खोने की स्थिति में गेट नंबर दो और पुलिस चौकी पर स्थापित खोया-पाया केंद्र से संपर्क किया जा सकता है।

बांग्लादेश हिंसा की आग लंदन तक, भारतीयों के प्रोटेस्ट में घुसे खालिस्तानी, ढाका के समर्थन में हुड़दंग

लंदन ,29 दिसंबर (एजेंसी)। बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या और हिंसा के खिलाफ लंदन में बांग्लादेश हाई कमीशन के बाहर भारतीय और बांग्लादेशी हिंदू समुदाय ने जोरदार प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन के दौरान एक नया मोड़ तब देखने को मिला, जब खालिस्तान समर्थक गिरोह के पांच सदस्य बांग्लादेश के समर्थन में वहां पहुंच गए। ये लोग नारे लगाते और अपने झंडे लहराते और हुड़दंग करते नजर आए। प्रदर्शन कर रहे हिंदू समुदाय के लोगों ने बांग्लादेश का राष्ट्रगान 'आमार शोनार बांग्ला' भी बजाया और बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों, खासकर हिंदुओं के खिलाफ हो रही हिंसा को तुरंत रोकने की मांग की। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि बांग्लादेश में लगातार हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा है और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को इस पर ध्यान देना चाहिए।

आंध्र प्रदेश में हादसा: टाटानगर-एर्नाकुलम एक्सप्रेस के दो डिब्बों में लगी आग: एसी कोच में 1 की मौत

नई दिल्ली ,29 दिसंबर (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश में एक बड़े रेल हादसे की खबर सामने आई है, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई है। जानकारी के मुताबित यालामंचिली के पास टाटानगर-एर्नाकुलम एक्सप्रेस के 3 डिब्बों में आग लग जाने से 1 व्यक्ति की मौत हो गई। आग लगने के कारणों का पता लगाने के लिए दो फोरेंसिक टीमें जांच कर रही हैं। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि उन्हें आग लगने की सूचना रात 12 बजकर 45 मिनट पर मिली। उन्होंने कहा प्रभावित डिब्बों में से एक में 82 और दूसरे में 76 यात्री सवार थे। उन्होंने कहा, 'दुर्भाग्य से, बी-1 कोच में एक व्यक्ति मृत मिला।' मृतक की पहचान चंद्रशेखर सुंदरम के रूप में की गई है।

एक अधिकारी ने बताया है कि आग पर सबसे पहले येलमनचिली में लोको पायलट्स की नजर गई। इसके बाद ट्रेन के तत्काल रोका गया। हालांकि, अग्निशमन सेवाओं के पहुंचने से पहले ही आग की लपटे बोगियों में तेजी से फैल चुकी थीं और दो एसी कोच बी1 और एम2 को चपेट में ले लिया था।

रेलवे अधिकारियों का कहना है कि ट्रेन तय समय से 4 घंटे देरी से अनकपल्ली पहुंची। रिपोर्ट में रेलवे सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि अनकपल्ली से ट्रेन के रवाना होने के बाद नरसिंहबल्ली चिंगारियां और लपटें देखी गई थीं। माना जा रहा है कि इसकी वजह बी1 एसी कोच के ब्रेक के गर्म होना और आग पकड़ना थी।

सत्ता के लिए सौदेबाजी नहीं करेंगे, पार्टी के स्थापना दिवस पर खड़गे ने बीजेपी-आरएसएस को घेरा

नई दिल्ली,29 दिसंबर (एजेंसी)। कांग्रेस के 140वें स्थापना दिवस पर पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे़ ने बीजेपी और मोदी सरकार पर जोरदार हमला बोला। दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में खडगे़ ने कहा कि जो लोग कहते हैं कांग्रेस खत्म हो गई है, उन्हें यह समझना चाहिए कि कांग्रेस की सत्ता कम हो सकती है, लेकिन उसकी रीढ़ आज भी सीधी है। खडगे़ ने आगे कहा कि कांग्रेस ने कभी सत्ता के लिए सौदेबाजी नहीं की और न ही संविधान, धर्मनिरपेक्षता और गरीबों के अधिकारों से समझौता किया। खडगे़ ने कहा कि जो लोग कहते हैं कि कांग्रेस खत्म हो गई है, उन्हें मैं बताना चाहता हूं कि हमारे पास सत्ता कम हो सकती है, लेकिन हमारी रीढ़ अभी भी सीधी है। हम सत्ता में न हों, लेकिन सौदेबाजी नहीं करेंगे। कांग्रेस ने कभी धर्म के नाम पर वोट नहीं मांगा और न ही मंदिर-मस्जिद के नाम पर नफरत फैलाई। मल्लिकार्जुन खडगे़ ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस जोडने़ का काम करती है, जबकि बीजेपी तोडने़ की राजनीति करती है। कांग्रेस ने हमेशा धर्म को आस्था तक सीमित रखा, लेकिन कुछ लोगों ने धर्म को राजनीति का हथियार बना दिया। खडगे़ ने आरोप लगाया कि आज बीजेपी के पास सत्ता है, लेकिन सच्चाई नहीं है। यही वजह है कि कभी आंकड़े छिपाए जाते हैं, कभी जनगणना रोकी जाती है और कभी संविधान बदलने की बातें की जाती हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय संपदा के साथ-साथ जल, जंगल और जमीन भी खतरे में है।

दिल्ली में घने कोहरे ने रोकी रफ्तार, 125 से अधिक उड़ानें रद्द

नई दिल्ली,29 दिसंबर (एजेंसी)। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर घने कोहरे के कारण सोमवार सुबह को 125 से अधिक उड़ानें रद्द की गईं और आठ उड़ानों को दूसरे शहरों के लिए रवाना करना पड़ा। दिल्ली हवाई अड्डे के अधिकारियों ने बताया कि सुबह नौ बजे तक विभिन्न एयरलाइंस की यहां से जाने वाली 64 उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। इसके अलावा, दूसरे शहरों से यहां आने वाली भी इतनी ही उड़ानें रद्द रहीं। दिल्ली आने वाली आठ उड़ानों को दूसरे शहरों के लिए डायवर्ट किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, हवाई अड्डे पर दृश्यता मीटर रह गई है। दिल्ली हवाई अड्डे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बताया कि रात एक बजे के बाद से ही कैट-3 की प्रक्रिया के तहत उड़ानों का परिचालन हो रहा है। सुबह 10 बजे तक भी यही स्थिति बनी रही। इसका आशय है कि जो विमान और चालक दल के सदस्य कैट-3 के लिए योग्य हैं वही लैंडिंग और टेकऑफ कर सकते हैं। कैट-3 उपकरण समर्थित लैंडिंग और टेकऑफ की सबसे उन्नत सुविधा है जिसका इस्तेमाल बेहद घने कोहरे की स्थिति में किया जाता है। विमान सेवा कंपनियों ने भी यात्रियों को परामर्श जारी करते हुए एयरपोर्ट के लिए निकलने से पहले अपनी उड़ान की स्थिति के बारे में पता करने की सलाह दी है।

वाह वाह

बेटा- पापा आप इंजीनियर कैसे बने?

पिता- उसके लिए बहुत मेहनत करनी पड़ती है

बहुत ज्यादा दिमाग लगाना पड़ता है,

बहुत पढ़ना पड़ता है

बेटा- हां पापा, तभी तो पूछ रहा हूं,

कि आप इंजीनियर कैसे बने?

उसके बाद बेटे की हुई जमकर पिटाई...

एसआईआर मततदाता सूची में गड़बड़ी आई सामने, जांच के लिए टीम गठित

रायपुर,29 दिसंबर (एजेंसी)। विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के बाद रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची में कई तरह की गड़बड़ी सामने आई है. धरसीवां तहसील के बिरगांव क्षेत्र स्थित गाजी नगर की मतदाता सूची में अनियमितताओं की शिकायत प्राप्त हुई, जिसकी जांच के लिए टीम का गठन किया गया है. अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-48 रायपुर ग्रामीण ने इसके लिए तीन सदस्यीय जांच दाल का गठन किया है. जांच दल में तहसीलदार रायपुर राममूर्ति दीवान, नगर निगम बीरगांव के राजस्व उप निरीक्षक शैलेन्द निर्मलकर और ग्राम बीरगांव के महेश कुमार सोनवानी को शामिल किया गया है. टीम मौक पर जाएगी और पूरे मामले की तथ्यात्मक जांच करेगी. जिला निर्वाचन कार्यालय के अनुसार, जांच दल ने भाग संख्या 63 और 64 में मतदाता सूची में त्रुटि होने संबंध में मौके पर मतदाताओं का फील्ड वेरिफिशिएशन किया. इसा दौरान सामने आया कि संबंधित वोटर्स क्षेत्र में ही रहते हैं, लेकिन बड़ी संख्या में मतदाताओं के मकान नंबर और पते में गंभीर त्रुटियां मिली हैं.

उत्तर छत्तीसगढ़ में कड़ाके की ठंड से जनजीवन प्रभावित, कई इलाकों में शीतलहर का दौर जारी

रायपुर,29 दिसंबर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में ठंड का असर लगातार बना हुआ है। उत्तर और मध्य छत्तीसगढ़ के जिलों में अगले दो दिनों तक एक-दो स्थानों पर शीतलहर चलने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में आगामी दो दिनों तक न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होगा, इसके बाद तापमान में एक से दो डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी दर्ज की जा सकती है।

प्रदेश में बीते 24 घंटों के दौरान सबसे कम न्यूनतम तापमान 4.3 डिग्री सेल्सियस अंबिकापुर में दर्ज किया गया, जो सामान्य से लगभग चार डिग्री कम रहा। वहीं सबसे अधिक अधिकतम तापमान 29.6 डिग्री सेल्सियस दुर्ग में दर्ज किया गया। रायपुर में अधिकतम तापमान 27.3 डिग्री और न्यूनतम तापमान 12.1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से कम रहा। राजधानी में सुबह और शाम के समय ठंड का असर ज्यादा महसूस किया गया।

बिलासपुर में अधिकतम तापमान 27.2 और न्यूनतम 12 डिग्री रहा। पेंड्रारोड में रात का पारा सात डिग्री तक गिर गया। अंबिकापुर में रातें बेहद सर्द रहीं, जबकि जगदलपुर, राजनांदगांव और दुर्ग में भी न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी नीचे दर्ज किया गया।

प्रदेश में हवा की गति कम रही, जिससे ठंड का असर अधिक महसूस किया गया। रायपुर में सुबह साढ़े आठ बजे सापेक्ष आर्द्रता 71 प्रतिशत दर्ज की गई। बादलों की मौजूदगी मध्यम रही, हालांकि वर्षा कहीं दर्ज नहीं की गई।

मौसम विभाग के अनुसार अगले 24 घंटों के दौरान प्रदेश में मौसम शुष्क रहने की संभावना है। वहीं रायपुर शहर में सोमवार को सुबह के समय धुंध छाए रहने के आसार हैं। राजधानी में अधिकतम तापमान 27 डिग्री और न्यूनतम तापमान 12 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि प्रदेश के एक-दो हिस्सों में शीत लहर का असर बना रह सकता है। खासतौर पर उत्तर छत्तीसगढ़ के जिलों में लोगों को अतिरिक्त सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

कोसाबाड़ी जोन के 09 वार्डों के मिली 05 करोड़ 23 लाख रू. के विकास कार्यों की सौगात

उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन एवं महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने किया विकास कार्या का भूमिपूजन, सभापति नूतन सिंह ठाकुर, वरिष्ठ पार्षद व पूर्व सभापति अशोक चावलानी, वरिष्ठ पार्षद नरेन्द्र देवांगन सहित वार्ड पार्षदों, जनप्रतिनिधियों की रही विशेष उपस्थिति

कोरबा (छ.ग.गौरव)। नगर पालिक निगम केरबा के कोसाबाड़ी जोनांतर्गत आने वाले वार्ड क्र. 19, 20, 22, 23, 24, 25, 35, 36 एवं 37 को आज 05 करोड़ 23 लाख रूपये के 22 नए विकास कार्यों की सौगात प्राप्त हुई। आर्य शिशु मंदिर बुधवारी व सतनाम नगर रिसदी में आयोजित पृथक-पृथक भूमिपूजन कार्यक्रम में प्रदेश के उद्योग, वाणिज्य, श्रम, आबकारी व सार्वजनिक उपक्रम मंत्री लखनलाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य एवं महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत की अध्यक्षता में इन विकास कार्यों का भूमिपूजन उनके करकमलों से किया गया। इस मौके पर निगम के सभापति नूतन सिंह ठाकुर, पूर्व सभापति व वरिष्ठ पार्षद अशोक चावलानी, वरिष्ठ पार्षद नरेन्द्र देवांगन सहित वार्ड पार्षदों व जनप्रतिनिधियों की विशेष उपस्थिति रही।

नगर पालिक निगम केरबा द्वारा वार्ड क्र. 19 अंतर्गत प्राथ. शाला मानस नगर में 10 लाख रूपये की लागत से अहाता निर्माण कार्य, सुलभ शौचालय निहारिका, सुभाष चौक के बगल में 05 लाख रूपये की लागत से सांस्कृतिक मंच का निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 20 अंतर्गत सामुदायिक भवन में 04 लाख रूपये की लागत से किचन शेड का निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 22 अंतर्गत 10 लाख रूपये की लागत से शेड निर्माण एवं निर्माण कार्य (आरामशीन शिव मंदिर के पास), वार्ड क्र. 23 अंतर्गत गांधी चौक से बजरंग चौक तक एवं गढ़कलेवा से आर्य शिशु मंदिर तक 30 लाख रूपये की लागत से सी.सी. रोड का निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 24 निहारिका पानी टंकी से वीर सावरकर होते हुए गरिमा मेडिकल तक 40 लाख रूपये की लागत से आर.सी. सी. नाली निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 24 दशहरा मैदान सामुदायिक भवन के पास 10 लाख रूपये की लागत से शेड निर्माण

व अन्य विस्तार कार्य, वार्ड क्र. 25 अंतर्गत एल.आई.जी 1 से 30, एल. आई.जी 57 से 82, एल.आई.जी 101 से 150 में 40 लाख रूपये की लागत से नाली निर्माण कार्य , वार्ड क्रमांक 35 अंतर्गत शंकर नगर औद्योगिक क्षेत्र सरोज पटेल के घर से विपिन शर्मा के घर तक 05 लाख रूपये की लागत से सी.सी रोड का निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 35 अंतर्गत 15 लाख रूपये की लागत से किचन शेड स्टोर रूम सहित मंच एवं हॉल निर्माण कार्य (आदिवासी उरावं सरना समाज सर्वाजनिक उपयोग हेतु झगरहा डिहीपारा कोरकोमा रोड), वार्ड क्र. 35 न्यू हाउसिंग बोर्ड कालोनी खरमोरा गेट से मेन रोड तक 15 लाख रूपये की लागत से सी.सी. रोड का निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 35 अंतर्गत मेन रोड स्थित 09 लाख 82 हजार रूपये की लागत से सामुदायिक भवन जीर्णोद्धार एवं अन्य विकस कार्य, वार्ड क्र. 35 खरमोरा अंतर्गत प्रायमरी स्कूल के सामने स्थित 09 लाख 65 हजार रूपये की लागत से सामुदायिक भवन का जीर्णोद्धार एवं अन्य विकास कार्य, वार्ड क्र. 36 अंतर्गत मेमन शॉप से रेलवे घाट तक 100 बेड हॉस्पिटल के सामने 01 करोड़ 93 लाख 92 हजार रूपये की लागत से आर.सी.सी. नाला निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 36 अंतर्गत सतनाम नगर स्थित 14 लाख 74 हजार रूपये की लागत से शासकीय प्राथमिक शाला भवन एवं आहता निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 36 अंतर्गत शास.मा.शा. पी.डब्ल्यू.डी. रामपुर में 16 लाख 59 हजार रूपये की लागत से नवीन शाला भवन का निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 36 अंतर्गत 100 बेड हॉस्टिपल के कैम्पस में 39 लाख 60 हजार रूपये की लागत से वेटिंग हॉल का निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 36 डिंगापुर ओम फ्लेट के पास मुख्य मार्ग से सुमन घर होते हुए रम्भा पटेल घर तक 05 लाख रूपये की लागत से आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 36 अंतर्गत प्राथ. शाला सतनाम नगर रिसदी में 13 लाख रूपये की लागत से अहाता निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 37 अंतर्गत सिंचाई कॉलोनी आई.टी.आई. रामपुर में पुराना आंगनबाडी के पास 05 लाख रूपये की लागत से सार्वजनिक मंच निर्माण कार्य, वार्ड क्रं 37 अंतर्गत शास.प्राथ.शाला पीडब्ल्यूडी रामपुर में 15 लाख 53 हजार रूपये की लागत से नवीन शाला भवन निर्माण कार्य तथा वार्ड क्र. 37 रामपुर बजरंगबली मंदिर के पास स्थित 15 लाख रूपये की लागत से तालाब का उन्नयन कार्य का भूमिपूजन उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन एवं महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत के द्वारा किया गया।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में एक बार फिर हो रहा छत्तीसगढ़ का तेजी से विकास

इस अवसर पर मुख्य अतिथि की आसंदी से दिए गए अपने उद्बोधन में उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के कुशल मार्गदर्शन में एक बार फिर हमारा छत्तीसगढ़ राज्य विकास के पथ पर तेजी से अग्रसर हो चला है, इसके पूर्व डॉ.रमन सिंह जब 15 वर्ष तक छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री रहे, तो उनके कार्यकाल में छत्तीसगढ़ का सर्वांगीण विकास हुआ, दर्जनों जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की गई तथा उन्होने छत्तीसगढ़ को देश के अन्य बड़े प्रदेशों के समकक्ष लाकर खड़ा किया, अब पुनः उन बंद पड़ी योजनाओं को हमारी सरकार द्वारा प्रारंभ किया गया है, विकास के सभी क्षेत्रों में तेजी से कार्य हो रहे हैं, नए-नए उद्योग, धंधों के कारण रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं तथा गांव, किसान, मजदूर, महिला, युवा सभी के हित में योजनाएं चलाई जा रही हैं। उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने आगे कहा कि हमारी सरकार केवल वायदा नहीं करती, बल्कि वायदों को समयसीमा पर पूरा भी करती है। उन्होने कहा कि जहॉ तक कोरबा के विकास का प्रश्न है, तो विगत 02 वर्षों के दौरान लगभग 800 करोड़ रूपये से अधिक के विकास कार्य स्वीकृत कराए गए हैं तथा सभी 67 वार्डों में बिना किसी भेदभाव के समान रूप से विकास कार्य हो रहे हैं।

विकास कार्यों के लिए धनराशि की कोई कमी नहीं -इस अवसर पर महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि कोरबा के विकास के लिए धनराशि की कोई कमी नहीं है, हम सबका सौभाग्य है कि प्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय, नगरीय प्रशासन मंत्री श्री अरूण साव व उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन के मार्गदर्शन व आशीर्वाद से नगर निगम कोरबा को विकास कार्यों हेतु लगातार फंड प्राप्त हो रहा है तथा यहॉ से विकास कार्य के जो भी प्रस्ताव उनके समक्ष प्रस्तुत होते हैं, उनके द्वारा उन पर तत्काल स्वीकृति प्रदान की जा रही है, इसी के परिणाम स्वरूप नगर निगम क्षेत्र के वार्डों में लगातार नए-नए विकास कार्य प्रारंभ हो रहे हैं। उन्होने कहा कि कोरबा की जनता ने उद्योग मंत्री श्री देवांगन एवं मुझ पर अपना जो भरोसा व्यक्त किया है, उस भरोसे को कायम रखा जाएगा, यह मैं विश्वास दिलाती हूँ। इस मौके पर सभापति नूतन सिंह ठाकुर एवं पूर्व सभापति व वरिष्ठ पार्षद अशोक चावलानी, वरिष्ठ पार्षद नरेन्द्र देवांगन के साथ ही एम.आई.सी.सदस्य अजयकुमार गोंड़ व ममता यादव, पंकज देवांगन, प्रताप सिंह कंवर, मुकुंद सिंह कंवर, राकेश वर्मा, भाजपा कोसाबाड़ी मण्डल अध्यक्ष राजेश राठौर, पूर्व मण्डल अध्यक्ष प्रकाश अग्रवाल, राकेश अग्रवाल, स्वाती कश्यप, प्रीति चौहान, श्रीधर द्विवेदी, नरेन्द्र पाटनवार आकाश श्रीवास्तव, दीपक यादव, मनोज राजपूत, अनिल यादव, पुनीराम साहू, निगम के जोन कमिश्नर भूषण उरांव, सहायक अभियंता राहुल मिश्रा, उप अभियंता अंजुला अनंत, सुरेन्द्र राजवाड़े, गायत्री राठौर, मोनू आदिले, श्याम साहू, मीरा साहू, सत्यवती तिवारी, निर्मला चक्रधारी आदि के साथ काफी संख्या में आमनागरिकगण उपस्थित थे।

खदान कर्मियों के लिए नए साल का छुट्टी कैलेंडर जारी

कोरबा (छ.ग.गौरव)। एसईसीएल कर्मियों के लिए नए साल में अवकाशों की सूची जारी की गई है। जिसके तहत कर्मियों को 9 पेड हॉलिडे और 8 सामान्य अवकाश मिलेंगे। 20 प्रतिबंधित अवकाश होंगे। जिसमें से कर्मी 2 अवकाश ले सकेंगे। एसईसीएल मुख्यालय के लिए वर्ष 2026 में नियमानुसार सवैतनिक, सामान्य व प्रतिबंधित अवकाश घोषित किए गए हैं। पेड हॉलिडे में गणतंत्र दिवस, होली, ईद, डॉ. अंबेडकर जयंती, खनिक दिवस, स्वतंत्रता दिवस, गांधी जयंती, महानवमीं व दशहरा शामिल है। सामान्य अवकाश में मकर संक्रांति, रक्षा बंधन, महावीर जयंती, गणेश चतुर्थी, गोवर्धन पूजा, गुरूनानक जयंती, गुरू घासीदास जयंती व क्रिसमस डे शामिल है। प्रतिबंधित अवकाश में 20 त्योहार हैं। मासिक वेतन भोगी कर्मचारी व अधिकारी 9 पेड हॉलिडे व 8 सामान्य अवकाश पाने के हकदार होंगे। साथ ही पूरे साल में केवल दो प्रतिबंधित अवकाश पाने के पात्र होंगे। जिसके लिए संबंधित विभगाध्यक्ष के समक्ष अलग से आवेदन प्रस्तुत करना होगा। संबंधित विभाग में अभिलेख रखा जाएगा। दैनिक वेतन भोगी केवल 9 दिन सवैतनिक अवकाश पाने के ही हकदार होंगे।

राशिफल

मेष राशि-आज आपका दिन शानदार रहेगा। परिवार वालों का हंसी-मजाक भरा बरताव घर के वातावरण को हल्काफुल्का और खुशनुमा बनाये रखेगा साथ ही आपकी निजी लाइफ बेहतर रहेगी जो लोग आपके विरोधी हैं आज ऑफिस के काम में आपकी राय मागेंगे। सरकारी विभाग के लोगों की नौकरी में सुखद परिवर्तन आयेगा।

वृष राशि-आज का दिन आपके लिये खास होने वाला है। आपके व्यवहार में विनम्रता और लचीलापन ही आपको सम्मान दिलाएगा। पारिवारिक संबंधों में गहराई और अपनापन आपको महसूस हो सकता है। आज किसी समारोह के होने कारण से आपकी जिम्मेदारी बढ़ सकती है जिसे आप बखूबी पूरा भी करेंगे।

मिथुन राशि-आज आपका दिन मिला-जुला रहने वाला है। आज किसी काम के सिलसिले में दौड़-धूप करेंगे। इस राशि के छात्र जो तैयारी कर रहे हैं, उन्हें सफलता जल्द मिलेगी। आज दान पुण्य के कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी। आज आपकी बातों से दोस्त प्रभावित होंगे। गृहस्थ जीवन सुखी रहेगा। बिजली व्यापारियों को आज अधिकतम लाभ होगा।

कर्क राशि-आज का दिन आपके लिए दिन शुभ रहने वाला है। किसी काम के लिए आज आप कई बड़े फैसले ले सकते हैं। कारोबार में कुछ न कुछ चुनौतियां रहेंगी, हालांकि आपकी मेहनत के अनुरूप उचित परिणाम भी मिलेंगे। रुकी हुई पेमेंट मिलने से आर्थिक पक्ष सामान्य रहेगा। लवमेट एक-दूसरे के लिए उचित सामंजस्य और सहयोग की भावना रखें।

सिंह राशि-आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज स्टूडेंट अपनी योग्यता से महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल कर सकते हैं। पारिवारिक और व्यवसायिक गतिविधियों में संतुलन बना रहेगा। किसी भी काम को जल्दी पूरा करने की सोच रखें। बच्चे की गलती से निराशा हो सकती है। आवेश में आने की बजाय सहजता से मामला सुलझाने की कोशिश करें।

कन्या राशि-आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। घर के कामों में आपका पैसा लग सकता है। भी फैसला शांति से लें। आज बातचीत करने में मधुरता रखें तो आपके लिए अच्छा है। आज आपके किसी उच्च अधिकारी से मुलाकात के योग बन रहे हैं। आपका नया काम शुरू हो सकता है। अगर किसी वजह से स्ट्रेस बना हुआ है तो आपको मानसिक सुकून मिलेगा।

तुला राशि-आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज निजी जीवन में सकारात्मकता लाने की कोशिश करेंगे और इसके लिए आप किसी महापुरुष का अनुशरण करेंगे। आपकी ज्यादातर योजनाएं पूरी हो सकती है। आज लोगों से मिलने और बात करने में खुशी महसूस करेंगे। आज अन्य गतिविधियों की वजह से आपके व्यक्तिगत काम बीच में अटक सकते हैं, लेकिन चिंता न करें, कुछ समय में सब ठीक हो जाएगा।

वृश्चिक राशि-आज आपका दिन नयी उमंगें लेकर आया है। काफी समय से किसी बात से परेशान लोग, आज उसका समाधान ढूंढ लेंगे। नौकरी कर रहे लोगों को अपनी नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे। जीवन साथी को आप नया कार्य शुरू करा सकते हैं7 काम के दबाव से निकलकर आज जीवनसाथी के साथ समय बिताएंगे।

धनु राशि-आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। परिवार को अधिक समय न दे पाने से परिवार की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है। आज अपने व्यक्तिगत काम की ओर आप उचित ध्यान दे पाएंगे। आपका काम-धंधा भी अच्छा चलेगा। आज आप पुराने दोस्तों से मिलने की कोशिश करेंगे। आज आपके मदद की जरूरत के समय ऐसा व्यक्ति आपकी मदद करेगा जिसकी आपने कल्पना भी नहीं की होगी।

मकर राशि-आज आपका दिन अच्छा रहेगा। प्रतियोगी परीक्षा में प्रयासरत छात्रों को जल्द सफलता मिलेगी। आज रास्ते पर किसी वृद्ध की मदद करने का मौका मिलेगा। आज आपको बेहद खुशी मिलेगी। आज बच्चे आपसे किसी निर्णय में आपकी राय मागेंगे। व्यापार के क्षेत्र में आपको अच्छा लाभ मिलेगा। आप कहीं निवेश भी करेंगे।

कुंभ राशि-आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थल पर जा सकते है। आज आपका मन हल्का रहेगा। आज लोगों से आपका संपर्क जुड़ेगा जो आपके लिए मददगार साबित होगा। होटल के कारोबारियों का धंधा बढ़िया चलेगा। साथ ही आपकी आमदनी में बढ़ोतरी होगी। आज परिवार के लोगों के साथ तालमेल बनेगा।

मीन राशि-आज आपका दिन खुशहाल रहने वाला है। इलेक्ट्रॉनिक्स के कारोबारियों को लाभ के योग बन रहे हैं। आप अपने बिजी दिन में से कुछ समय अपने बच्चों के लिए निकालेंगे, जिसमें उनके साथ खूब एंजॉय करते हुए नजर आएंगे, इससे आपको तरोताजा महसूस होगा। आज शाम का डिनर बाहर करेंगे। बच्चों के साथ आपसी लगाव बढ़ेगा। शिक्षकों के ट्रान्सफर की परेशानियां खत्म होंगी। आज व्यापार में सफलता के अनेक अवसर मिलेंगे। स्वास्थ्य के लिहाज से आज का दिन बढ़िया रहेगा।

कोयला हेराफेरी के मामले में बढ़ी आरोपियों की संख्या

बड़े नेटवर्क के शामिल होने की आशंका

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जिले में अदाणी पावर को ट्रांसपोर्ट किए जा रहे कोयले की खेप में हेराफेरी के मामले ने बड़ा रूप ले लिया है। दीपका थाना क्षेत्र में सामने आए इस संगठित कोयला हेराफेरी प्रकरण में गिरफ्तार आरोपियों की संख्या बढ़कर 14 हो गई है। इससे पहले पुलिस इस मामले में 11 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी थी। जांच तेज होने के साथ ही इस पूरे खेल में और भी बड़े नेटवर्क के शामिल होने की आशंका जताई जा रही है।

पुलिस की हालिया कार्रवाई में एक सुपरवाइजर, पेट्रोलिंग टीम का एक कर्मी और जीपीएस सिस्टम हटाने वाला एक तकनीकी एक्सपर्ट गिरफ्तार किया गया है। सभी आरोपियों के खिलाफ कोयला हेराफेरी, तकनीकी उपकरणों से छेड़छाड़ सहित विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि एसईसीएल की स्थानीय खदानों से अदाणी पावर की साइडिंग जयरामनगर भेजी जाने वाली कोयले की खेप को योजनाबद्ध तरीके से बीच रास्ते में ही दूसरे डिपो में भेज दिया जाता था। इस हेराफेरी को एक सुव्यवस्थित सिस्टम के तहत अंजाम दिया जा रहा था, जिससे अदाणी पावर को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। मामले की भनक लगने पर प्रबंधन ने आंतरिक जांच कराई, जिसमें कोयले की गड़बड़ी उजागर हुई। इसके बाद कंपनी के एक कर्मचारी द्वारा दीपका पुलिस को इसकी सूचना दी गई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू की। शुरुआती जांच में तीन ट्रेलर जब्त किए गए, जबकि आगे की कार्रवाई में तीन और ट्रेलर पुलिस के कब्जे में लिए गए। प्रारंभिक जांच में लगभग 355 टन कोयले की चोरी का खुलासा हुआ है। पूछताछ के दौरान यह भी सामने आया कि आरोपियों ने कोयला हेराफेरी के लिए एक संगठित नेटवर्क तैयार कर रखा था। इस नेटवर्क में तकनीकी और गैर-तकनीकी दोनों तरह के लोग शामिल थे। शातिर तरीके से ट्रेलरों में लगे जीपीएस सिस्टम को हटाकर या उससे छेड़छाड़ कर कोयले की खेप को निर्धारित गंतव्य के बजाय अन्य स्थानों पर भेजा जाता था। प्रकरण के उजागर होने के बाद यह आशंका और मजबूत हो गई है कि कोयला चोरी का यह खेल लंबे समय से चल रहा था और इसके पीछे एक पूरा संगठित गिरोह सक्रिय था। पुलिस की जांच अभी जारी है और आने वाले दिनों में इस मामले में और भी गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

राजनैतिक, धार्मिक रैलियों व रोड शो से आम जनता हो रही परेशान- धनेश

समस्या पर अंकुश लगाने की मांग

कोरबा (छ.ग.गौरव)। अधिवक्ता धनेश कुमार सिंह का कहना है कि शहर में आए दिन आयोजित हो रही राजनैतिक, धार्मिक रैलियों, रोड शो एवं जुलूसों के कारण आम जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इन आयोजनों के चलते मुख्य मार्गों पर घंटों तक यातायात बाधित रहता है, जिससे स्कूल-कॉलेज जाने वाले विद्यार्थियों, कार्यालय कर्मचारियों, मरीजों एवं आम नागरिकों को गंभीर असुविधा होती है।

इसके अतिरिक्त इन रैलियों एवं रोड शो में तेज ध्वनि वाले डीजे और लाउडस्पीकरों का अत्यधिक उपयोग किया जा रहा है, जिससे ध्वनि प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है। तेज आवाज के कारण बुजुर्गों, बच्चों, विद्यार्थियों एवं बीमार व्यक्तियों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। यह स्थिति माननीय सर्वोच्च न्यायालय एवं प्रदूषण नियंत्रण नियमों द्वारा निर्धारित ध्वनि मानकों का भी उल्लंघन है। प्रशासन द्वारा ऐसे आयोजनों की पूर्व अनुमति, समय-सीमा, मार्ग निर्धारण एवं ध्वनि स्तर पर सख्त नियंत्रण किया जाए, ताकि कानून-व्यवस्था बनी रहे और जनता को अनावश्यक परेशानी न हो। प्रशासन से यह भी अपेक्षा की है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए, जिससे भविष्य में इस प्रकार की समस्याओं पर अंकुश लगाया जा सके।

गुरु घासीदास के 7 संदेश, 42 वचन को पूरा विश्व मानने को तैयार-डॉ. आदिले

कोरबा (छ.ग.गौरव)। संत बाबा गुरु घासीदास के बताए 7 संदेश और 42 वचन के आधार पर ही संविधान का निर्माण किया गया है। बाबा के सभी बताए वचन संविधान में समाहित हैं। आज पूरा विश्व भारत के संविधान को अनुसरण करता है। जिसमें संत गुरु घासीदास जी की एक-एक वाणी को समाहित होने का एहसास होता है। यह बात हरदीबाजार में आयोजित गुरुघासीदास जयंती समारोह में विशिष्ट अतिथि डॉ.प्यारेलाल आदिले ने कही। मुख्य अतिथि विधायक प्रेमचंद पटेल ने कहा कि हर समाज को विकास करने से कोई नहीं रोक सकता।

सभी समाज को बाबा के बताए मार्ग पर चलना और नियमों का पालन करना चाहिए। सरकार भी उन्हीं के बताए मार्ग पर चल रही है। कार्यक्रम की अध्यक्षता नरेश टंडन ने की। उन्होंने समाज के लोगों को सामाजिक गतिविधियों में बढ़चढ़कर हिस्सा लेने के लिए आह्वान किया। अन्य विशिष्ट अतिथियों में अखिल भारतीय सतनामी युवा कल्याण समिति के प्रदेश अध्यक्ष मनीराम जांगड़े, जनपद सदस्य सनीता अनिल टंडन, प्राचार्य धीरहे, डॉ.प्रभुवा, रत्नेश सिंह टंडन, कौशल बंजारे, अजय टंडन मंचस्थ रहे। अधिवक्ता रत्नेश ने कहा कि शिक्षा और मेहनत के बल पर समाज के बच्चों को निश्चित रूप से सफलता मिलती है। समाज में शिक्षा को विशेष जोर देते हुए सभी लोगों से आह्वान किया गया कि अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा दें।

पूर्व पीएम वाजपेयी के देशहित के कार्यों को याद किया

कोरबा (छ.ग.गौरव)। नगर पालिका दीपका ने अटल परिसर में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती कार्यक्रम मनाई। अटल परिसर में पूर्व प्रधानमंत्री वाजपेयी की प्रतिमा स्थापित की गई है, जिसका वर्चुअल लोकार्पण छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने किया। जयंती कार्यक्रम को कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल, खाद्य आयोग के पूर्व अध्यक्ष ज्योतिनंद दुबे, पूर्व जिलाध्यक्ष मनोज शर्मा, नगर पालिकाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह राजपूत, पूर्व अध्यक्ष संतोषी दीवान, वरिष्ठ पार्षद अरूणीश तिवारी ने लोगों को संबोधित किया। इस दौरान पूर्व प्रधानमंत्री वाजपेयी के देशहित में कार्यों को याद किया। सभी ने उनके जीवन को राष्ट्रसेवा, सुशासन, लोकतांत्रिक मूल्यों व राष्ट्रीय एकता को सपमर्पित बताया। उनके सरल व्यक्तित्व, संवेदनशलता व दृढ़ संकल्प से सीख लेने और जरूरतमंदों व गरीबों की सेवा के लिए प्रेरित किया। अंत में आभार सब इंजीनियर नारायण कुमार आदित्य ने जताया।

धार्मिक सह शैक्षणिक यात्रा कर पुरी से लौटी यूथ हॉस्टल की टीम

कोरबा (छ.ग.गौरव)। यूथ हॉस्टल्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया कोरबा इकाई छत्तीसगढ़ राज्य द्वारा 24 से 27 दिसंबर तक पुरी धाम की धार्मिक सह शैक्षणिक यात्रा आयोजित की गई। जिसमें कोरबा, कवर्धा, बिलासपुर, रायपुर के सदस्य शामिल हुए।

डीएसपीएम कोरबा के मुख्य अभियंता संजीव कंसल ने पूजा अर्चना व झंडी दिखाकर सदस्यों को रवाना किया। इससे पूर्व तकनीकी आयाम जोड़ने कवर्धा इकाई के सदस्यों ने डीएसपीएम का भ्रमण एके तोमर के नेतृत्व में किया। समय

नियोजन के लिए वाहन में कॉर्डलेस माइक्रोफोन, चार्जिंग सुविधा एवं स्पीकर सिस्टम की व्यवस्था की गई, जिससे परिचय सत्र, प्रमाण-पत्र वितरण, गायन, अंताक्षरी तथा सदस्यता कार्डवितरण जैसी गतिविधियां सुचारु रूप से हुईं। शेड्यूल के तहत 5 इकाई के भिन्न आयु वर्ग के 43 सदस्यों ने श्री जगन्नाथ मंदिर, सूर्य मंदिर, साक्षी गोपाल मंदिर, लिंगराज मंदिर में दर्शन पूजन के साथ धौली शांति स्तूप व नंदनकानन उद्यान का भी भ्रमण किया।

एआईसीसी प्रवक्ता रागिनी नायक बसोया ने गुवाहाटी में राजीव भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया।

तिरुवनंतपुरम कॉर्पोरेशन में नए चुने गए स्थानीय निकाय सदस्यों के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान केरल बीजेपी अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर उम्मीदवार का अभिवादन करते हुए, जबकि दूसरे लोग देख रहे हैं।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कर्नाटक के कमलापुरा में पोलियो टीकाकरण अभियान के दौरान पांच साल से कम उम्र के बच्चों को ओरल पोलियो वैक्सीन की बूंदें पिलाईं।

कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने मुर्शिदाबाद में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया।

भोपाल में बदले हुए नरेगा स्कीम से महात्मा गांधी का नाम हटाने के खिलाफ जिला कांग्रेस कमेटी और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कोलकाता के साइंस सिटी ऑडिटोरियम में आरएसएस की शताब्दी के मौके पर एक दिवसीय सेमिनार और चर्चा में मुख्य भाषण दिया।

यूनुस सरकार देश को अराजकता की ओर ले जा रही', बोलीं शेख हसीना, हादी की मौत पर क्या कहा

नई दिल्ली ,29 दिसंबर (एजेंसी)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने मौजूदा राजनीतिक स्थिति, चुनाव,आईसीटी के फैसले और भारत-बांग्लादेश संबंधों को लेकर बड़ा बयान दिया है। एक इंटरव्यू में उन्होंने यूनुस सरकार पर लोकतंत्र कमजोर करने और राजनीति से प्रेरित फैसले लेने का आरोप लगाया।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और अवामी लीग प्रमुख शेख हसीना ने अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण के फैसले, बांग्लादेश की मौजूदा राजनीतिक स्थिति और भारत-बांग्लादेश संबंधों को लेकर बड़ा बयान दिया है। एएनआई को दिए एक विस्तृत ईमेल इंटरव्यू में शेख हसीना ने मौजूदा अंतरिम सरकार पर गंभीर आरोप लगाए और कहा कि उनके खिलाफ चल रही कानूनी प्रक्रिया न्याय नहीं, बल्कि राजनीतिक बदले का जरिया है।

पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने आईसीटी के फैसले पर कहा इस फैसले का न्याय से कोई लेना-देना नहीं है और यह पूरी तरह से राजनीतिक दुश्मनी का मामला है। मुझे अपना बचाव करने का अधिकार नहीं दिया गया और न ही मेरी पसंद के वकील दिए गए। ट्रिब्यूनल का इस्तेमाल अवामी लीग के खिलाफ बदले की भावना से कार्रवाई करने के लिए किया गया। हालांकि, बांग्लादेश की संस्थाओं में मेरा विश्वास खत्म नहीं हुआ है। हमारी संवैधानिक परंपरा मजबूत है और जब वैध शासन बहाल होगा और हमारी न्यायपालिका अपनी स्वतंत्रता वापस हासिल कर लेगी, तो न्याय की जीत होगी।बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने उस्मान हादी की मौत पर कहा यह दुखद हत्या उस कानून-व्यवस्था की कमी को दिखाती है जिसने मेरी सरकार को गिरा दिया था और यूनुस के राज में यह और बढ़ गई है। हिंसा आम बात हो गई है, जबकि अंतरिम सरकार या तो इसे मानने से इनकार करती है या इसे रोकने में नाकाम है। ऐसी घटनाएं बांग्लादेश को अंदर से अस्थिर करती हैं, साथ ही हमारे पड़ोसियों के साथ हमारे रिश्तों को भी, जो सही चिंता के साथ सब देख रहे हैं। भारत इस अराजकता, अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार और उन सभी चीजों के खत्म होने को देख रहा है जो हमने मिलकर बनाई थीं। जब आप अपनी सीमाओं के अंदर बुनियादी व्यवस्था बनाए नहीं रख सकते, तो अंतरराष्ट्रीय मंच पर आपकी विश्वसनीयता खत्म हो जाती ह। यही यूनुस के बांग्लादेश की सच्चाई है।गौरतलब है कि एक बार फिर बांग्लादेश हिंसा की आग में झुलस रहा है। उस्मान हादी की मौत के बाद बांग्लादेश में कट्टरपंथी उन्माद अपने चरम पर है। यह हिंसा शेख हसीना के कट्टर विरोधी 32 वर्षीय इंकलाब मंच के प्रवक्ता उस्मान हादी की मौत के बाद पनपी है। 12 दिसंबर को ढाका के बिजोयनगर इलाके में एक चुनावी अभियान के दौरान नकाबपोश

बंदूकधारियों ने हादी को गोली मार दी थी, जिसकी 18 दिसंबर को सिंगापुर में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।आगामी चुनावों को लेकर शेख हसीना ने दो टूक कहा कि अवामी लीग के बिना चुनाव, चुनाव नहीं बल्कि राज्याभिषेक होगा। यूनुस बांग्लादेश के लोगों के एक भी वोट के बिना शासन करते हैं और अब वे उस पार्टी पर बैन लगाना चाहते हैं जिसे लोगों ने 9 बार चुना है। ऐतिहासिक रूप से, जब बांग्लादेशी अपनी पसंदीदा पार्टी को वोट नहीं दे पाते, तो वे बिल्कुल भी वोट नहीं देते। इसलिए अगर अवामी लीग पर यह बैन जारी रहता है, तो लाखों लोग प्रभावी रूप से वोट देने के अधिकार से वंचित हो जाएंगे। ऐसे किसी भी चुनाव से बनने वाली सरकार में शासन करने का नैतिक अधिकार नहीं होगा। यह एक बहुत बड़ा मौका गंवाने जैसा होगा, ऐसे समय में जब बांग्लादेश को सच में राष्ट्रीय सुलह की प्रक्रिया की सख्त जरूरत है। उन्होंने यह भी कहा मेरा अतीत, वर्तमान और भविष्य हमेशा बांग्लादेश की सुरक्षा से जुड़ा रहा है और मैं देखना चाहती हूं कि मेरा देश एक ऐसे नेता को चुने जिसके पास शासन करने का अधिकार हो।

शेख हसीना ने प्रत्यर्पण की मांगों पर बात करते हुए कहा आप जिन बढ़ती मांगों का जिक्र कर रहे हैं, वे सिर्फ एक ज्यादा से ज्यादा निराश और भटकी हुई यूनुस सरकार की तरफ से आ रही हैं। बाकी सभी लोग आईसीटी प्रक्रिया को वैसा ही देख रहे हैं जैसी वह थी यानी एक राजनीतिक मकसद वाला कंगारू ट्रिब्यूनल। मैं भारत की तरफ से मेरे प्रति दिखाई जा रही एकजुटता और मेहमाननवाजी के लिए खुश और आभारी हूं और हाल ही में भारत की सभी राजनीतिक पार्टियों द्वारा इस रुख का समर्थन करने के लिए भी।

बांग्लादेश लौटने के बारे में उन्होंने कहा मैंने और खून-खराबा रोकने के लिए बांग्लादेश छोड़ा था, न्याय का सामना करने के डर से नहीं। आप मेरे राजनीतिक हत्या का सामना करने के लिए मेरी वापसी की मांग नहीं कर सकते। मैंने यूनुस को हेग में अपने आरोप ले जाने की चुनौती दी है, क्योंकि मुझे भरोसा है कि एक स्वतंत्र अदालत मुझे बरी कर देगी। जब बांग्लादेश में एक वैध सरकार और एक स्वतंत्र न्यायपालिका होगी, तो मैं खुशी-खुशी उस देश में लौट आऊंगी जिसकी मैंने पूरी ज़िंदगी सेवा की है।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने भारत-बांग्लादेश के बीच डिप्लोमैटिक तनाव पर बात करते हुए कहा जो तनाव आप देख रहे हैं, वह पूरी तरह से यूनुस की वजह से है। उनकी सरकार भारत के खिलाफ दुश्मनी वाले बयान देती है, धार्मिक अल्पसंख्यकों की रक्षा करने में नाकाम रहती है और चरमपंथियों को विदेश नीति तय करने देती है और फिर जब तनाव बढ़ता है तो हैरानी जताती है। भारत दशकों से बांग्लादेश का सबसे पक्का दोस्त और पार्टनर रहा है। हमारे देशों के बीच संबंध गहरे और बुनियादी हैं; वे किसी भी अस्थायी सरकार से ज़्यादा समय तक चलेंगे। मुझे भरोसा है कि एक बार जब सही शासन बहाल हो जाएगा, तो बांग्लादेश उस समझदारी वाली पार्टनरशिप पर लौट आएगा जिसे हमने 15 वर्षों में बनाया था।शेख हसीना ने कहा कि यूनुस सरकार के तहत कट्टरपंथी तत्वों को सत्ता और संरक्षण मिला है, दोषी आतंकियों को जेल से छोड़ा गया है और इससे देश की धर्मनिरपेक्ष पहचान खतरे में पड़ गई है। उन्होंने चेताया कि यह स्थिति न सिर्फ भारत, बल्कि पूरे दक्षिण एशिया की स्थिरता के लिए गंभीर खतरा है।

भारत विरोधी भावना बढ़ने पर बात करते हुए कहा यह दुश्मनी उन चरमपंथियों द्वारा पैदा की जा रही है जिन्हें यूनुस सरकार ने बढ़ावा दिया है। ये वही लोग हैं जिन्होंने भारतीय दूतावास पर मार्च किया और हमारे मीडिया दफ्तरों पर हमला किया, जो बिना किसी डर के अल्पसंख्यकों पर हमला करते हैं और जिन्होंने मेरे परिवार और मुझे अपनी जान बचाने के लिए भागने पर मजबूर किया। यूनुस ने ऐसे लोगों को सत्ता के पदों पर बिठाया है और दोषी आतंकवादियों को जेल से रिहा किया है।उन्होंने यह भी कहा, मुझे यह कहते हुए दुख हो रहा है कि अपने कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर भारत की चिंताएं जायज हैं। एक जिम्मेदार सरकार राजनयिक मिशनों की रक्षा करेगी और उन्हें धमकी देने वालों पर मुकदमा चलाएगी। इसके बजाय, यूनुस गुंडों को छूट देते हैं और उन्हें योद्धा कहते हैं।

पाकिस्तान को मिला तुर्किये की चापलूसी का इनाम, नौसेना में शामिल हुआ युद्धपोत पीएनएस खैबर

इस्लामाबाद,29 दिसंबर (एजेंसी)। पाकिस्तानी नौसेना को तुर्किये की वफादारी का इनाम मिला है। उसकी नौसेना में तुर्किये में बना दूसरा एमआईएलजीईएम श्रेणी का युद्धपोत पीएनस खैबर शामिल हो गया है। यह युद्धपोत तकनीक हस्तांतरण समझौते के तहत तैयार किया गया है। आईएसपीआर ने यह जानकारी दी है।

पाकिस्तानी नौसेना को तुर्किये की चापलूसी का इनाम मिला है। तुर्किये में बनाया गया दूसरा एमआईएलजीईएम श्रेणी का जहाज रविवार को इस्लामाबाद को मिल गया है। यह जहाज दोनों देशों के बीच तकनीक हस्तांतरण समझौते क तहत बनाया गया है। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा ने एक बयान में कहा, इस्तांबुल नेवल शिपयार्ड में आयोजित एक समारोह में पीएनएस खैबर को कमीशन किया गया। तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तईब एर्दोआन और पाकिस्तान की नौसेना के प्रमुख एडमिरल नवीद अशरइस समारोह में मौजूद थे।

बयान में दावा किया गया कि पीएन एमआईएलजीएम जहाज आधुनिक तकनीक वाले सतह युद्धपोत हैं। ये जहाज नवीनतम

कमान एवं नियंत्रण प्रणाली से लैस हैं, जिन्हें आधुनिक हथियारों और सेंसर्स के साथ जोड़ा गया है।

पाकिस्तान के लिए चार एमआईएलजीईएम श्रेणी जहाज बनाने का अनुबंध 2018 में किया गया था। समझौते के अनुसार, दो जहाज तुर्किये में और बाकी दो पाकिस्तान में बनाए जाने थे।

जलवायु संकट के बीच जैव विविधता की नई तस्वीर, वैज्ञानिकों ने गहराई में खोजीं जीवों की 200 नई प्रजातियां

इस्लामाबाद,29 दिसंबर (एजेंसी)। गुआम के समुद्री क्षेत्र में 130 से 490 फीट नीचे वैज्ञानिकों ने लगभग 2,000 समुद्री जीवों का अध्ययन किया है, जिनमें डीएनए विश्लेषण के बाद 200 तक नई प्रजातियों के सामने आने की संभावना है।

जलवायु परिवर्तन के बीच वैज्ञानिकों ने समुद्र की गहराइयों से जैव विविधता की एक नई तस्वीर सामने रखी है। गुआम के समुद्री क्षेत्र में 130 से 490 फीट नीचे वैज्ञानिकों ने लगभग 2,000 समुद्री जीवों का अध्ययन किया है, जिनमें डीएनए विश्लेषण के बाद 200 तक नई प्रजातियों के सामने आने की संभावना है।

जर्नल ऑफ बायोजियोग्राफी में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार समुद्र की सतह के पास स्थित कोरल रीफ जलवायु परिवर्तन, समुद्री तापमान में वृद्धि और अम्लीकरण के कारण सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। इसके विपरीत, मेसोफोटिक या ट्वाइलाइट जोन में स्थित गहरे रीफ अब तक अपेक्षाकृत कम अध्ययन किए गए थे। शोध संकेत देता है कि समुद्री जैव विविधता का एक बड़ा हिस्सा अब भी इन गहराइयों में छिपा हो सकता है।

लुइज रोचा का कहना है कि गहरे समुद्र की ये प्रजातियां इसलिए सामने नहीं आ पाई क्योंकि वहां तक पहुंचना बेहद कठिन और जानलेवा है। वैज्ञानिकों को नीचे काम करने के लिए औसतन केवल 15 मिनट का समय मिलता है, जबकि सतह पर लौटने में 4 से 5 घंटे का नियंत्रित डीकंप्रेशन आवश्यक होता है। एआरएमएस (ऑटोनॉमस रीफ मॉनिटरिंग स्ट्रक्चर्स) के जरिए की गई सैंपलिंग से यह भी सामने आया है कि गहरे रीफ में पाए जाने वाले कई जीव आनुवंशिक रूप से उथले रीफ की प्रजातियों से अलग हैं।

स्टडी के अनुसार एक ही एआरएमएस संरचना पर 200 से अधिक अलग-अलग टैक्सोनोमिक यूनिट्स दर्ज की गईं, जिनमें मछलियां, क्रस्टेशियन, मोलस्क, स्पॉन्ज और ट्यूनिकेट्स शामिल हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि डीएनए बारकोडिंग पूरी होने के बाद इनमें से कई दर्जन नहीं, बल्कि सैकड़ों जीवों की टैक्सोनॉमिक पहचान बदल सकती है, जिससे वैश्विक समुद्री प्रजातियों की गिनती में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

शोधकर्ताओं ने यह भी दर्ज किया कि ट्वाइलाइट जोन की कई प्रजातियां कम रोशनी में रंग बनाए रखने की जैविक क्षमता रखती हैं, जो मौजूदा समुद्री जीवविज्ञान के सिद्धांतों के लिए एक चुनौती मानी जा रही है। यही कारण है कि इस क्षेत्र को अब नेक्स्ट फ्रंटियर ऑफ मरीन साइंस कहा जा रहा है।

अमेरिकी न्याय विभाग ने फिर जारी की राष्ट्रपति ट्रंप की तस्वीर, दस्तावेज हटाने की वजह भी बताई

वॉशिंगटन,29 दिसंबर (एजेंसी)। अमेरिकी न्याय विभाग ने जेफरी एपस्टीन से जुड़े दस्तावेजों में शामिल राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तस्वीर दोबारा जारी की है। विभाग ने कहा कि समीक्षा के बाद यह पाया गया कि तस्वीर में किसी भी एपस्टीन पीड़ित को नहीं दिखाया गया है।न्याय विभाग ने स्पष्ट किया कि केवल कानून के अनुसार अस्थायी तौर पर जानकारी हटाई जाती है।अमेरिका के न्याय विभाग ने जेफरी एपस्टीन के हाल ही में जारी दस्तावेजों की एक तस्वीर फिर से जारी की है, जिसमें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप नजर आ रहे हैं। विभाग ने कहा है कि इस तस्वीर में कोई भी एपस्टीन पीड़ित नहीं दिखाया गया है। न्याय विभाग ने दक्षिणी जिला न्यूयॉर्क की ओर से पीड़ितों की सुरक्षा के लिए उठाए गए कदम के बाद इस तस्वीर को अस्थायी रूप से हटा दिया था।न्याय विभाग ने एक पोस्ट में कहा, दक्षिणी जिला न्यूयॉर्क ने पीड़ितों की सुरक्षा के लिए राष्ट्रपति ट्रंप की एक तस्वीर पर संभावित कार्रवाई के लिए संकेत दिया था।

सावधानी के तौर पर, न्याय विभाग ने समीक्षा के लिए तस्वीर को अस्थायी रूप से हटा दिया था। समीक्षा के बाद यह पाया गया कि तस्वीर में कोई एपस्टीन पीड़ित नहीं है, इसलिए इसे बिना किसी बदलाव के फिर से प्रकाशित किया गया है। इसके पहले सीएनएन ने बताया था कि एपस्टीन दस्तावेजों से जुड़ी 16 फाइलें न्याय विभाग की वेबसाइट से हटा दी गई हैं। इनमें से एक हटाई गई फाइल में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तस्वीर थी। अन्य हटाई गई फाइल में ज्यादातर स्पष्ट चित्र, डाक पेटियों वाले खांचे (स्लॉट), टाइल से बना गलिया और नाम व अपार्टमेंट के नंबर वाली नोटबुक के पन्ने शामिल थे। न्याय विभाग ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि वह पारदर्शिता के लिए प्रतिबद्ध है और केवल वैधानिक रूप से आवश्यक जानकारी को ही छिपाएगा। विभाग को कानून के तहत पीड़ितों, नाबालिगों या संभावित पीड़ितों की पहचान और संवेदनशील जानकारी को छिपाना होता है। विभाग ने यह भी कहा कि कोई भी जानकारी प्रसिद्ध लोगों या राजनीतिक रूप से संवेदनशील व्यक्तियों बचाने के लिए छिपाई नहीं गई है और भविष्य में भी नहीं छिपाई जाएगी।

अंधाधुंध फायरिंग से दहला शहर, 10 लोगों की मौत, कई घायल- सड़कों पर मौजूद भीड़ को बनाया निशाना

जोहान्सबर्ग ,29 दिसंबर (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है. यहां के बेकर्सडेल इलाके में अज्ञात बंदूकधारियों ने आम लोगों पर अंधाधुंध गोलियां बरसा दीं, जिससे पूरा इलाका गोलियों की तड़तड़ाहट से गूंज उठा. इस भीषण गोलीबारी में 10 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई है, जबकि 10 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं. घायलों को आनन-फानन में नजदीकी अस्पताल ले जाया गया है, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है.गौतेंग प्रांत की पुलिस प्रवक्ता ब्रिगेडियर ब्रेंडा मुरीडिली ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि हमलावरों ने बिना किसी भीड़ को निशाना बनाया।

ब्रिटेन में कबड्डी टूर्नामेंट बना जंग का मैदान, हथियारों के साथ नजर आए भारतीय मूल के 3 लोगों को कोर्ट ने सुनाई सजा

लंदन,29 दिसंबर (एजेंसी)। ब्रिटेन के डर्बी शहर में साल 2023 में एक कबड्डी टूर्नामेंट के दौरान हुई हिंसक झड़प के मामले में अदालत ने सख्त फैसला सुनाया है। खेल के मैदान को जंग के मैदान में बदलने वाले भारतीय मूल के तीन व्यक्तियों को दोषी करार देते हुए जेल की सजा सुनाई गई है। डर्बी पुलिस ने जानकारी दी कि बूटा सिंह, दमनजीत सिंह और राजविंदर तखर सिंह को नवंबर में चले मुकदमे में दोषी पाए जाने के बाद 19 दिसंबर को डर्बी क्राउन कोर्ट ने सजा का ऐलान किया है। यह फैसला खेल आयोजनों में अनुशासन और कानून व्यवस्था बनाए रखने की दिशा में एक कड़ा संदेश माना जा रहा है।यह पूरा मामला 20 अगस्त 2023 का है, जब डर्बी में आयोजित एक कबड्डी मैच के दौरान दो गुटों में पहले से रची गई साजिश के तहत भिड़ंत हो गई थी। पुलिस अधिकारियों द्वारा हासिल किए गए वीडियो फुटेज ने आरोपियों की पोल खोल दी, जिसमें बूटा करते हुए दिखाई दिया। पुलिस की जांच में सामने आया कि यह हिंसा अचानक नहीं भड़की थी, बल्कि सुनियोजित थी।

एक सप्ताह में रूस ने यूक्रेन पर बरसाए 1300 ड्रोन, 1200 गाइडेड बम, जेलेंस्की का बड़ा दावा

लंदन,29 दिसंबर (एजेंसी)। कीव यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने दावा किया है कि रूस ने बीते एक सप्ताह में यूक्रेन पर 1300 ड्रोन और 1200 गाइडेड बम दागे। यूक्रेन और रूस के बीच जारी युद्ध के बीच यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि बीते एक सप्ताह में रूस ने यूक्रेन पर करीब 1300 अटैक ड्रोन, लगभग 1200 गाइडेड एरियल बम और नौ मिसाइलें दागीं। इन हमलों का सबसे ज्यादा असर देश के दक्षिणी हिस्सों और ओडेसा क्षेत्र में देखा गया है। जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि रूस की लगातार बमबारी और ड्रोन हमलों से आम नागरिकों की जिंदगी प्रभावित हुई है, लेकिन यूक्रेन की आपात सेवाएं हालात को सामान्य बनाने में जुटी हैं।

यूक्रेनी अधिकारियों के मुताबिक, शुक्रवार रात ओडेसा क्षेत्र में हुए रूसी हमले में आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि 27 लोग घायल हुए हैं। आपात सेवाओं ने बताया कि एक बंदरगाह क्षेत्र को मिसाइल से निशाना बनाया गया, जिससे बिजली आपूर्ति भी बाधित हो गई।यूक्रेन को अंतरराष्ट्रीय समर्थनराष्ट्रपति जेलेंस्की ने बताया कि यूक्रेन को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार समर्थन मिल रहा है। यूरोपीय परिषद ने 2026-27 के लिए 90 अरब यूरो की वित्तीय सहायता मंजूर की है। इसके अलावा नॉर्वे और जापान ने भी सहायता पैकेज देने का ऐलान किया है। वहीं, पुर्तगाल के साथ समुद्री ड्रोन के संयुक्त उत्पादन को लेकर समझौता हुआ है। जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन और अमेरिका के बीच युद्ध समाप्त करने को लेकर बातचीत चल रही है। उनका कहना है कि रूस पर दबाव और कड़े प्रतिबंध जरूरी हैं, ताकि कूटनीति के जरिए सम्मानजनक शांति का रास्ता निकाला जा सके। उधर, रूस की ओर से भी संकेत दिए गए हैं कि अमेरिका के साथ चल रही बातचीत 'रचनात्मक' माहौल में आगे बढ़ रही है। हालांकि, जमीनी हालात अब भी बेहद तनावपूर्ण बने हुए हैं। जेलेंस्की ने दो टूक कहा कि युद्ध किसी के लिए फायदेमंद नहीं होता और आक्रामकता का जवाब अंतत: उसी देश को भुगतना पड़ता है। उन्होंने यूक्रेन की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने और अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया।

सम्पादकीय...

राम भरोसे जीने विवश हो जाएंगे

मनरेगा के जी राम जी में बदलने से निवेशकों और धनी इलाकों के किसानों को सस्ती दर पर मजदूर मिल सकेंगे। मनरेगा से इसमें बाधा आई थी और यह इन तबकों की इस कानून से आरंभ से ही एक बड़ी शिकायत थी। मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी अधिनियम) को वीबी- जी राम जी (विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन- ग्रामीण) में बदलने के नरेंद्र मोदी सरकार के इरादे में नागरिकों के प्रति उसके नजरिये की झलक देखी जा सकती है। मनरेगा उस दौर में बना, जब तत्कालीन यूपीए-1 सरकार ने विकास की अधिकार आधारित अवधारणा को अपनाया था। समझ यह थी कि गरिमामय जिंदगी की न्यूनतम शर्तों को वैधानिक अधिकार के रूप में मान्यता दी जाए और उन स्थितियों को हासिल करने की योजनाएं लागू की जाएं। इस रूप में उस दौर में बने कई कानून सामान्य कल्याण योजनाओं से अलग थे। इसीलिए मनरेगा को मांग केंद्रित बनाया गया- यानी प्रावधान किया गया कि ग्रामीण इलाकों में अकुशलकर्मी जब कभी मांग करेंगे, कम-से-कम 100 दिन उन्हें काम मुहैया करना सरकार के लिए अनिवार्य होगा। इस काम में पारिश्रमिक भुगतान का पूरा खर्च केंद्र उठाएगा, जबकि सामग्रियां आदि जुटाने का खर्च राज्य सरकार के खजाने से आएगा। अब ये सारे प्रावधान अब बदल जाएंगे। अब कुछ छोटे राज्यों को छोड़कर बाकी हर राज्य की सरकार को पारिश्रमिक का 40 फीसदी हिस्सा भी अपने कोष से देना होगा। इसके अलावा योजना मांग केंद्रित नहीं रह जाएगी। जी राम जी बजट का उपयोग सरकार की प्राथमिकता से होगा। बोलचाल की आर्थिक भाषा में कहें, तो डिमांड साइड के बजाय सप्लाई साइड की योजना बन जाएगी। फिर यह सालों भर चलने वाली योजना नहीं रहेगी। कृषि सीजन में इसे रोक दिया जाएगा। तो कुल मिलाकर बदलाव सिर्फ नाम में नहीं, बल्कि अधिनियम के मूल ढांचे में है। नतीजा यह होगा कि आपातकाल में न्यूनतम रोजगार की आश्वस्ति प्रदान करने और मजदूरों का पलायन रोकने में मनरेगा का, भले ही न्यूनतम मगर जो महत्वपूर्ण योगदान बना, वह स्थिति अब नहीं रहेगी। इससे निवेशकों और कृषि सीजन में धनी इलाकों के किसानों को सस्ती दरों पर मजदूर मिल सकेंगे। मनरेगा से इसमें रुकावट आई थी और यह इन तबकों की इस कानून से आरंभ से एक बड़ी शिकायत थी। जबकि जिन गरीब मजदूरों का यह सहारा था, वे अब राम भरोसे जीने को अधिक विवश हो जाएंगे।

रोक सको तो रोक लो

निर्मल असो

देश में वैज्ञानिक आविष्कार से कहीं ज्यादा जुमले की धार रही है। जुमलों ने देश का आचरण बदल दिया, बल्कि अब जो सुनाई देता है, वही दिखाई देता है। सारे रंगमंच और कलाकार विधानसभाओं या संसद में मिलने लगे हैं या मनोरंजन के लिए हम चुनाव पर एतबार करने लगे हैं। चारों तरफ देख कर लगता है कि देश में आजादी तो अभी-अभी आई है। सडक़ जैसे ही चौड़ी होती है, वाहन बिना किसी भय, आजादी से पार्क हो जाते हैं। देश की आजादी में रेहड़ी-फड़ी वालों का योगदान देखकर तो इतनी प्रेरणा मिलती है कि डिग्री की औकात भूल कर जहां जगह मिलती है, वहीं टपरी खड़ी कर दें। देश इतना आजाद हो रहा है कि इसे आगे बढऩे से रोकना मुश्किल है। सार्वजनिक जगह रोकना, काम की फाइल रोकना, किसी की प्रोमोशन रोकना, किसी का अनुदान, किसी का न्याय रोकना दरअसल देश की हिम्मत है। हिम्मत देखने के लिए किसी टीवी स्टूडियो की बहस में देश की बांछें खिल जाती हैं। देश में हिम्मत वाले अब कहां व्यवस्था में मिलते, कहां किसी एफआईआर या कानून की किताब में मिलते। वे तो अपने बाइक या चौपहिया वाहन पर देश की जमीन मापते मिलेंगे। इसलिए हर दिन देश अपनी छाती, अपने जिगर को चौड़ा करते हुए, हर तरह के अतिक्रमण को समेट लेता है। देश की राजधानी को आश्चर्य होता है कि उसके नाम पर दिल्ली में पुरानी दिल्ली ज्यादा चलती या नई। नोएडा ज्यादा चलता या गुडग़ांव। चलना भी कई बार रोक देता है। चला तो विपक्ष पूरी तरह और पूरे बिहार में, लेकिन चुनाव ने रोक दिया। वैसे देश में रोकने वाला, चलने वाले से महान है। युद्धविराम की चर्चा चलते युद्ध से ज्यादा हुई, क्योंकि रोकने वाला बताता रहता है कि उसने रोक दिया। इधर देश की राजनीति को समझ नहीं आ रहा कि उसे चलना है या एक दूसरे को रोकना। भारतीय व्यंजन समोसा यूं ही मशहूर नहीं हुआ, बल्कि इसके कारण हमारी क्षमता में इजाफा हुआ।

प्लेट में कितनी भी मिठाइयां हों, एक अदद समोसा इतना पसर जाता है कि जिंदगी भर उसी के डकार आते हैं। गोलगप्पा भी इसी प्रयास में रहा है, लेकिन वह पसर नहीं पाया। पसरने वाले लोग पहले शराब पीते थे, लेकिन अब चिट्टे के व्यापारी इतने पसर गए कि सरकारें भी छोटी हो गईं। सरकारों को छोटा करने के लिए विपक्षी दल अक्सर बड़ा आंदोलन खोजते खोजते अब ऐसे मैदान देखने लगे हैं, जहां से संघर्ष बड़ा दिखे। दिल्ली में कई मैदान हैं और अब तो हर प्रदेश की राजधानी के मैदानों पर विपक्ष की नजर है। बस एक बार आंदोलन में पसर जाएं, तो मैदान मार लेंगे। दो मैदान झगड़ पड़े। एक सियासी था, दूसरा खेलों के लिए साहसी थी। बार-बार विपक्ष सियासी मैदान पर खड़ा होकर सरकार को बौना कर देता। इसी मैदान की चर्चा से खेल का मैदान चिढ़ जाता। वहां की मेहनत, खिलाडिय़ों का पसीना न सरकार देखती न विपक्ष। एक दिन वहां खिलाडिय़ों ने खेलने से मना कर दिया। वे अपनी डाइट, खेल कोटे से सरकारी नौकरी की फरमाइश के खिलाफ आंदोलन पर उतर आए। मैदान चर्चित हो गया। खिलाडिय़ों के साथ विपक्ष को भी आंदोलन में आना पड़ा। अब वहां खेल नहीं होता, बल्कि खिलाड़ी ही अब सत्ता के खिलाफ विपक्षी हो गए। मैदान अब भी हैरान है कि उसका कद खेलों से नहीं, आंदोलन से कैसे बढ़ गया। सरकारें इसीलिए नए मैदान नहीं बना रहीं, क्योंकि मैदान बढेंग़े, तो आंदोलन भी बढ़ेंगे। जहां सडक़ें नहीं बनतीं, वहां अतिक्रमण नहीं होता, इसलिए विकास को रोक कर भी फायदा ही फायदा रहता है।

कांग्रेस ने विभाजन के बीज बोए

बलबीर पुंज

भारतीय उपमहाद्वीप में जो मुस्लिम समूह 'वंदे मातरम्' के विरोध के पीछे मजहबी कारणों का हवाला देता है, वह वास्तव में भ्रामक और झूठा है। विश्व के इस क्षेत्र में मुसलमानों का एक बड़ा हिस्सा पाकिस्तान को इस्लामी पहचान का प्रतीक मानता है। परंतु पाकिस्तान न तो इस्लाम का रक्षक है, न ही 'उम्माह' के प्रति वफादार।

भारत के राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' के विरोध का कारण क्या है? तथाकथित 'सेकुलर' खेमा— जोकि वामपंथियों, स्वयंभू उदारवादियों और मुस्लिम नेतृत्व के एक वर्ग को मिलाकर बना है— उसका दावा है कि वंदे मातरम् 'गैर-इस्लामी' है। सच क्या है? दरअसल, इस आपत्ति की जड़ें इस्लामी अवधारणाओं के बजाय भारतीय उपमहाद्वीप के मुस्लिम अभिजात वर्ग में व्याप्त गैर-इस्लामी सनातन सभ्यता के प्रति गहरे द्वेष में अधिक मिलती है। इसी अंतर्निहित वैमनस्य की कोख से पाकिस्तान का जन्म हुआ था, जो आज भी विश्व के इस भूखंड में सांप्रदायिक विभाजनकारी मानसिकता को जिंदा रखे हुए है।

जिस तरह संस्थाएं-व्यक्ति समय के साथ बदलते हैं, वैसे ही विचार भी विकसित होते हैं। 'वंदे मातरम्' बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित गीत है, जिसे पहले 1875 में स्वतंत्र कविता के रूप में लिखा गया, फिर यह 1882 में 'आनंदमठ' उपन्यास में शामिल हुआ। यह साहित्य 1773 के 'संन्यासी विद्रोह' पर आधारित है, जो ब्रितानी शासन और तत्कालीन इस्लामी-व्यवस्था के विरुद्ध था। बीसवीं सदी की शुरूआत से यह गीत स्वतंत्रता आंदोलन का सबसे शक्तिशाली नाद बन गया।

कांग्रेस स्वयं भी इस वैचारिक रूपांतरण का एक बड़ा उदाहरण है। 1885 में अंग्रेज अधिकारी एलन ऑक्टेवियन ह्यूम द्वारा स्थापित कांग्रेस पहले ब्रिटिश-राज की स्थिरता और 1857 जैसे विद्रोह को रोकने का कुटिल उपक्रम था। परंतु एक पीढ़ी के भीतर— विशेषकर वर्ष 1920 के बाद गांधीजी के नेतृत्व में, वही दल जन-आधारित राष्ट्रवाद की सबसे बड़ी धुरी बन गया। क्या केवल इस कारण कांग्रेस को खारिज किया जा सकता है कि उसकी स्थापना एक अंग्रेज ने ब्रितानी हितों की रक्षा हेतु की थी? यदि नहीं, तो फिर 'वंदे मातरम्' का विरोध उसके मूल साहित्यिक संदर्भ के नाम पर कैसे जायज ठहराया जा सकता है?

वर्ष 1896 में कांग्रेस के कोलकाता अधिवेशन में गुरुदेव रबींद्रनाथ टैगोर ने इस गीत को पहली बार गाया। 1905 के वाराणसी अधिवेशन में कांग्रेस ने इसे राष्ट्रीय अवसरों पर गाने का औपचारिक निर्णय लिया। वर्ष 1907 में मैडम भीकाजी कामा ने देश के बाहर जर्मनी में पहली बार भारतीय तिरंगा फहराया, जिस पर 'वंदे मातरम्' लिखा था। 1909 में वीर क्रांतिकारी मदनलाल ढींगरा 1909 में 'वंदे मातरम्' बोलते हुए फांसी पर चढ़ गए। खिलाफत आंदोलन (1919-24) के बाद कुछ मुस्लिम नेताओं ने मजहबी आधार पर इसके खिलाफ आपत्ति उठानी शुरू कर दी। यह वही दौर था, जब ब्रिटिश संरक्षण में देश में अलगाववादी शक्तियां (द्रविड़ आंदोलन सहित) तेजी से बढ़ रही थीं।

तब मुस्लिम नेतृत्व का कांग्रेस-विरोध केवल वंदे मातरम् तक सीमित नहीं था। उन्होंने लगभग हर उसका विरोध किया, जो भारत की सभ्यतागत विविधता और सांस्कृतिक आत्मा का प्रतीक रहा। इसमें वे ब्रितानियों और वामपंथियों के साथ खड़े दिखाई दिए। अपने पिछले लेख में मैंने पीरपुर समिति रिपोर्ट का उल्लेख किया था। मार्च 1938 में प्रकाशित इस दस्तावेज का औपचारिक नाम— ए रिपोर्ट ऑफ द इन्क्वारी कमेटी अप्वाइंटेड बाय द काउंसिल ऑफ द ऑल इंडिया मुस्लिम लीग था। यह पीरपुर रिपोर्ट के नाम से इसलिए प्रसिद्ध हुई, क्योंकि इसके रचनाकार मुस्लिम लीग नेता राजा मोहम्मद मेहदी ऑफ पीरपुर थे। इस रिपोर्ट में हिंदू, हिंदू सांप्रदायिकता और कांग्रेस— तीनों का अर्थ एक ही था। इसमें हिंदी भाषा के प्रयोग, वंदे मातरम् और गौसंरक्षण जैसे मुद्दों को उठाया गया।

तत्कालीन कांग्रेस नेतृत्व ने मुस्लिम लीग के अधिकांश आरोपों को निराधार बताया। परंतु उसने विरोध करने के बजाय जिहादी शक्तियों के सामने घुटने टेक दिए और अक्टूबर 1937 में कांग्रेस कार्यसमिति ने वंदे मातरम् का संक्षिप्त संस्करण अपनाकर देवी दुर्गा से जुड़े अंश हटा दिए। यह निर्णय देश पर भारी पड़ा। तब पीरपुर रिपोर्ट को आधार बताकर नैरेटिव गढ़ा गया कि स्वतंत्र भारत में मुसलमानों को न्याय नहीं मिलेगा, इसलिए पाकिस्तान जरूरी है। इसी आत्मसमर्पण वाली मानसिकता से ग्रस्त होकर दस वर्ष बाद जून 1947 में कांग्रेस ने विभाजन भी स्वीकार कर लिया। पीरपुर रिपोर्ट में जो आरोप तब कांग्रेस पर लगाए गए थे, वह आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आरएसएस पर मढ़े जाते हैं।

क्या विभाजन के बाद खंडित भारत में बसे मुस्लिम समुदाय का दिल बदल गया? बार-बार नैरेटिव गढ़ जाता है कि वर्तमान भारतीय मुसलमानों ने 'दो-राष्ट्र सिद्धांत' को ठुकराकर पाकिस्तान के बजाय खंडित भारत को चुना। यदि यह सच है, तो फिर भारतीय सभ्यता का प्रतीक वंदे मातरम् आज भी उसी समुदाय के कुछ हिस्सों को क्यों खटकता है? यह कटु सत्य है कि पाकिस्तान की मांग तब बिहार, उत्तरप्रदेश और बंगाल के मुस्लिम अभिजात वर्ग ने की थी, उनमें से अधिकांश पाकिस्तान नहीं गए। उन्होंने यहीं रहकर जिहादी नकाब उतारकर खादी पहन ली और उसी कांग्रेस में शामिल हो गए, जिसे वे कभी 'गैर-इस्लामी' कहते थे। पीरपुर रिपोर्ट के लेखक राजा मेहदी के बेटे सैयद अहमद मेहदी भी बाद में कांग्रेस के सांसद और केंद्रीय मंत्री भी बने। ऐसे कई उदाहरण है। कितनी बड़ी विडंबना है कि आजादी से पहले जो मुस्लिम नेता 'दो राष्ट्र सिद्धांत' के झंडाबरदार थे, वे आज सेकुलरवाद के 'पैरोकार' है। भारतीय उपमहाद्वीप में जो मुस्लिम समूह 'वंदे मातरम्' के विरोध के पीछे मजहबी कारणों का हवाला देता है, वह वास्तव में भ्रामक और झूठा है। विश्व के इस क्षेत्र में मुसलमानों का एक बड़ा हिस्सा पाकिस्तान को इस्लामी पहचान का प्रतीक मानता है। परंतु पाकिस्तान न तो इस्लाम का रक्षक है, न ही 'उम्माह' के प्रति वफादार। वैश्विक मुस्लिम एकजुटता के बजाय अमेरिका-इजराइल का प्रत्यक्ष-परोक्ष साथ देते हुए ईरान पर हमले का सहभागी बनना, गाजा पर अमेरिकी प्रस्ताव को स्वीकार और अपने देश में मुसलमानों की पहचान मिटाने वाले चीन के साथ रणनीतिक गठजोड़ करना— पाकिस्तान और उससे सहानुभूति रखने वाले वर्ग के दोहरे चरित्र को उजागर करता है।

(यह लेखक के अपने विचार है)

भाजपा नेतृत्व में पीढ़ीगत परिवर्तन

हरिशंकर व्यास

बिहार के विधायक नितिन नबीन को भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने को भाजपा नेतृत्व में पीढ़ीगत परिवर्तन के तौर पर देखा जा रहा है। इसकी तुलना दूसरी पार्टियों के अध्यक्षों के उम्र से भी हो रही है। जाहिर है कि इन दिनों मीडिया को वही नैरेटिव चलाना होता है, जो ऊपर से कहा जाता है। इसलिए मल्लिकार्जुन खड़गे की उम्र से लेकर ममता बनर्जी तक के उम्र की तुलना नितिन नबीन की 45 साल की उम्र से की जा रही है। लेकिन क्या पहले भी भाजपा में ऐसे ही नहीं होता था? कम से कम पिछले एक दशक से यह दिख ही रहा है। भाजपा ने जब अमित शाह को अध्यक्ष बनाया तो वह भी पीढ़ीगत परिवर्तन ही था। उस समय भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजनाथ सिंह थे, जिनकी उम्र 63 साल थी। उनकी जगह 49 साल के अमित शाह को पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया था।

उसके साथ ही तय था कि अब अगला अध्यक्ष अब अमित शाह की पीढ़ी से ही आएगा। अमित शाह ने छह साल बाद 2020 में जब अध्यक्ष पद छोड़ा तब उनकी उम्र 54 साल थी और उस समय 59 साल के हो रहे जेपी नड्डा को कमान दी गई। इस तरह शाह और नड्डा के जरिए उस समय की पहली और दूसरी दोनों लाइन के नेताओं में से किसी के अध्यक्ष बनने की संभावनाओं को समाप्त कर दिया गया। उस समय सुषमा स्वराज से लेकर अरुण जेटली, अनंत कुमार, मनोहर परिकर, उमा भारती, सुशील मोदी, बीएस येदियुरप्पा जैसे तमाम नेता जैसे तमाम नेता रेस से बाहर हो गए।

वही काम अब नितिन नबीन के जरिए होगा। उनकी उम्र 45 साल है और यह मान कर चलें कि वे छह साल रहेंगे तो हटने के समय उनकी उम्र 51 साल के आसपास होगी। सो, तय मानें कि उस समय जो अध्यक्ष बनेगा वह इसी उम्र के आसपास का होगा। संभव है कि 55 साल से कम उम्र का हो। इससे कितने लोगों का पत्ता साफ हो गया? अध्यक्ष बनने के जितने दावेदार हैं। धर्मेंद्र प्रधान से लेकर भूपेंद्र यादव, विनोद तावड़े आदि सबकी संभावना खत्म हुई। नितिन नबीन के अध्यक्ष बनने के बाद का घटनाक्रम देखें तो बहुत साफ दिख रहा है कि वे दो श्रेणी के नेताओं के यहां मिलने गए। इनमें मार्गदर्शक मंडल वाले मुरली मनोहर जोशी जैसे नेता हैं तो भाजपा की पहली पंक्ति वाले नेता हैं राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी आदि हैं। बाकी सारे नेता या तो हवाईअड्डे पर उनके स्वागत के लिए खड़े थे या पार्टी मुख्यालय में गुलदस्ता लेकर उनके स्वागत के लिए खड़े थे। सो, अब भाजपा के नेता कयास लगा रहे हैं कि छह साल के बाद किसकी लॉटरी निकल सकती है। लेकिन कोई किसी नतीजे पर नहीं पहुंच सकता है।

नितिन नबीन को अध्यक्ष बनाने से एक और बदलाव हुआ है। भाजपा ने परिवारवाद को स्वीकार करने की दिशा में एक कदम और बढ़ा दिया है। पहले कहा जाता था कि भाजपा ऐसी पार्टी है, जिसमें कोई भी सामान्य नेता या कार्यकर्ता अध्यक्ष बन सकता है, जबकि कांग्रेस में यह पद आरक्षित है। तो कांग्रेस ने उधर परिवार से बाहर और पहली पीढ़ी के राजनेता मल्लिकार्जुन खड़गे को अध्यक्ष बनाया। वही भाजपा ने अब अपनी पार्टी के नेता की दूसरी पीढ़ी के व्यक्ति को अध्यक्ष बनाया। यह बदलाव मामूली नहीं है। नितिन नबीन के पिता नवीन किशोर सिन्हा भाजपा के संस्थापक सदस्यों में से थे। उन्होंने 1974 के जेपी आंदोलन में हिस्सा लिया था। एक समय बिहार में भाजपा के सबसे बड़े नेताओं में गिने जाते थे। अपने पिता की विधानसभा सीट से विधायक बन कर उनकी विरासत संभाल रहे नितिन नबीन को भाजपा ने अध्यक्ष बना कर यह संदेश दिया कि अब भाजपा के पुराने नेताओं के बच्चे सर्वोच्च पद पर पहुंच सकते हैं। अगर धर्मेंद्र प्रधान अध्यक्ष बनते तब भी यह बदलाव देखने को मिलता क्योंकि उनके पिता देवेंद्र प्रधान भी भाजपा के बड़े नेता थे। वे अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में मंत्री भी थे।

अब तक भाजपा इससे बचती थी। अपने किसी नेता के परिवार के सदस्यों को मुख्यमंत्री बनाने से भाजपा इनकार करती रही है और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के बारे में तो सोचा भी नहीं जा सकता था। लेकिन नितिन नबीन से यह सिद्धांत बदला है। अब अनुराग ठाकुर उम्मीद कर सकते हैं कि वे अगली बार अध्यक्ष बन जाएं, प्रवेश साहेब सिंह वर्मा और बांसुरी स्वराज भी उम्मीद कर सकते हैं। गोपीनाथ मुंडे और प्रमोद महाजन की बेटियां भी भाजपा के सर्वोच्च पद पर पहुंचने की उम्मीद कर सकती हैं। पीढ़ीगत परिवर्तन की वजह से तेजस्वी सूर्या और के अन्नामलाई जैसे नेता अब रेस में आ गए हैं। हालांकि नरेंद्र मोदी और अमित शाह के यहां यह देखने को मिला है कि जिनके नाम की ज्यादा चर्चा होती है उनको कुछ नहीं मिलता है। अगर आगे उन्हीं का नेतृत्व कायम रहता है तो फिर सारे नाम, जिनके कयास लगाए जा रहे हैं, बेमानी हैं।

एक बदलाव यह भी हुआ है कि संगठन के न्यूनतम अनुभव के बावजूद किसी को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जा सकता है। नितिन नबीन का संगठन का कुल जमा अनुभव यह है कि वे भारतीय जनता युवा मोर्चा में अनुराग ठाकुर की टीम में थे और उसी मोर्चा के बिहार के अध्यक्ष भी रहे। उसके अलावा सिक्किम के प्रभारी और छत्तीसगढ़ के प्रभारी व सह प्रभारी रहे। इससे पहले जेपी नड्डा को भी हिमाचल प्रदेश की राजनीति से निकाल कर लाया गया था लेकिन वे पहले महासचिव बने थे। संसदीय बोर्ड के सदस्य बने थे। उत्तर प्रदेश जैसे राज्य के प्रभारी रहे और केंद्रीय मंत्री रहे तब राष्ट्रीय अध्यक्ष बने। अमित शाह भी गुजरात से आकर उत्तर प्रदेश के प्रभारी बने थे। उनसे पहले नितिन गडकरी महाराष्ट्र प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष रहे थे और राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ से राजनीति शुरू की थी। नितिन नबीन दिल्ली और रांची में पढ़ाई कर रहे थे, जहां से अपने पिता की विरासत संभालने पहुंचे थे।

(यह लेखक के अपने विचार है)

परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में बड़े परिवर्तन का रास्ता साफ

संचालक कंपनी पर अधिकतम जुर्माना 3000 करोड़ रुपये का ही लग सकेगा। नुकसान उससे ज्यादा हुआ, तो जुर्माना सरकार भरेगी। लेकिन जब स्वामित्व निजी कंपनी का होगा, तो पीड़ितों को मुआवजे का बोझ करदाताओं पर क्यों डाला जाना चाहिए?

परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को निजी निवेश के लिए खोलने का पेश बिल आज के चलन के मुताबिक ही है। मगर शांति (सस्टेनेबल हार्नेसिंग एंड एडवांसमेंट ऑफ न्यूक्लियर एनर्जी फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया) विधेयक में हादसे की स्थिति में विदेशी सप्लायरों को जिम्मेदारी मुक्त करने का शामिल प्रावधान समस्याग्रस्त है। यह धारणा पहले से मौजूद है कि 2010 के सिविल लायबिलिटी ऑफ न्यूक्लियर डैमेज ऐक्ट के तहत लागू इस प्रावधान को डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन के दबाव में बदला जा रहा है। ऐसी खबरें रही हैं कि ट्रंप प्रशासन ने भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए जो शर्तें लगाईं, उसमें यह भी शामिल था।

नए विधेयक में प्रावधान है कि परमाणु संयंत्र की संचालक कंपनी रिएक्टर और अन्य उपकरणों की सप्लायर कंपनी से अपने करार में दुर्घटना का दायित्व साझा करने का प्रावधान कर सकती है। लेकिन करार में यह शर्त शामिल नहीं रही, तो फिर सप्लायर की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। फिर यह प्रावधान भी समस्याग्रस्त है कि हादसे की सूरत में संचालक कंपनी पर अधिकतम जुर्माना 3000 करोड़ रुपये का ही लगाया जा सकेगा। नुकसान उससे ज्यादा हुआ, तो जुर्माना सरकार भरेगी। आखिर जब संचालन निजी कंपनी के हाथ में है और उसने सप्लायर से स्वतंत्र रूप से समझौता किया हुआ है, तो पीड़ितों को मुआवजा देने का बोझ भारतीय करदाताओं पर क्यों डाला जाना चाहिए?

अधिकारियों ने दावा किया है कि शांति विधेयक के पारित होने पर परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी निवेश आएगा। इससे भारत 2047 तक एक लाख मेगावाट परमाणु बिजली पैदा करने का लक्ष्य हासिल कर सकेगा। अभी 8,900 मेगावाट परमाणु बिजली ही भारत में बनती है। बहरहाल, निवेश और निर्माण संबंधी फैसले बाजार की परिस्थितियों के अनुरूप होते हैं। एक बड़ा सवाल कीमत का है। परमाणु संयंत्र लगाना और उसका रखरखाव करना खासा महंगा पड़ता है। ऐसे में निवेश के लिए कितनी प्राइवेट कंपनियां आगे आएंगी और पैदा बिजली को वो उपभोक्ताओं को किस दाम पर उपलब्ध कराएंगी, ये सब भविष्य में जाकर ही जाहिर होगा। फिलहाल, यह सच है कि पेश बिल से भारत के परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में बड़े परिवर्तन का रास्ता साफ हुआ है।

थरूर को वरकर के नाम से परहेज़ क्यों?

हरिशंकर व्यास

पिछले सप्ताह ख़बर थी कि शशि थरूर ने सावरकर के नाम पर दिए जाने वाले पुरस्कार को अस्वीकारा। क्यों? एक ओर वे हिंदू राजनीति का गुड़ खा रहे हैं, मोदी-पुतिन की दोस्ती की व्याख्या से लेकर सरकार की विदेश नीति और 'मैं हिंदू क्यों हूं' जैसी वैचारिक प्रस्तुति है वही दूसरी ओर, कांग्रेस और केरल की राजनीति में वे पैंतरे हैं, जिनसे कमल खिले और कांग्रेस सिमटे। तब फिर सावरकर के नाम से परहेज़ क्यों? मामला वही है, गुड़ खाना है, पर गुलगुलों से दूरी बनाए रखनी है। सवाल है कि थरूर को सावरकर के नाम और उनकी तस्वीर से एलर्जी है, या उस हिंदू राजनीति की थीसिस से, जिसे आज हिंदुत्व की झंडाबरदार जमात ने अपने क़ब्ज़े में ले लिया है?

कारण शायद मनोवैज्ञानिक है। शशि थरूर स्वतंत्रता बाद की उस पहली पीढ़ी की वह प्रतिनिधि शख्सियत हैं जो नेहरू के आईडिया ऑफ इंडिया के ज़माने के प्रभुवर्ग की कुलीनताओं में पली और बढ़ी है। थरूर दिल्ली के सेंट स्टीफंस कॉलेज में पढ़-लिख करियरवादी बुनावट में आईएएस की बजाय अमेरिका-संयुक्त राष्ट्र के मौकों से डिप्लोमेट बने। अब कूटनीतिज्ञ भी शब्दों, भाषा के खिलाड़ी, बढ़ई होते है। विशेषकर वे बौद्धिक, जिनका दिमाग मूल मातृभाषा पर औपनिवेशिक, याकि पराई भाषा की परत में पढ़ते-लिखते और बोलते हैं। खांटी शब्दों में—मैकॉले की संतानों की मनोदशा का यह वह स्थायी सत्व-तत्व है जो बिजनेस क्लास से सांस, सुकून पाता है और उसके लिए बाकी कैटल क्लास के मनुष्य!

मैं भी उम्र की कसौटी में स्वतंत्रता-उपरांत की पहली पीढ़ी का प्रतिनिधि हूं। मेरा संयोग है जो मेरी मौलिकता मातृभाषा से पोषित है और मैंने 1975 में जेएनयू, पत्रकारिता में बेनेट कोलमैन की शुरुआत से, लुटियन दिल्ली की पत्रकारिता में पहुंच आदि के ज़रिए अंग्रेज़ीदां शशि थरूर, मणिशंकर अय्यर, दून टोली आदि से लेकर अंग्रेज़ीदां श्रीश मुलगांवकर, जॉर्ज वर्गीज़, अरुण शौरी सहित कैबिनेट सचिव, आईएएस, आईएफएस पर जहां बारीकी से गौर किया है वहीं अपने खुद के हॉस्टल साथी या पत्रकार सतीश झा, सीताराम येचुरी, रविशंकर की संगत में बखूबी जाना-बूझा है कि अंग्रेजीदां एलिट जमात का बिज़नेस क्लास भाव कैसी-कैसी चाहनाओं, रंग-रूप, इच्छाओं-आकांक्षाओं से बना होता है।

हिसाब से इसमें कुछ बुरा नहीं है। यों भी भारत का इतिहास गवाह है कि दिल्ली और भारत, और ख़ासकर हम हिंदू, सदा-सनातनी वर्ण-वर्ग से अधिक बिज़नेस क्लास बनाम कैटल क्लास का वह विभाजन लिए रहे हैं, जिसकी प्रभु-वर्गीय देवभाषा संस्कृत, फ़ारसी, अंग्रेज़ी रही है, वहीं आमजन पाली, हिंदुस्तानी, हिंदी, क्षेत्रीय भाषाओं, बोलियों से गुज़ारा करता आया है। मातृभाषा-मातृबुद्धि बनाम सत्ता-भाषा-प्रभुवर्गीय बुद्धिका सनातन संस्कृति में अंतराल न कभी घटा और न कभी मिटा।

इसलिए जिसने भी देशज, स्वभाषा में कैटल क्लास की आकांक्षाओं में अपनी देशज राजनीति की, वे सदैव लुटियन दिल्ली में अमान्य रहे। स्वतंत्रता के बाद नेहरू का आईडिया ऑफ इंडिया चूंकि सत्ता की भाषा-बुद्धि-चिंतन का खूंटा था, तो बौद्धिकता में उस मैकाले मानस का एकाधिकार बनना ही था जो सत्ता की भाषा याकि अंग्रेजी में सोचे, बोले, लिखे। तभी स्वतंत्र भारत में सावरकर अछूत थे और संघ-जनसंघ की राजनीति टिमटिमाती हुई थी।

तभी अटल बिहारी वाजपेयी यह सोच फड़फड़ाते थे कि जाएं तो जाएं कहां! वही 2014 से पहले नरेंद्र मोदी का रंज में कटाक्ष था—वाह, क्या गर्लफ्रेंड है, आपने कभी देखा है पचास करोड़ की गर्लफ्रेंड! और मैंने वह समय प्रत्यक्ष देखा है जब संसद में स्पीकर मनोहर जोशी की लगभग ज़िद से सेंट्रल हॉल में सावरकर की तस्वीर जब लगाई गई, तब कांग्रेस की मणिशंकर अय्यर एंड पार्टी ने इस शिद्दत से विरोध किया था मानों संसद भवन अपवित्र हुआ हो।

इस नाते मणिशंकर अय्यर और शशि थरूर की बौद्धिकता का एक ही स्तर, एक सा विन्यास, एक ही खूंटा है। मैं बिज़नेस क्लास बनाम कैटल क्लास का रूपक बार-बार इसलिए उपयोग कर रहा हूं क्योंकि हवाई यात्रा के सफर को लेकर शशि थरूर ने ही ऐसे कहा था।

तो शशि थरूर और सत्ता-पावर पोषित नेहरू के आईडिया ऑफ इंडिया के रंग में ढली-बनी बुद्धि आदतन सत्ता की भूख लिए हुए है। इसलिए मोदी राज में अवसर तलाशने की फड़फड़ाहट है, मगर कैटल क्लास में बैठने, उसके पूजनीय को अपना पूजनीय मानने का मन नहीं करता। शर्म आती है। असंभव नहीं है, पर कल्पना करें—संघ प्रोग्राम में मोहन भागवत का बौद्धिक सुनते हुए शशि थरूर को। या थरूर को मोदी द्वारा यह ज्ञान दिया जाना कि मैं तुम्हे समझाता हूं कि तुम क्यों हो हिंदू? थरूर ने पिछले ग्यारह वर्षों में अपने को हिंदू बतलाने की कई कोशिशें की हैं। अवसरवाद के औचित्य बनाए हैं। भय, भूख, भक्ति के उपक्रम किए हैं। लेकिन सावरकर को लेकर इनकार या दुविधा का जो भाव हाल में दर्शाया है, वह भारत की बौद्धिकता का वह राष्ट्रीय खोखलापन है जो मौजूदा संक्रमण काल में और गाढ़ा होते हुए है। इसलिए क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी ने दो टूक घोषणा की है कि ज़माना हार्वर्ड याकि बुद्धि का नहीं, हार्ड वर्क का है—और भाजपा-संघ के लिए यह परम पूजनीय, आदरणीय प्रातः स्मरणीय ज्ञान सूत्र है।

एक और सत्य व तथ्य। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपनी सौवीं वर्षगांठ तक भी सरकार से जब सावरकर, हेडगेवार, गोलवलकर या करपात्री में से किसी को भी भारत रत्न से पुरस्कृत नहीं कर पाया और वे जस के तस लुटियन दिल्ली में अमान्य हैं, तो भला शशि थरूर क्योंकर सावरकर का महिमामंडन करें?

मान लें, शशि थरूर सावरकर अवॉर्ड ले लेते। अपने ऊपर सावरकरवादी होने का ठप्पा लगवा लेते तो इससे प्रधानमंत्री मोदी के लिए क्या उपयोगिता बनती? केरल उनके चेहरे से चुनाव नहीं जीता जा सकता। और थरूर के डाक टिकट आकार के फोटो से भाजपा विधानसभा चुनाव जीत भी जाए, तो उसका श्रेय नरेंद्र मोदी, अमित शाह के खाते में ही जमा होगा। भाजपा में अब बुद्धिजीवी, ज्ञानी या हार्वर्ड के चेहरे श्रेय के कैसे हकदार हो सकते हैं?

शशि थरूर ने जब बिज़नेस क्लास बनाम कैटल क्लास का फर्क बताया था, तब उसके पीछे उनका एक बौद्धिक अहंकार भी था। इसलिए शशि थरूर ने भाजपा-संघ में इंटेलेक्चुअल उपयोगिता का हिसाब बनाया हुआ होगा। मोदी सरकार के ग्यारह वर्ष बाद भला कौन नहीं बूझ सकता है कि लुटियन दिल्ली की सत्ता, सत्तावान पार्टी, परिवार को तर्क, विमर्श, आलोचना, बहस, बुद्धि नहीं चाहिए, बल्कि भीड़, नैरेटिव, भावनात्मक आक्रोश और एंटी-इंटेलेक्चुअलिज्म का शोर चाहिए तब भला थरूर जैसों का क्या काम?

ग्यारह वर्षों का यह आम निष्कर्ष है कि भाजपा-संघ परिवार के तमाम कथित या उधार के बुद्धिजीवी सत्ता के घेरे में रहते हुए भी निष्प्रभावी सिद्ध हुए हैं। वे केवल उपस्थिति दर्ज करवा रहे हैं। न काम के न काज के। झूठ-प्रोपेगेंडा की गंगा-यमुना बहाए हुए हैं। लुटियन दिल्ली अब वह राजधानी नहीं है जहा विचारों की ठंडी हवा चले, बुद्धि के सौ फूल खिलें और शोर की जगह संवाद उगे। अब दिल्ली में ही नहीं पूरे भारत में ज्ञान, बहस और आलोचना को संदेह से नहीं, बल्कि शत्रुता की दृष्टि से देखा जाता है। यह स्थिति न तो सावरकर के हिंदुत्व की मूल राजनीतिक चेतना से मेल खाती है, न ही गोलवलकर, मदन मोहन मालवीय या करपात्री जैसे परंपरागत हिंदू विचारकों की उस दृष्टि से, जहां वैचारिक स्पर्धा को बौद्धिक गरिमा से निभाया जाता था।

(यह लेखक के अपने विचार है)

सीनियर पत्रकार और लेखक आलोक मेहता ने अपनी किताब रिवोल्यूशनरी राजनरेंद्र मोदी के 25 साल की पहली कॉपी पब्लिशर संजय आर्य के साथ नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेंट की।

विकसित भारत के लिए मानव पूंजी पर फोकस: पीएम

नईदिल्ली, 29 दिसम्बर [एजेंसी]।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को राजधानी दिल्ली में आयोजित मुख्य सचिवों के राष्ट्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता की। इस दौरान शासन और सुधारों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर गहन और सार्थक चर्चा हुई। प्रधानमंत्री ने इसे केंद्र और राज्यों के बीच सहयोग को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा, दिल्ली में आयोजित मुख्य सचिवों के राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान शासन और सुधारों से जुड़े विभिन्न विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। अधिकारियों के अनुसार, यह सम्मेलन राष्ट्रीय विकास

प्राथमिकताओं पर केंद्र और राज्यों के बीच संरचित तथा सतत संवाद का एक अहम मंच बनकर उभरा है। सम्मेलन में प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव पीके मिश्रा और शक्तिकांत दास, कैबिनेट सचिव टीवी सोमनाथन, नीति आयोग के सदस्य तथा सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिव शामिल हुए। केंद्र सरकार के मंत्रालयों, विभागों, नीति आयोग, राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों के साथ व्यापक विचार-विमर्श किया गया। इस वर्ष सम्मेलन का मुख्य विषय विकसित भारत के लिए मानव पूंजी रखा गया है।

इसके तहत राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में अपनाई जा सकने वाली श्रेष्ठ प्रक्रियाओं और रणनीतियों पर चर्चा हो रही है। खास तौर पर पांच प्रमुख क्षेत्रों- प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा, स्कूली शिक्षा, कौशल विकास, उच्च शिक्षा, खेल एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों- पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सम्मेलन की रूपरेखा के अनुसार, सप्ताहांत में छह विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे। इनमें राज्यों में डी-रेगुलेशन, शासन में तकनीक के अवसर और जोखिम, स्मार्ट सप्लाई चेन व बाजार संपर्क के लिए एग्रीस्टैक, एक राज्य-एक विश्वस्तरीय पर्यटन स्थल, आत्मनिर्भर भारत और स्वदेशी, तथा वामपंथी उग्रवाद मुक्त भविष्य की योजनाओं पर चर्चा शामिल है।इसके अलावा, विरासत और पांडुलिपियों के संरक्षण व डिजिटलीकरण तथा आयुष फार आल के तहत प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं में पारंपरिक ज्ञान के एकीकरण जैसे विषयों पर भी केंद्रित विमर्श किया जाएगा। प्रधानमंत्री के सहकारी संघवाद के विजन पर आधारित यह सम्मेलन केंद्र और राज्यों को एक साझा रोडमैप तैयार करने का अवसर देता है, जिससे भारत की मानव पूंजी का अधिकतम उपयोग हो सके और समावेशी व भविष्य-उन्मुख विकास को गति मिले।

शिवसेना पार्षद के पति की दिनदहाड़े हत्या, बीच सड़क पर तलवार और कुल्हाड़ियों किए वार, नौ गिरफ्तार

मुंबई, 29 दिसम्बर [एजेंसी]। महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में नवनिर्वाचित शिवसेना पार्षद के पति की हत्या कर दी गई। इस मामले में एक महिला समेत नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मंगेश सदाशिव कालोखे उर्फ अप्पा का शुक्रवार को खोपोली कस्बे में कुछ लोगों ने पीछा कर बेरहमी से हत्या कर दी।पुलिस के अनुसार, 45 वर्षीय कालोखे अपनी बेटियों को स्कूल छोड़कर घर लौट रहे थे, तभी विहारी इलाके में उन पर हमला हुआ। एक अधिकारी ने बताया कि मृतक नवनिर्वाचित पार्षद मानसी कालोखे के पति थे, जो एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना से हैं। यह हत्या कालोखे और उनके प्रतिद्वंद्वी के बीच राजनीतिक रंजिश का नतीजा थी। प्रतिद्वंद्वी हाल ही में हुए स्थानीय निकाय चुनावों में हार गए थे। पुलिस ने बताया कि रायगढ़ पुलिस ने मुख्य आरोपित रविंद्र देवकर, दर्शन देवकर और छह अन्य लोगों को नागोथाने इलाके से गिरफ्तार किया गया है। हत्या में शामिल अन्य लोगों की तलाश के बीच खोपोली पुलिस ने इस मामले में एक और आरोपित को गिरफ्तार किया है।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि अब तक पुलिस ने कालोखे की हत्या के संबंध में नौ आरोपितों को गिरफ्तार किया है। हमारी जांच जारी है। जांच का हवाला देते हुए अधिकारी ने बताया कि दर्शन रविंद्र देवकर ने सचिन चव्हाण और तीन अन्य लोगों के साथ मिलकर कालोखे का पीछा किया और तलवार, हंसिया और कुल्हाड़ी से उन पर हमला किया।

इससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।घटना को अंजाम देने के बाद वे मौके से फरार हो गए और अपने मोबाइल फोन बंद कर लिए। अपराध की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने मामले को सुलझाने के लिए पांच टीमें गठित की हैं।उन्होंने बताया कि जांच के दौरान और भी लोगों की संलिप्तता सामने आई है।

हरियाणा के युवाओं के साथ नाइंसाफी पर भड़के आप राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनुराग ढांडा

चंडीगढ़ ,29 दिसंबर (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनुराग ढांडा ने हरियाणा की बीजेपी सरकार पर जोरदार हमला बोलते हुए कहा कि यह सरकार हरियाणा के युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि बीजेपी ने हरियाणा को आउटसाइडर्स का स्वर्ग बना दिया है, जहां स्थानीय युवाओं को सिर्फ वोट के लिए इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन जब नौकरी देने की बारी आती है तो उन्हें बाहर कर दिया जाता है।

अनुराग ढांडा ने कहा कि हरियाणा के लड़के-लड़कियां सालों मेहनत करते हैं, पढ़ाई करते हैं, परीक्षा देते हैं, लेकिन बीजेपी की नीतियां उन्हें बेरोजगार बनाकर घर बैठा देती हैं। उन्होंने कहा कि यह कोई गलती नहीं, बल्कि हरियाणवी युवाओं को हक से वंचित करने की सोची-समझी साजिश है, और सबसे हैरानी की बात यह है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी इस पूरे मामले पर चुप्पी साधे बैठे हैं।

बुर्का या घूंघट पहनकर महिलाएं नहीं कर सकेंगी मतदान, राज्य निर्वाचन आयोग ने जारी किए दिशा-निर्देश

जयपुर,29 दिसंबर (एजेंसी)। राजस्थान में पंचायतीराज और स्थानीय निकायों के चुनाव में बुर्का या घूंघट पहनकर महिलाएं मतदान नहीं कर सकेंगी। मतदानकर्मी पहचान के बाद ही उन्हें मतदान करने की अनुमति देंगे। मतदानकर्मी इस बात का अवश्य ध्यान रखेंगे कि कोई भी महिला मुंह ढककर मतदान नहीं करे। राज्य निर्वाचन आयोग ने मतदान दलों के गठन को लेकर दिशा-निर्देश जारी किए हैं। राज्य के निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह ने बताया कि मतदाता की पहचान के लिए मतदाता का आइडी कार्ड दिखाना आवश्यक होगा। मतदान केंद्रों पर पहले मतदाता का नाम एवं फोटो का मिलान किया जाएगा। उसके बाद बिना चेहरा ढके मतदान करना होगा। आयोग के अनुसार स्थानीय

निकाय एवं पंचायत चुनाव के दौरान गठित होने वाले मतदान दलों में महिला कर्मचारियों को शामिल नहीं किया जाएगा।दलों में केवल पुरुष कर्मचारी ही शामिल होंगे।

ऐसे में बुर्काधारी एवं घूंघट करके आने वाली महिला मतदाताओं की पहचान के लिए स्थानीय महिला कर्मचारी की सहायता लेने के निर्देश दिए गए हैं।इन महिला स्थानीय कर्मचारियों में पटवारी, ग्राम सेवक, महिला शिक्षक एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता शामिल होंगे। प्रदेश की 14 हजार से अधिक ग्राम पंचायतों एवं 450 पंचायत समितियों और 41 जिला परिषदों के लिए शैक्षणिक गाइडलाइन भी तय की गई है। अब सरपंच पद का चुनाव दसवीं कक्षा पास व्यक्ति ही लड़ सकेगा। वहीं, स्थानीय निकायों में पार्षद के लिए दसवीं अथवा 12वीं कक्षा पास व्यक्ति ही चुनाव लड़ सकेगा।

ओडिशा दौरे पर ज्ञानेश कुमार: पुरी में भगवान जगन्नाथ का आशीर्वाद लिया, कोणार्क की विरासत पर जताया गर्व

भुवनेश्वर, 29 दिसम्बर [एजेंसी]। भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार, जो तीन दिवसीय ओडिशा दौरे पर हैं, ने शनिवार को पुरी स्थित जगन्नाथ मंदिर में भगवान जगन्नाथ के दर्शन कर उनका आशीर्वाद लिया तथा इसके पश्चात ऐतिहासिक सूर्य मंदिर, कोणार्क का भ्रमण किया।भुवनेश्वर आगमन पर मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने भगवान जगन्नाथ को नमन किया और ओड़िया भाषा में ओडिशा के लोगों को शुभकामनाएं दीं। बीजू पटनायक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उनका गर्मजोशी से स्वागत मुख्य निर्वाचन अधिकारी, ओडिशा, आर. एस. गोपालन एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा किया गया।पुरी स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर में मुख्य निर्वाचन आयुक्त कुमार का स्वागत श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन के मुख्य प्रशासक अरविंद पाढ़ी, जिला कलेक्टर दिव्यज्योति परिड़ा, पुलिस अधीक्षक प्रतीक सिंह तथा अन्य अधिकारियों ने किया। उन्होंने भगवान जगन्नाथ एवं अन्य देवताओं के दर्शन की समुचित व्यवस्था की।इस अवसर पर मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि भगवान जगन्नाथ का दिव्य आशीर्वाद उन्हें अपने संवैधानिक दायित्वों का और अधिक निष्ठा एवं प्रतिबद्धता के साथ निर्वहन करने की प्रेरणा देगा। उन्होंने कहा कि ओडिशा की कला, साहित्य और संस्कृति अत्यंत प्राचीन एवं विशिष्ट है और अपने प्रवास के दौरान वे इन समृद्ध परंपराओं के बारे में अधिक से अधिक जानने का प्रयास करेंगे।

रैंकिंग ऑफ पुलिस स्टेशंस 2025: देश भर के टॉप-10 थानों में झारखंड शामिल, इस जिले के थाने को मिला चौथा स्थान

रांची, 29 दिसम्बर [एजेंसी]। देश के 18 हजार से अधिक थानों में सरायकेला-खरसांवा जिले के चौका थाना को चौथा स्थान व झारखंड में पहला स्थान मिला है। केंद्रीय गृह मंत्रालय से रैंकिंग ऑफ पुलिस स्टेशंस 2025 की जारी हुई वार्षिक रिपोर्ट में शामिल देश के टॉप-10 थानों में झारखंड के इस इकलौते थाने के शामिल होने पर सरायकेला-खरसांवा के एसपी मुकेश कुमार लुनायत ने वहां के थानेदार बजरंग महतो व उनकी पूरी टीम को बधाई व शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा है कि यह सम्मान सरायकेला-खरसांवा पुलिस के लिए बड़ी उपलब्ध है। यह संपूर्ण जिले की पुलिस टीम के समर्पण, कड़ी मेहनत व उत्कृष्ट सेवा का परिणाम है। वर्ष 2025 में पुलिस स्टेशनों के सर्वेक्षण के लिए उनके क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम (सीसीटीएनएस) डेटाबेस की समीक्षा, अपराध के आंकड़े, महिलाओं के विरुद्ध अपराध, कमजोर वर्ग के विरुद्ध अपराध, थाना का बुनियादी ढांचा, नागरिकों के फीडबैक, स्वच्छता, आईटी संसाधन, फोरेंसिक्स, पुलिस संचार व डिजिटल रिकार्ड, प्रोएक्टिव इनिशिएटिव, पुलिसकर्मियों के आमजन से व्यवहार, दर्ज कांडों के निष्पादन व चार्जशीटिंग दक्षता आदि पहलुओं को मानक के रूप में शामिल किया गया था। इसकी स्वतंत्र एजेंसी से ग्राउंड स्तर पर सर्वेक्षण कराया गया था। सर्वे के बाद गृह मंत्रालय ने हाल ही में

आयोजित डीजीपी/आईजीपी सम्मेलन में पुलिस स्टेशनों की राष्ट्रीय रैंकिंग की घोषणा की है। चौका थाना को देशभर में चौथा स्थान मिलना सरायकेला-खरसांवा जिले की पुलिस के लिए अनुशासन व सेवा ही लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।केंद्रीय गृह मंत्रालय से प्रत्येक वर्ष पूरे देश के सभी राज्यों की पुलिस थानों का सर्वे कराया जाता है। इसके बाद रैंकिंग आफ पुलिस स्टेशंस रिपोर्ट जारी की जाती है। इस रिपोर्ट में विभिन्न बिंदुओं पर थानों का मूल्यांकन कर रैंकिंग निर्धारित की जाती है और प्रत्येक वर्ष होने वाले डीजीपी/आईजीपी सम्मेलन में रैंकिंग आफ पुलिस स्टेशंस रिपोर्ट जारी की जाती है। इसमें देश के शीर्ष दस थानों का चयन कर रैंकिंग दी जाती है।

उन्नाव दुष्कर्म मामले में कुलदीप सेंगर को मिलेगी राहत या सुप्रीम कोर्ट कर देगा हाईकोर्ट का फैसला रद, सुनवाई कल

नई दिल्ली,29 दिसंबर (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट 2017 के उन्नाव दुष्कर्म मामले में भाजपा से निष्कासित नेता कुलदीप सिंह सेंगर की आजीवन कारावास की सजा निलंबित किए जाने के खिलाफ सीबीआइ द्वारा दायर याचिका पर 29 दिसंबर को सुनवाई करेगा।प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस आगस्टीन जार्ज मसीह की पीठ इस याचिका पर सुनवाई करेगी। अधिवक्ता अंजले पटेल और पूजा शिल्पकार द्वारा दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली एक अन्य याचिका पर भी सुप्रीम कोर्ट सुनवाई करेगा।23 दिसंबर को दिल्ली हाई कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा काट रहे सेंगर की सजा को यह कहते हुए निलंबित कर दिया था कि वह पहले ही सात साल और पांच महीने जेल में बिता चुके हैं। हाईकोर्ट के आदेश को सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है।

वैसे, पूर्व भाजपा विधायक अभी जेल में ही रहेंगे, क्योंकि दुष्कर्म पीड़िता के पिता की हिरासत में मौत के मामले में भी वह 10 साल की सजा काट रहे हैं।दिसंबर 2019 में दिल्ली की ट्रायल कोर्ट ने कुलदीप सिंह सेंगर को नाबालिग पीड़िता से दुष्कर्म के लिए उम्रकैद और 25 लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनाई थी।23 दिसंबर 2025 को दिल्ली हाईकोर्ट ने अपील लंबित रहने तक सजा निलंबित कर दी और कुछ शर्तों (जैसे पीड़िता के घर से 5 किमी दूर रहना, धमकी न देना आदि) के साथ जमानत दी। हालांकि, सेंगर अभी जेल में ही हैं क्योंकि पीड़िता के पिता की हिरासत में मौत के अलग मामले में उन्हें 10 साल की सजा मिली है।सीबीआई के अलावा, कुछ वकीलों और पीड़िता पक्ष की ओर से भी हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी गई है। पीड़िता ने इस फैसले पर गहरी निराशा जताई है और अपनी सुरक्षा को खतरा बताया है। मामले में देशभर में विरोध प्रदर्शन भी हो रहे हैं।सुप्रीम कोर्ट सोमवार को हाईकोर्ट के आदेश पर अंतरिम रोक लगा सकता है या आगे की सुनवाई के निर्देश दे सकता है। इस सुनवाई पर पूरे देश की नजरें टिकी हैं।वैसे, पूर्व भाजपा विधायक अभी जेल में ही रहेंगे, क्योंकि दुष्कर्म पीड़िता के पिता की हिरासत में मौत के मामले में भी वह 10 साल की सजा काट रहे हैं।दिसंबर 2019 में दिल्ली की ट्रायल कोर्ट ने कुलदीप सिंह सेंगर को नाबालिग पीड़िता से दुष्कर्म के लिए उम्रकैद और 25 लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनाई थी।23 दिसंबर 2025 को दिल्ली हाईकोर्ट ने अपील लंबित रहने तक सजा निलंबित कर दी और कुछ शर्तों (जैसे पीड़िता के घर से 5 किमी दूर रहना, धमकी न देना आदि) के साथ जमानत दी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के दौरे को लेकर अभेद्य किले में तब्दील हुआ जमशेदपुर, दूसरे जिलों से मंगाई गई अतिरिक्त फोर्स

जमशेदपुर,29 दिसंबर(एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के 29 दिसंबर के दौरे को लेकर जमशेदपुर और सरायकेला-खरसावां जिले को सुरक्षा के लिहाज से एक अभेद्य किले में तब्दील कर दिया गया है।सुरक्षा में किसी भी तरह की चूक न हो, इसके लिए न केवल स्थानीय पुलिस बल्कि पड़ोसी जिलों से भी बड़ी संख्या में अतिरिक्त पुलिस बल को बुलाया गया है। करनडीह जाहेरथान और एनआइटी आदित्यपुर कैंपस की सुरक्षा का जिम्मा एलीट स्पेशल फोर्सेज ने अपने हाथों में ले लिया है। शुक्रवार से ही इन स्थलों पर बिना अनुमति प्रवेश पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया गया है। प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को मल्टी-लेयर्ड (बहुस्तरीय) बनाया है।

जमीन पर पुलिस और पैरामिलिट्री फोर्स की तैनाती के साथ-साथ आसमान से भी निगरानी रखी जाएगी। खुफिया एजेंसियां और प्रशासनिक अधिकारी हाई अलर्ट पर हैं। सरायकेला के उपायुक्त नीतीश कुमार सिंह और पुलिस अधीक्षक मुकेश लुणायत ने एनआइटी कैंपस और आगमन-प्रस्थान मार्गों का संयुक्त निरीक्षण कर सुरक्षा प्रोटोकाल का जायजा लिया है। रूट लाइन में आने वाले सभी बिजली के खंभों, लटकते तारों और निर्माण मलबे को हटाने का सख्त निर्देश दिया गया है। राष्ट्रपति के दौरे के दौरान ट्रैफिक व्यवस्था सुचारू रखने और भीड़भाड़ से बचने के लिए सरायकेला जिला प्रशासन ने औद्योगिक इकाइयों के लिए विशेष एडवाइजरी जारी की है। श्रम अधीक्षक अविनाश कुमार ठाकुर ने सभी शिफ्ट आधारित फैक्ट्रियों और औद्योगिक प्रतिष्ठानों को 29 दिसंबर के लिए अपने काम के समय में बदलाव करने का निर्देश दिया है।आदेश के मुताबिक, उस दिन पहली शिफ्ट दोपहर दो बजे के बजाय शाम चार बजे खत्म होगी। वहीं, दूसरी शिफ्ट शाम 4 बजे के बाद ही शुरू की जाएगी। यह कदम इसलिए उठाया गया है ताकि सड़कों पर शिफ्ट बदलने के समय होने वाली अफरा-तफरी से बचा जा सके और राष्ट्रपति का कारकेड सुगमता से गुजर सके।29 दिसंबर को सुबह नौ बजे से शाम चार बजे तक जिले के कई प्रमुख मार्गों पर यातायात बाधित या प्रतिबंधित रहेगा। रूट डायवर्जन प्लान तैयार कर लिया गया है ताकि आम जनता को कम से कम परेशानी हो। डीसी ने स्पष्ट किया है कि सुरक्षा और प्रोटोकॉल में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ जीरो टालरेंस की नीति अपनाई जाएगी।सभी थाना प्रभारियों को अपने इलाकों में लावारिस वाहनों और संदिग्ध वस्तुओं की सघन जांच करने का आदेश दिया गया है।

केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने नई दिल्ली में मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ स्वास्थ्य सेवा वितरण प्रणालियों का आकलन करने के लिए उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठकें कीं।

ग्रामीणों ने सीएम सुक्खू को सौंपा ज्ञापन, कार्रवाई न हुई तो आंदोलन

जवाली,29 दिसंबर(एजेंसी)। पौंग बांध वन्यजीव अभयारण्य में बढ़ती अवैध गतिविधियों और बेसहारा गौवंश के साथ हो रही क्रुरता पर ग्रामीणों में आक्रोश है। जवाली और आसपास के गांवों के लोगों ने उपमंडल अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री सुक्खू को पत्र भेजकर मामले में तुरंत हस्तक्षेप करने की मांग की है। ग्रामीणों ने पत्र में बताया कि राष्ट्रीय संपत्ति कहलाने वाला यह वेटलैंड अब भू-माफिया, शिकारियों और शरारती तत्वों का सुरक्षित अड्डा बन चुका है। लोगों ने बताया कि शिकारी वन्यजीवों को मारने के लिए आटे के गोलों में विस्फोटक सामग्री भरकर रख रहे हैं, जिसे खाने से कई गायों की मौत हो चुकी है।क्षेत्र में जहरीला दाना डालकर बेरोकटोक शिकार किया जा रहा है। पत्र में ग्रामीणों ने कहा कि वन्यजीव विभाग की ढिलाई के कारण इन असामाजिक तत्वों को

खुली छूट मिली हुई है।इस पत्र के माध्यम से लोगों ने मुख्यमंत्री से दोषी शिकारियों और भू-माफिया के खिलाफ कड़ी से कड़ी कानूनी कार्रवाई अमल में लाए जाने की मांग उठाई है। मुख्यमंत्री को यह मांग पत्र एसडीएम के माध्यम से सौंपने से पहले लोग जवाली में एकत्रित हुए और उपरोक्त घटनाओं को लेकर उनके द्वारा रोष जाहिर किया गया।इस दौरान स्थानीय लोगों में नसीब सिंह गुलेरिया, मिल्खी राम शर्मा, मंगत राम, उजागर सिंह, भूपिंदर सिंह, देस राज, विजय सिंह, सुधीर कुमार, राजीव कुमार, दिनेश्वर सिंह, जबर सिंह, रविंद्र सिंह, विमला देवी, रजनी बाला सहित कई अन्य ग्रामीण मौजूद रहे। ग्रामीणों का कहना है कि यह मामला जनहित से जुड़ा है और यदि सरकार ने जल्द ही ठोस कदम नहीं उठाए, तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

शराब घोटाला:59 नए आरोपी, ईडी का दावा- 81 लोगों ने किया 2800 करोड़ रु. का घोटाला

रायपुर राज्य में हुए शराब घोटाले की दो साल की जांच के बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को 29 हजार 800 पन्नों का फाइनल कंप्लेंट (परिवाद) पेश किया है। इसमें 22 गिरफ्तार अधिकारी, कारोबारी और नेताओं समेत कुल 81 लोगों को आरोपी बनाया गया है। इन पर 2800 करोड़ रुपए के घोटाले का आरोप है। ईडी का दावा है कि यह एक संगठित अपराध है।

ईडी के अनुसार आबकारी विभाग में घोटाले के लिए कारोबारी अनवर ढेबर, आईटीएस अरुणपति त्रिपाठी, रिटायर आईएएस अनिल टुटेजा और सौम्या चौरसिया ने एक सिंडिकेट बनाया। इस सिंडिकेट ने 15 जिलों को शराब घोटाले के लिए चिह्नित किया और अपने अनुसार अधिकारियों की पोस्टिंग कराई। सिंडिकेट की पहली पोस्टिंग आईएएस निरंजन दास की हुई, जिन्हें आयुक्त बनाया गया।

सबसे पहले आबकारी नीति में बदलाव किया गया, इसके बाद घोटाले की शुरुआत हुई। इसमें पूर्व मुख्यमंत्री के बेटे चैतन्य बघेल उर्फ बिट्टू को भी शामिल किया गया। पैसों के बंटवारे की जिम्मेदारी अनवर ढेबर, लक्ष्मीनारायण बंसल, के के श्रीवास्तव और विकास अग्रवाल पर थी। ईडी का दावा है कि इस घोटाले में 2800 करोड़ रुपए का भ्रष्टाचार हुआ है, जबकि ईओडब्ल्यू इसे 3000 करोड़ रुपए का घोटाला बता रही है। एजेंसियों का अनुमान है कि घोटाले की राशि 3500 करोड़ रुपए तक पहुंच सकती है।

ईडी के अनुसार आरोपियों ने हवाला के माध्यम से घोटाले का पैसा विदेश भेजा। उस पैसे को दुबई, नीदरलैंड और यूनाइटेड

किंगडम की राजधानी लंदन में बड़े पैमाने पर निवेश किया गया है। अधिकांश निवेश रिश्तेदारों के नाम पर किया गया।रिटायर आईएएस के बेटे यश टुटेजा, कारोबारी लक्ष्मीनारायण बंसल उर्फ पप्पू, दीपक दौरी, अनुराग द्विवेदी, प्रकाश शर्मा, सोहनलाल वर्मा, पीयूष बिजलानी, संजय दीवान, अमित सिंह, शराब कारोबारी नवीन केडिया, भूपेंद्र पाल सिंह भाटिया, राजेंद्र जायसवाल, आशीष सौरभ केडिया, सिद्धार्थ सिंघानिया, शराब अधिकारी जनार्दन कौरव, अनिमेष नेताम, विजय सिंह शर्मा, अरविंद कुमार पटले, प्रमोद नेताम, रामकृष्ण मिश्रा, विकास गोस्वामी, इकबाल अहमद खान, नितिन खंडुजा,नवीन प्रताप सिंह तोमर, मंजूश्री कसेर, सौरभ बख्शी, दिनकर वासनिक, मोहित जायसवाल, नीतू नोतानी, गरीबपाल सिंह, नोहर सिंह ठाकुर, सोनल नेताम, प्रकाश पाल, आलेख राम सिदार, आशीष कोसम, अनंत सिंह, राजेश जायसवाल, जीतूराम मंडावी, गंभीर सिंह नरुटी, देवलाल वैद्य, अश्विनी अनंत, वेदराम लहरे, लखनलाल ध्रुव, आशीष श्रीवास्तव, विकास अग्रवाल, बच्चा राज लोहिया, अतुल सिंह, मुकेश मनचंदा, मनीष मिश्रा, अभिषेक सिंह, कृष्ण श्रीवास्तव को आरोपी बनाया गया।इन कंपनियों को भी बनाया गया आरोपी: छत्तीसगढ़ डिस्टलरी, भाटिया वाइन मर्चेंट, वेलकम डिस्टलरी, अदीप एग्रोटेक प्रा.लि., पीटरसन बायो रिफाइनरी, ढिल्लन सिटी मॉल, टॉप सिक्योरिटी एंड फैसिलिटी मैनेजमेंट, ओम साईं बेवरेज, दिशिता वेंचर्स प्रा.लि., नेक्सजेन इंजिटेक, एजेएस एग्रोट्रेड प्रा.लि., ढेबर बिल्डकॉन, प्राइम डेवलपर्स, इंडियन बिल्डकॉन और प्रिज्म होलोग्राफी को भी आरोपी बनाया गया है।

चार्जशीट पेश होने के बाद अब ट्रायल होगा शुरू: ईडी की यह फाइनल कंप्लेंट (अंतिम चार्जशीट) सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार समय पर दाखिल की गई है और इसमें डिजिटल सबूत, बैंक ट्रांजैक्शन, कॉल डिटेल रिकॉर्ड, संपत्ति दस्तावेज और गवाहों के बयान शामिल हैं। इसके पेश होने के बाद अब कोर्ट ट्रायल शुरू करेगा।

आरोपियों के खिलाफ आरोप तय किए जाएंगे और उसके बाद गवाहों के बयान और सबूतों को लेकर सुनवाई होगी। कानूनी विशेषज्ञों के अनुसार, चार्जशीट की लंबाई और आरोपियों की संख्या के कारण यह केस लंबा और जटिल हो सकता है।

नशे में धुत परिजनों ने डॉक्टरों-स्टाफ से की मारपीट: गौरेला अस्पताल में सड़क हादसे के बाद हंगामा, सिविल सर्जन की शिकायत पर मामला दर्ज

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में नशे में धुत परिजनों ने डॉक्टरों-स्टाफ से मारपीट की है। 26 दिसंबर की रात मरवाही के भरींडांड में हुए सड़क दुर्घटना के घायल मरीजों को जिला अस्पताल गौरेला लाया गया था।यहां डॉक्टरों ने एक मरीज दुर्गेश रजक को मृत घोषित कर दिया, जबकि ईश्वर और विवेक को प्राथमिक उपचार के बाद स्थिर बताया गया। देर रात नशे की हालत में पहुंचे अटेंडरों ने डॉक्टरों पर मरीजों को न देखने का आरोप लगाते हुए गाली-गलौज की और पीट दिया।

आरोप है कि अटेंडरों ने विशेष रूप से महिला डॉक्टरों को निशाना बनाया और इलाज की प्रक्रिया में दखल देते हुए ऑक्सीजन लगाने व वार्ड में खड़े रहने का दबाव बनाया।

हंगामा बढ़ने पर जब वार्ड बॉय और सुरक्षा गार्ड ने भीड़ को समझाने की कोशिश की, तब आरोपियों ने अस्पताल कर्मियों से हाथापाई और मारपीट की।इस दौरान सुरक्षाकर्मी व स्टाफ के कई लोगों को चोटें आईं और अस्पताल का माहौल दहशत में था।आरोपी पक्ष के लोगों ने डॉक्टरों और कर्मचारियों को अश्लील गालियां दीं और देख लेने और जान से मारने की धमकी भी दी। इसके बाद पुलिस सहायता के लिए डायल 112 को सूचना दी गई।प्रार्थी डॉ. देवेंद्र सिंह पैकरा, सिविल सर्जन एवं मुख्य अस्पताल अधीक्षक की लिखित रिपोर्ट पर आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 296, 351(3), 115(2), 3(5) के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है।इस प्रकरण को छत्तीसगढ़ चिकित्सा सेवक तथा चिकित्सा सेवा संस्थान (हिंसा तथा संपत्ति की क्षति या हानि की रोकथाम) अधिनियम 2010 के उल्लंघन के रूप में भी दर्ज किया गया है।यह अधिनियम डॉक्टरों और अस्पताल संपत्ति के खिलाफ हिंसा को संज्ञेय और गंभीर अपराध मानते हुए कठोर दंड का प्रावधान करता है।थाना गौरेला पुलिस ने रिपोर्ट के आधार पर अपराध दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है। पुलिस डॉक्टरों एवं अस्पताल स्टाफ के बयान, सीसीटीवी फुटेज और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की तैयारी कर रही है।जिला अस्पताल प्रबंधन ने घटना की निंदा करते हुए कहा है कि इस तरह की हिंसक घटनाएं चिकित्सा सेवाओं को प्रभावित करती हैं और भविष्य में डॉक्टरों व स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा के लिए कड़े कदम उठाए जाने की आवश्यकता है।

चोरी के गहनों को बिना दस्तावेज गिरवी रखने का मामला: बजाज फाइनेंस की महिला कर्मी गिरफ्तार

रायपुर, 29 दिसंबर (एजेंसी)। रायपुर में चोरी के जेवरात को बिना वैध दस्तावेज के गिरवी रखकर रकम दिलाने के मामले में राजेंद्र नगर थाना पुलिस ने बजाज फाइनेंस की एक महिला कर्मचारी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी महिला को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया है।पुलिस के अनुसार, झंडा चौक निवासी सनोहर जहां पर आरोप है कि उसने चोरी के सोने-चांदी के जेवर बिना आवश्यक दस्तावेजों के फायनेंस कंपनी में गिरवी स्वीकार किए। यह मामला उस समय सामने आया जब दो माह पहले पुरैना, परशुराम नगर निवासी सुशीला जाल के सूने मकान में चोरी हुई थी।पीड़िता सुशीला जाल ने 25 अक्टूबर को थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि तबीयत खराब होने के कारण वे 4 अक्टूबर को ओडिशा स्थित अपने गांव गई थीं। वापस लौटने पर उन्होंने देखा कि घर का ताला टूटा हुआ है और नकदी के साथ सोने-चांदी के जेवर गायब हैं।

जांच के दौरान पुलिस ने चोरी के आरोप में आशीष नेताम और उसके एक नाबालिग साथी को गिरफ्तार किया। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने खुलासा किया कि उन्होंने चोरी किए गए जेवर तेलीबांधा स्थित बजाज फाइनेंस कंपनी में गिरवी रखे थे। आरोपियों के पास से मिली गिरवी स्लिप के आधार पर पुलिस ने संबंधित महिला कर्मचारी सनोहर जहां को गिरफ्तार किया।

रायपुर में बजाज फायनेंस की महिला कर्मचारी गिरफ्तार:फाइनेंस कंपनी में चोरी के गहने रखने का आरोप, चोर भी पकड़ाए

रायपुर,29 दिसंबर(एजेंसी) महिला कर्मी ने बिना किसी वैध प्रक्रिया के जेवर गिरवी रखना गंभीर लापरवाही है, जिसके चलते अब कंपनी अपने स्तर पर भी जांच कर रही है। महिला कर्मी ने बिना किसी वैध प्रक्रिया के जेवर गिरवी रखना गंभीर लापरवाही है, जिसके चलते अब कंपनी अपने स्तर पर भी जांच कर रही है।राजधानी रायपुर में चोरी के जेवरात को गिरवी रखने के मामले में बजाज फायनेंस की महिला फायनेंस कर्मी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। न्यू राजेन्द्र नगर थाना क्षेत्र के परसुराम नगर पुरैना में हुई चोरी की जांच के दौरान यह मामला सामने आया।पुलिस ने बताया कि महिला कर्मचारी ने बिना किसी वैध दस्तावेज के चोरी के जेवर गिरवी रखे थे। मामला तब सामने आया जब पीड़िता के घर में चोरी की घटना के बाद पुलिस ने जांच शुरू की।पहले ही इस मामले में एक नाबालिग चोर और दूसरे आरोपी आशीष नेताम को गिरफ्तार किया जा चुका था। पूछताछ में आशीष ने बताया था कि चोरी के सोने-चांदी के जेवर तेलीबांधा स्थित बजाज फायनेंस कम्पनी में गिरवी रखे गए हैं।इसके बाद पुलिस टीम ने कंपनी में जांच की तो महिला कर्मचारी ने बिना दस्तावेज के जेवर गिरवी रखा था।इस पर पुलिस ने महिला कर्मचारी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान सनोहर जहां (27 वर्ष), निवासी पंडरी, झंडा चौक रायपुर के रूप में हुई है। उसके निशानदेही पर पुलिस ने चोरी के सोने के

जेवर बरामद किए हैं। महिला के खिलाफ धारा 317(2) बीएनएस के तहत कार्रवाई की गई है।इससे पहले इसी चोरी प्रकरण में पुलिस ने अपचारी बालक और आशीष नेताम को गिरफ्तार कर उनके पास से चोरी का सामान बरामद किया था। पुलिस का कहना है कि महिला कर्मी ने बिना किसी वैध प्रक्रिया के जेवर गिरवी रखना गंभीर लापरवाही है, जिसके चलते अब कंपनी अपने स्तर पर भी जांच कर रही है।

रायपुर मैग्नेटो मॉल में तोड़फोड़, बजरंग दल का चक्काजाम

तेलीबांधा थाने के सामने लगाया टेंट, चूल्हे-राशन लेकर आए

रायपुर ,29 दिसंबर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ बंद के दौरान बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने रायपुर के मैग्नेटो मॉल में हंगामा किया और तोड़फोड़ की। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। विरोध में बजरंग दल ने तेलीबांधा पुलिस स्टेशन के सामने चक्काजाम कर दिया है। बजरंग दल ने सड़क पर हवन कर विरोध जताया।वहीं बजरंग दल के प्रदर्शनकारियों का पिछले 6 घंटे से विरोध प्रदर्शन जारी है। बजरंग दल के कार्यकर्ता चूल्हा और राशन लेकर आए हैं। तेलीबांधा थाने के सामने सड़क पर टेंट लगा कर बैठे हैं। पुलिस के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं। अलग-अलग तरीके से विरोध जता रहे हैं। मौके पर 2 ASP, 4 CSP और 12 से ज्यादा थाना प्रभारी समेत अतिरिक्त बल मौजूद हैं। मंदिर हसौद और एयरपोर्ट से रायपुर शहर की ओर आने वाले ट्रैफिक को तेलीबांधा चौक के पास नेशनल हाईवे की ओर डायवर्ट कर

दिया गया है। वहीं बजरंग दल के जिला संयोजक विजेंद्र वर्मा ने कहा कि उन्होंने मॉल में तोड़फोड़ नहीं की। सजावट को हुए नुकसान पर इतना बड़ा एक्शन लेना गलत है। वे इसका विरोध कर रहे हैं। आज का विरोध प्रदर्शन उनकी योजना का हिस्सा था। हम उस पुलिस स्टेशन को घेर रहे हैं, जहां एफआईआर दर्ज की गई है। बजरंग दल के जिला संयोजक विजेंद्र वर्मा ने कहा कि मॉल में तोड़फोड़ की शिकायत के बाद उनके कुछ कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया, जबकि कांकेर में 800 लोगों ने उनके 25 हिंदू भाइयों पर हमला किया और उन्हें पीटा। अगर पुलिस चाहती तो आरोपियों को गिरफ्तार कर सकती थी। उन्होंने कहा कि अगर पुलिस कार्रवाई की होती तो छत्तीसगढ़ बंद नहीं होता। इस तरह की घटना नहीं होती। भले ही चैंबर ऑफ कॉमर्स ने हड़ताल का आह्वान किया था, लेकिन मॉल मालिकों ने बजरंग दल को भड़काने के लिए सांता क्लॉज की मूर्ति लगाई। बाइबिल में कहीं भी सांता क्लॉज का जिक्र नहीं है।

धीरेंद्र शास्त्री पैसा बटोरने आते हैं छत्तीसगढ़ : भूपेश बघेल

पूर्व सीएम बोले- दिव्य दरबार में लोग ठीक हो रहे तो मेडिकल कॉलेज खोलने की जरूरत क्यों

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री धार्मिक आयोजनों की आड़ में पैसा बटोरने आते हैं। बीजेपी के एजेंट की तरह काम कर रहे हैं। जब धीरेंद्र शास्त्री पैदा भी नहीं हुए थे, तब से मैं हनुमान चालीसा पढ़ रहा हूं। वह कल का बच्चा है। हमें सनातन धर्म सिखाने चला है।भूपेश बघेल ने दिव्य दरबार को कहा कि अगर वहां लोग ठीक हो रहे हैं, तो फिर मेडिकल कॉलेज खोलने की जरूरत क्यों पड़ रही है। धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री को खुली चुनौती है। वे छत्तीसगढ़ के किसी भी साधु-संत से शास्त्रार्थ कर लें। इसके पहले भूपेश बघेल ने कहा था कि आजादी की लड़ाई के दौरान भी हिंदू खतरे में नहीं था। देश आजाद हुआ, तब भी कोई खतरा नहीं था। मुगलों का शासन रहा, सुल्तानों का शासन रहा, मुसलमान सत्ता में रहे, लेकिन तब भी हिंदू को कोई खतरा नहीं था। धीरेंद्र शास्त्री और पंडित प्रदीप मिश्रा अंधविश्वास फैला रहे हैं। भूपेश बघेल के बयान पर धीरेंद्र शास्त्री ने कहा था हिंदू समाज को जोड़ना अंधविश्वास है, तो ऐसे लोगों को देश छोड़ देना चाहिए। वहीं बीजेपी ने कहा था कि भूपेश बघेल जी को इतिहास के बारे में नहीं पता है। इसलिए ऐसी बातें कह रहे हैं। भूपेश बघेल सनातन विरोधी हैं।भूपेश बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ की धरती कबीर साहेब और गुरु घासीदास की विचारधारा से जुड़ी

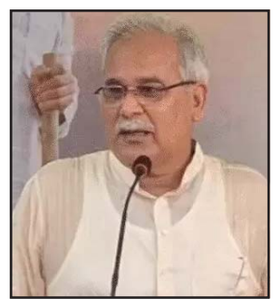

है। यहां की आध्यात्मिक परंपरा बहुत पुरानी है। किसी बाहरी व्यक्ति से सीखने की जरूरत नहीं है। धीरेंद्र शास्त्री से उनका बेटा भी उम्र में 10 साल बड़ा है। छत्तीसगढ़ के पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने भिलाई में कहा कि मुगल काल में हिंदू सुरक्षित थे। इतिहास में हिंदुओं के दमन के कोई प्रमाण नहीं मिलते। हम खुद एक राजपरिवार से आते हैं। इतिहास में कहीं नहीं मिलता कि उस दौर में धर्म के आधार पर दमन किया गया हो। मुगल काल में सरगुजा रियासत सुरक्षित रही। सिंहदेव ने कहा कि वह इतिहास में एमए कर चुके हैं। इतिहास का गंभीरता से अध्ययन किया है। इतिहास में ऐसे कोई ठोस साक्ष्य नहीं मिलते, जो यह दर्शाते हों कि मुगल शासकों ने हिंदुओं पर सुनियोजित या व्यापक अत्याचार किए। सिंहदेव ने कहा कि मुगल काल के समय में कितने मुसलमान थे, फिर भी हिंदू सुरक्षित थे। हम खुद एक राजपरिवार से आते हैं। इतिहास में कहीं नहीं मिलता कि उस दौर में धर्म के आधार पर दमन किया गया हो। सिंहदेव ने प्राचीन और मध्यकालीन भारत में शासकों की कार्यप्रणाली का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि शासक संख्या में सीमित होते थे और शासन के लिए आपसी संबंध बनाते थे। बौद्ध धर्म के प्रसार में भी कहीं जबरन धर्मांतरण की बात नहीं मिलती। जो लोग बौद्ध बने, वे स्वेच्छा से बने, और यही परंपरा मुगल काल में भी दिखाई देती है।

बीजेपी सांसद संतोष बोले- कांग्रेस सनातन विरोधी

वहीं टीएस सिंहदेव के बयान पर बीजेपी सांसद संतोष पांडेय ने कहा कि टीएस सिंहदेव भ्रम फैलाने वाले व्यक्ति हैं। कोरोना काल में भी इन्होंने कोविशील्ड और कोवैक्सिन पर सवाल उठाए थे। इनकी पार्टी ने कहा था कि इसको लगाने से नामर्द हो जाएंगे। तुष्टिकरण अपनाने वाले ये फालतू बातें बंद करें।

धर्मांतरण-भ्रष्टाचार की ट्रेनिंग देने आ रहे राहुल गांधी: पुरंदर मिश्रा

कांग्रेस ने कहा-इस तरह की भाषा का इस्तेमाल निंदनीय, जनवरी में हो सकती है मेगा-ट्रेनिंग

रायपुर ,29 दिसंबर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ कांग्रेस के जिलाध्यक्षों की प्रस्तावित ट्रेनिंग को लेकर सियासत गरमा गई है। भाजपा विधायक पुरंदर मिश्रा ने राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पर तंज कसते हुए कहा कि, उनका स्वागत है, लेकिन वे किस बात की ट्रेनिंग देने आ रहे हैं?

पुरंदर मिश्रा ने व्यंग्य करते हुए कहा कि, मतांतरण, धर्मांतरण, हत्या, भ्रष्टाचार, आबकारी घोटाला, चोरी या डकैती... कौन-सी ट्रेनिंग बाकी है? जो ट्रेनिंग देनी थी, वो कांग्रेस पहले ही दे चुकी है। अगर कुछ बचा है तो वो भी दे दें, ताकि कांग्रेस मुक्त भारत की राह और साफ हो सके। इस पर प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि, एक जनप्रतिनिधि होकर इस तरह की भाषा का इस्तेमाल निंदनीय है। उन्होंने कहा कि, जो व्यक्ति रावण की विजय यात्रा निकाल सकता है और फिर रावण का वध कर सकता है, उसकी सोच और मानसिकता क्या होगी, यह समझा जा सकता है। भाजपा नेताओं का यही स्तर अब सामने आ रहा है।

कांग्रेस संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की तैयारी में जुटी है। इसी कड़ी में जनवरी के दूसरे सप्ताह में प्रदेश के सभी जिलाध्यक्षों की प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित होने की संभावना है। इस ट्रेनिंग कैंप में

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी खुद शामिल होकर संगठन और चुनावी रणनीति पर दिशा देंगे। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक यह ट्रेनिंग आगामी चुनावों को देखते हुए बेहद अहम मानी जा रही है। जिलाध्यक्षों का चयन राहुल गांधी के संगठन सृजन कार्यक्रम के तहत किया गया है और उनके काम की मॉनिटरिंग सीधे राहुल गांधी के कार्यालय से हो रही है।

राहुल करेंगे वन-टू-वन बातचीत

ट्रेनिंग के दौरान राहुल गांधी जिलाध्यक्षों से सीधे संवाद करेंगे। वन-टू-वन बातचीत में जिलों की सामाजिक-राजनीतिक स्थिति, चुनौतियां और आगे की रणनीति पर चर्चा होगी। जिलाध्यक्षों को यह भी बताना होगा कि अब तक उन्होंने क्या काम किया और आगे किन मुद्दों पर जनता को साथ लेकर सरकार को घेरा जा सकता है।दिग्गज नेताओं की होगी मौजूदगीइस मेगा ट्रेनिंग कैंप में मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी के अलावा केसी वेणुगोपाल, जयराम रमेश, सुप्रिया श्रीनेत, पवन खेड़ा, शशिकांत सेंथिल जैसे कई वरिष्ठ नेता और संगठनात्मक एक्सपर्ट शामिल होंगे।कुल मिलाकर, जिलाध्यक्षों की ट्रेनिंग से पहले ही भाजपा-कांग्रेस के बीच सियासी तकरार तेज हो गई है।

प्रदेश शीतलहर की चपेट में

रायपुर, 29 दिसंबर (एजेंसी)। राजधानी में आज शीतलहर का प्रकोप दिखाई दिया। उत्तरी छत्तीसगढ़ के अंतर्गत आने वाले सरगुजा तथा पेण्ड्रा रोड में न्यूनतम तापमान 5 डिग्री पहुंच गया है। मिली जानकारी के अनुसार इस समय जशपुर जिले के पड़ापाठ सहित अन्य स्थानों में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। बचीचा क्षेत्र में भी तापमान गिर गया है। वहीं कवर्धा के चिल्फी घाटी में ओस गिर ही है तथा घना कोहरा छाया हुआ है। रायपुर सहित अन्य स्थानों का न्यूनतम तापमान गिर गया है।

शब्द सामर्थ्य -054

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. ठुड्डी पर के बाल, ठुड्डी, ठोढ़ी 3. विशेष और सामान्य (आदमी), आम और खास लोग (उ.) 5. इच्छा, हसरत, अभिलाषा 6. शारीरिक कोमलता, सुकुमारता (उ.) 7. सविनय, विनती पूर्वक 10. बिलख-बिलख कर रोना 11. कहानी, उपन्यास 12. कुशल, दक्ष, विशेषज्ञ 13. भार, दबाव 14. शुभ-अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत 15. एहसान, भलाई, हित 17. सूत काटने, लपेटने में काम आने वाली चर्खे से लगी सलाई 19. एक हिन्दी महीना, श्रावण 20. सप्ताह का एक दिन, बृहस्पतिवार।

ऊपर से नीचे

1. जंगल में लगी आग, दावाग्नि 2. मूल्य, दाम 4. स्वतंत्र, स्वाधीन 5. संकट, कष्ट, दर्द 7. लकड़ी, कन्या, कानों में पहनने का छल्ला, श्रेष्ठ 8. बेइज्जती, अनादार 9. शोभा, सुंदरता, बसंत ऋतु 10. तबाह करने वाला,विनाशक 11. इस समय 13. असुर, राक्षस, दैत्य 14 ए. गुरुमंत्र, बहुत अच्छी युक्ति 15. पर्व, त्यौहार 16. शिकायत, उलाहना, ग्लानि 17. वृक्ष, पेड़ 18. मुंह से निकलने वाला थूक जैसा पदार्थ।

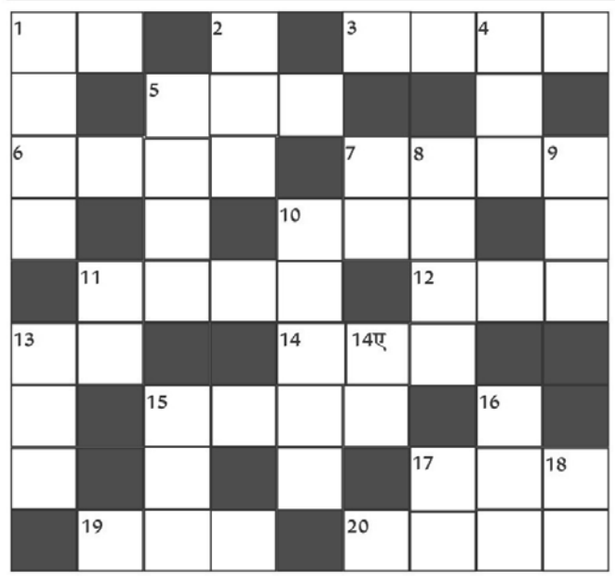

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 053 का हल

खा	म	खां			इं			
स	ह		ब	र	सा	त		प
	क	हा	नी		न	क	च	ढ़ा
त			स्ब			ली		ई
क	या	म	त		क	फ	न	
दी		र्दा		बा	बू		ह	वा
र	ह	ना		ल	त	खो	र	
	वा		नौ	क	र			सा
भा	ई		का			बा	द	ल

स्टीव स्मिथ ऑस्ट्रेलिया के लिए एशेज सीरीज में दूसरे सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बने

नईदिल्ली,29 दिसंबर (एजेंसी)। एशेज सीरीज 2025-26 के चौथे मुकाबले में इंग्लैंड क्रिकेट टीम ने ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम को 4 विकेट से हरा दिया। ये टेस्ट क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया की धरती पर इंग्लैंड को 15 साल बाद पहली जीत है। इस मैच में कंगारू टीम के दिग्गज बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने खास उपलब्धि हासिल की। अपनी दूसरी पारी में वह 24 रन बनाकर नाबाद रहे। इसके साथ ही वह एशेज सीरीज में ऑस्ट्रेलिया के लिए दूसरे सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं।स्मिथ के अब एशेज सीरीज में 40 मैचों की 72 पारियों में 55.51 की औसत से 3,553 रन हो गए हैं। इसमें 12 शतक और 14 अर्धशतक शामिल हैं। उन्होंने अब एलन बॉर्डर को पीछे छोड़ दिया है, जिन्होंने 82 पारियों में 56.31 की औसत से 3,548 रन बनाए थे। एशेज सीरीज में ऑस्ट्रेलिया के लिए सर्वाधिक रन का रिकॉर्ड डॉन ब्रैडमैन के नाम दर्ज हैं, जिन्होंने 63 पारियों में 89.78 की औसत से 5,028 रन बनाए थे।

स्मिथ ने अपने टेस्ट करियर का आगाज पाकिस्तान क्रिकेट टीम के खिलाफ 2010 में किया था। वह अब तक 122 मैचों की 218 पारियों में 55.85 की औसत से 10,613 रन बनाने में सफल रहे हैं। इस दौरान उन्होंने 36 शतक और 44 अर्धशतक भी अपने नाम किए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 239 रन का रहा है। वह 11 बार शून्य पर भी आउट हुए हैं। उन्होंने अपने टेस्ट करियर में सबसे ज्यादा रन इंग्लैंड के खिलाफ ही बनाए हैं।

तेरे नाम' वाले सलमान बने यशस्वी! पहले वनडे शतक के बाद विराट कोहली ने ऐसे ली थी मजेदार चुटकी

नई दिल्ली ,29 दिसंबर (एजेंसी)।

यशस्वी जायसवाल ने अपने पहले वनडे शतक के दौरान विराट कोहली के मजेदार अंदाज का खुलासा किया, जहां कोहली ने उनके हेयरस्टाइल की तुलना फिल्म तेरे नाम के सलमान खान से की। कोहली ने न सिर्फ मैदान पर मस्ती की, बल्कि बल्लेबाजी के दौरान और बाहर भी जायसवाल को लगातार तकनीकी मार्गदर्शन दिया।भारतीय युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने खुलासा किया है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे वनडे मैच में जब वह अपनी पहली वनडे शतकीय पारी खेल रहे थे, तब विराट कोहली उन्हें मजाकिया अंदाज़ में चिढ़ा रहे थे। कोहली ने जायसवाल की तुलना सलमान खान के आइकॉनिक किरदार 'तेरे नाम से की थी। इस मैच में जायसवाल ने अपना पहला वनडे शतक जड़ा, जबकि दूसरे छोर पर विराट कोहली मौजूद थे, जो लगातार उन्हें गाइड कर रहे थे।जायसवाल की पारी की शुरुआत थोड़ी धीमी रही, लेकिन कोहली के साथ तालमेल बैठाते हुए उन्होंने रफ्तार पकड़ी और भारत ने यह मुकाबला नौ विकेट से जीत लिया। कोहली ने लिए जायसवाल के मजे जहां एक ओर जायसवाल ने अपने करियर में कोहली से मिलने वाले मार्गदर्शन की तारीफ की, वहीं उन्होंने इस बार कोहली का शरारती और मस्तीभरा अंदाज़ भी सामने रखा। जायसवाल ने बताया कि पूरी सीरीज़ के दौरान विराट कोहली उनके हेयरस्टाइल को लेकर मजाक करते रहे और उन्हें फिल्म तेरे नाम के सलमान खान से जोड़ते रहे। इतना ही नहीं, कोहली पारी के दौरान 'लगन लग गई रे' गाना गुनगुनाते हुए डांस भी कर रहे थे। विमल कुमार के यूट्यूब चैनल पर बातचीत के दौरान जायसवाल ने कहा, एक गाना है 'लगन लग गई रे'। कोहली भाई वही गाना गा रहे थे और डांस कर रहे थे। यह बहुत मजेदार बातचीत थी। बैटिंग से पहले भी वह मुझसे बातें कर रहे थे। उनका सेंस ऑफ ह्यूमर कमाल का है, वह बहुत फनी हैं। लेकिन जब वह सीरियस होते हैं, तो पूरी दुनिया उनकी इंटेंसिटी जानती है। उनके साथ खेलना मुझे बहुत पसंद है।'कोहली से मिलता है ज्ञानइंटरव्यू में जायसवाल को एक वीडियो भी दिखाया गया, जिसमें वह टेस्ट डेब्यू से पहले नेट्स में विराट कोहली के साथ अभ्यास करते नजर आ रहे थे। इस पर जायसवाल ने कहा कि कोहली के साथ उनकी तकनीक और खेल को लेकर लगातार चर्चा होती रहती है। उन्होंने बताया, 'हम इस पर काफी बातें करते हैं कि गेंद आने पर मेरी पोज़िशन क्या होनी चाहिए, कैसे अटकने से बचना है।

तकनीकी रूप से फ्रंट फुट पर कैसे खेलना है, शरीर को गेंद की ओर कैसे ले जाना है, इन सब चीजों पर चर्चा होती रहती है।'जायसवाल ने यह भी कहा कि मैच के दौरान और ड्रेसिंग रूम में भी कोहली उन्हें बताते रहते हैं कि कहां सुधार की गुंजाइश है, जिससे उन्हें काफी मदद मिलती है।

टी-20 अंतरराष्ट्रीय: महिला क्रिकेट में सबसे ज्यादा जीत दर्ज करने वाली कप्तान और उनके आंकड़े

नईदिल्ली,29 दिसंबर(एजेंसी)। टी-20 अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेट में कप्तानी सिर्फ टॉस और रणनीति तक सीमित नहीं रही, बल्कि जीत की पहचान बन चुकी है। इस छोटे प्रारूप में कुछ कप्तानों ने अपने नेतृत्व, आक्रामक सोच और निर्णायक फैसलों से टीम को सबसे ज्यादा जीत दिलाकर इतिहास रचा है। दबाव के क्षणों में बेहतरीन नेतृत्व और निरंतर सफलता के दम पर इन कप्तानों ने महिला क्रिकेट में नई मिसाल कायम की है। आइए सबसे ज्यादा जीत दर्ज करने वाली कप्तानों पर नजर डालते हैं।इस सूची में पहले स्थान पर संयुक्त रूप से दो दिग्गज कप्तान हैं। हरमनप्रीत कौर और मेग लैनिंग ने इस प्रारूप में 76 जीतें दर्ज की हैं। हरमनप्रीत ने अब तक 130 मैचों में कप्तानी की है। इस दौरान टीम को 48 मुकाबलों में हार मिली है। 5 मैच में कोई नतीजा नहीं निकल पाया है। लैनिंग ने 100 मुकाबलों में कप्तानी की थी।

वह सिर्फ 18 मुकाबले हारीं थी। 5 मैच में कोई नतीजा नहीं निकल पाया था।इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान हीथर नाइट इस सूची में दूसरे स्थान पर हैं। उन्होंने अपनी टीम के लिए 96 मुकाबलों में कप्तानी की थी। इस दौरान टीम को 71 मैच में जीत मिली थी। इंग्लैंड को 23 मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा था। 1 मैच टाई रहा और 1 मैच में कोई नतीजा नहीं निकल पाया था। उनकी कप्तानी में टीम का जीत प्रतिशत 73.95 का रहा है।इंग्लैंड की पूर्व कप्तान शार्लोट एडवर्ड्स तीसरे स्थान पर हैं। उन्होंने इंग्लैंड के लिए 2006 में पहली बार कप्तानी की थी। आखिरी बार वह कप्तान के रूप में 2016 में नजर आईं। उन्होंने 93 मुकाबलों में कप्तानी की और 68 मैचों में टीम को जीत मिली। 23 मुकाबलों में इंग्लैंड को हार का सामना करना पड़ा। 1 मैच टाई रहा और 1 मुकाबले में कोई नतीजा नहीं निकल पाया। उनकी कप्तानी में टीम का जीत प्रतिशत 73.11 का रहा है।

जो रूट ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पूरे किए 22,000 रन, उनके शानदार आंकड़े

नईदिल्ली,29 दिसंबर(दिसंबर)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम ने ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के खिलाफ एशेज सीरीज 2025-26 के चौथे टेस्ट मैच में 4 विकेट से शानदार जीत दर्ज की। ये 15 साल के बाद पहला मौका है जब इंग्लिश टीम को ऑस्ट्रेलिया की धरती पर जीत मिली है। इस दौरान दिग्गज बल्लेबाज जो रूट ने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने 22,000 रन पूरे कर लिए। ऐसे में आइए उनके आंकड़ों पर एक नजर डाल लेते हैं।रूट ने अब तक 380 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं और लगभग 50 की औसत से 22,000 रन बनाए हैं। उनके बल्ले से 59 शतक और 114 अर्धशतक निकले हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 262 रन रहा है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन सचिन तेंदुलकर के नाम है। उन्होंने 664 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों की 782 पारियों में 48.52 की औसत से 34,357 रन बनाए थे। उनके बल्ले से 100 शतक और 164 अर्धशतक निकले थे।

रूट ने इंग्लैंड के लिए 186 वनडे खेले हैं और इसकी 175 पारियों में 48.54 की औसत से 7,3330 रन बनाए हैं। उनके बल्ले से 19 शतक और 43 अर्धशतक निकले हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 166 रन रहा है। टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में रूट ने अब तक 32 मुकाबले खेले हैं। इसकी 30 पारियों में 35.72 की औसत से 893 रन बनाए हैं। उनके बल्ले से 5 अर्धशतक निकला है। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 90 * रन रहा है।टेस्ट क्रिकेट में रूट ने अपना पहला मुकाबला साल 2012 में भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ खेला था। उन्होंने अब तक 162 टेस्ट खेले हैं और इसकी 296 पारियों में 50.83 की उम्दा औसत के साथ 13,777 रन बनाने में सफल रहे हैं। उनके बल्ले से 40 शतक और 66 अर्धशतक निकले हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 262 रन रहा है। साल 2025 में इस खिलाड़ी ने 10 टेस्ट की 18 पारियों में 50.31 की औसत से 805 रन बनाए हैं।एशेज सीरीज में रूट ने 38 मुकाबले खेले हैं और इसकी 73 पारियों में 39.73 की औसत से 2,662 रन बनाने में सफल रहे हैं। उनके बल्ले से 5 शतक और 18 अर्धशतक निकले हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 180 रन रहा है।

बीसीसीआई ने किया अंडर-19 विश्व कप टीम का एलान, आयुष को मिली कप्तानी, वैभव भी हिस्सा

नई दिल्ली,29 दिसंबर (एजेंसी)। अगले साल खेले जाने वाले अंडर-19 वनडे विश्व कप के लिए बीसीसीआई ने टीम इंडिया का एलान कर दिया। आयुष म्हात्रे को कप्तान और विहान मल्होत्रा को उपकप्तान बनाया गया है। वहीं, वैभव सूर्यवंशी भी टीम का हिस्सा हैं।अंडर-19 विश्व कप के लिए शनिवार को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई)ने टीम इंडिया का एलान कर दिया। इस टीम की कमान आयुष म्हात्रे को सौंपी गई है, जबकि विहान मल्होत्रा को उपकप्तानी मिली है।इस टीम में विस्फोटक बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को भी शामिल किया गया है। इससे पहले टीम इंडिया अगले साल की शुरुआत में तीन वनडे मैचों की सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका का दौरा करेगी। अंडर-19 विश्व कप के लिए चुनी गई टीम ही इस सीरीज में भी खेलेगी।भारत ग्रुप बी में शामिलअंडर-19 विश्व कप का आयोजन 15 जनवरी से छह फरवरी तक जिम्बाब्वे और नामीबिया में होगा। 16 टीमों का चार ग्रुप में बांटा गया है। पांच बार की अंडर-19 विश्व कप विजेता भारतीय टीम को ग्रुप बी में न्यूजीलैंज, अमेरिका और

बांग्लादेश के साथ शामिल किया गया है। भारत अपने अभियान की शुरुआत 15 जनवरी से अमेरिका के खिलाफ मुकाबले से करेगी। इसके बाद टीम का सामना 17 जनवरी को बांग्लादेश और 24 जनवरी को न्यूजीलैंड से होगा। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला हरारे में खेला जाएगा।दक्षिण अफ्रीका दौरे पर वैभव होंगे टीम के कप्तानइससे पहले टीम इंडिया तीन वनडे मैचों की सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका का दौरा करेगी। अंडर-19 वनडे विश्व कप से पहले यह सीरीज भारत के लिहाज से काफी अहम है। बीसीसीआई ने बताया कि आयुष म्हात्रे और विहान मल्होत्रा इस सीरीज में नहीं खेलेंगे। दोनों कलाई की चोट से जूझ रहे हैं। ऐसे में बोर्ड ने वैभव सूर्यवंशी को कप्तान और आरोन जॉर्ज को उपकप्तान नियुक्त किया है। तीनों मुकाबले क्रमश: 3 जनवरी, 5 जनवरी और 7 जनवरी को विलोमोर पार्क में खेले जाएंगे।दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए भारतीय टीम: वैभव सूर्यवंशी (कप्तान), आरोन जॉर्ज (उपकप्तान), वेदांत त्रिवेदी, अभिज्ञान कुंडू (विकेटकीपर), हरवंश सिंह (विकेटकीपर), आर.एस. अंबरीश, कनिष्क कुमार सिंह, उधव मोहन।

व्यापार

लक्ष्य पाने के लिए गैर-जीवाश्म ईंधन क्षेत्र में निवेशकों का बढ़ाना होगा भरोसा, विशेषज्ञों ने दिया सुझाव

नई दिल्ली। देश के गैर-जीवाश्म ऊर्जा लक्ष्यों को हासिल करने के लिए राष्ट्रीय एंव राज्य स्तर का एक ऐसा समन्वित नियामकीय ढांचा बनाने की जरूरत है, जो निवेशकों को दीर्घकालिक भरोसा प्रदान करने में सक्षम हो।

सरकार ने 2030 तक गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित 500 गीगावॉट बिजली उत्पादन क्षमता हासिल करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया है। गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता में सौर, पवन, बायोमास, अपशिष्ट से ऊर्जा और जलविद्युत परियोजनाओं जैसे स्त्रोत शामिल हैं। उद्योग मंडल फिक्की की ओर से जारी बयान में क्रिसिल के निदेशक (ऊर्जा एवं जिंस) आशीष मित्तल ने कहा, भारत के 500 गीगावॉट गैर-जीवाश्म ऊर्जा के लक्ष्य को हासिल करने के लिए राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर का ऐसा समन्वित नियामकीय ढांचा जरूरी होगा, जो निवेशकों को दीर्घकालिक भरोसा दे सके। मित्तल ने बुधवार को फिक्की के इंडिया पावर एंड एनर्जी स्टोरेज कॉन्फ्रेंस में कहा, निवेश से जुड़े जोखिम कम करने और भारत को जिस पैमाने पर निजी पूंजी की आवश्यकता है, उसे आकर्षित करने के लिए कैप-एंड-फ्लोर (वित्तीय वायदा-विकल्प) तंत्र, परियोजना को व्यावहारिक बनाने के लिए वित्तपोषण (वीजीएफ) और स्टोरेज-एज-ए-सर्विस (क्लाउड कंप्यूटिंग) मॉडल अहम भूमिका निभाएंगे। सरकार को लक्ष्य हासिल करने के लिए इन बातों पर ध्यान देना चाहिए।? वित्तपोषण ढांचे को विकसित करने की आवश्यकता

एसबीआई के उप प्रबंध निदेशक अशोक शर्मा ने कहा, ऊर्जा भंडारण पूंजी-गहन क्षेत्र है, जिसमें परियोजना लागत का बड़ा हिस्सा बैटरियों का होता है। उन्होंने कहा कि इन परिसंपत्तियों के विशिष्ट जोखिम एवं राजस्व स्वरूप को ध्यान में रखते हुए वित्तपोषण ढांचे को विकसित करने की आवश्यकता है।

सम्मेलन में प्रबंधन समेत कई?मुद्दों पर चर्चा फिक्की के दो दिन के इस सम्मेलन में नीति-निर्माताओं, नियामकों और उद्योग जगत के शीर्ष अधिकारियों ने हिस्सा लिया। इसमें नवीकरणीय ऊर्जा के एकीकरण की जटिलताओं और तापीय परिसंपत्तियों के प्रबंधन के बीच जूझ रहे ऊर्जा क्षेत्र के लिए एक खाका तैयार करने पर मंथन किया गया। उद्योग के सामने मौजूद प्रमुख चुनौतियों में ऐसी परियोजनाएं जिनके लिए निविदा जारी की जा चुकी है, के लिए बिजली खरीद समझौतों (पीपीए) पर हस्ताक्षर में देरी, परियोजनाओं के लिए जरूरी मंजूरियों/अनुमतियों का समय पर न मिलना समेत अन्य मुद्दे हैं।

शेयर बाजार में सेंसेक्स चढ़ा 250 अंक ऊपर, ग्लोबल संकेतों से बाजार को मिला सहारा

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार में सुबह उतार-चढ़ाव के बाद मजबूती देखने को मिली। हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन बाजार खुलने के कुछ देर बाद सेंसेक्स में 250 अंकों तक तेजी दर्ज हुई। सुबह 11:00 बजे तक सेंसेक्स 115.80 अंक की बढ़त के साथ 85,640.64 पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 40.70 अंक चढ़कर 26,217.85 पर कारोबार करता दिखा। शुरुआती दबाव के बाद निवेशकों की खरीदारी से बाजार को सहारा मिला है।शेयर बाजार में तेजी के पीछे ग्लोबल मार्केट से मिले सकारात्मक संकेत अहम वजह रहे। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई, चीन का शंघाई

कंपोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। इसके अलावा, मंगलवार को अमेरिकी बाजार भी मजबूती के साथ बंद हुए थे। इन संकेतों से निवेशकों का भरोसा बढ़ा और घरेलू बाजार में भी खरीदारी का माहौल बना है। बाजार की मजबूती में रुपये की चाल का भी योगदान रहा है। शुरुआती कारोबार में रुपया डॉलर के मुकाबले 12 पैसे मजबूत होकर 89.51 पर पहुंच गया। रिजर्व बैंक द्वारा लिक्विडिटी बढ़ाने के कदमों से भी बाजार को सहारा मिला है। इसके साथ ही, शुरुआती गिरावट के बाद कुछ चुनिंदा शेयरों में वैल्यू बाइंग देखने को मिली है। श्रीराम फाइनेंस और बजाज फाइनेंस जैसे शेयरों में निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ी है।

2025 में 240 अरब रुपये की क्रिप्टोकरेंसी हुई चोरी, हैकर्स ने बनाया नया रिकॉर्ड

नईदिल्ली (एजेंसी)। साइबर अपराधियों ने इस साल क्रिप्टोकरेंसी चोरी के मामले में एक नया रिकॉर्ड बना दिया है। ब्लॉकचेन निगरानी फर्मों के अनुसार, इस वर्ष उन्होंने 2.7 अरब डॉलर (करीब 240 अरब रुपये) की क्रिप्टोकरेंसी चोरी हुई। 2024 में हैकर्स ने 2.2 अरब डॉलर (करीब 197 अरब रुपये) और 2023 में यह कुल राशि 2 अरब डॉलर (करीब 180 अरब रुपये) थी। इस साल हैकर्स ने दुबई स्थित क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज बायबिट में अब तक की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी चोरी को अंजाम दिया। हैकर्स ने बायबिट में लगभग 1.4 अरब डॉलर (करीब 125 अरब रुपये) की क्रिप्टोकरेंसी पर हाथ साफ किया, जिसने डिजिटल करेंसी की दुनिया को हिलाकर रख दिया। ब्लॉकचेन विश्लेषण

फर्मों के साथ-साथ एफबीआई ने भी इस बड़ी चोरी के लिए उत्तर कोरियाई सरकार के हैकर्स को जिम्मेदार ठहराया। इससे पहले 2022 में रोनिन नेटवर्क और पॉली नेटवर्क पर हुए साइबर हमलों में क्रमश: 62.40 करोड़ डॉलर (5,600 करोड़ रुपये) और 61.10 करोड़ डॉलर (5,500 करोड़ रुपये) की चोरी हुई थी।रिपोर्ट के अनुसार, क्रिप्टोकरेंसी निगरानी करने वाली फर्म चेनैलिसिस ने यह भी बताया कि इस साल व्यक्तिगत क्रिप्टो वॉलेट से 7 लाख डॉलर (करीब 6.3 करोड़ रुपये) चुराए गए हैं। उत्तर कोरियाई सरकार के हैकर्स 2025 में सबसे सफल क्रिप्टो चोर साबित हुए, जिन्होंने कम से कम 2 अरब डॉलर (करीब 180 अरब रुपये) की चोरी को अंजाम दिया। 2017 से अब तक इन्होंने लगभग 6 अरब डॉलर (करीब 540 अरब रुपये) की चोरी की है।

ऐपल के सीईओ टिम कुक ने 50,000 नाइकी शेयर खरीदे, निवेशकों में नई उम्मीद जगी

नईदिल्ली (एजेंसी)। ऐपल के सीईओ टिम कुक ने करीब 30 लाख डॉलर (लगभग 27 करोड़ रुपये) के नाइकी शेयर खरीदे हैं, जिससे निवेशकों में नई उम्मीद जगी है। रेगुलेटरी फाइलिंग के मुताबिक, कुक ने 22 दिसंबर को यह खरीदारी की है। नाइकी हाल के महीनों में दबाव झेल रही थी, ऐसे में एक बड़े कारोबारी नेता की यह हिस्सेदारी निवेशकों के भरोसे के लिए अहम मानी जा रही है और बाजार में इसे सकारात्मक संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

एसईसी फॉर्म-4 के अनुसार, कुक ने 58.97 डॉलर (लगभग 5,300 रुपये) प्रति शेयर की औसत कीमत पर 50,000 शेयर खरीदे। इस खरीद के बाद उनके पास कुल 1,05,480 नाइकी शेयर हो गए हैं। कुक साल 2005 से नाइकी के बोर्ड से जुड़े हैं। उनकी यह खरीद बताती है कि वे कंपनी के लंबे समय के भविष्य और रणनीति को लेकर आश्वस्त हैं, जो बाजार के लिए एक मजबूत संकेत है।

कुक की खरीद के बाद नाइकी की तिमाही कमाई कुछ समय पहले उम्मीद से बेहतर रही है। हालांकि, कंपनी ने आगे चलकर कुछ चुनौतियों की चेतावनी भी दी है। नाइकी ने कहा है कि छुट्टियों के सीजन में बिक्री में हल्की गिरावट आ सकती है। चीन में कमजोर मांग और बढ़ते टैरिफ का असर भी कंपनी पर बना हुआ है, जिससे निवेशक आने वाले महीनों को लेकर सतर्क नजर आ रहे हैं।

निवेशकों के लिए कुक जैसी इनसाइडर खरीद को एक भरोसे का संकेत माना जाता है, जिससे यह उम्मीद बढ़ी है कि नाइकी का टर्नअराउंड प्लान भविष्य में अच्छा असर दिखा सकता है।

हालांकि, विश्लेषकों का मानना है कि शेयर में स्थायी तेजी के लिए कंपनी को अपने पुनर्गठन, अंतरराष्ट्रीय बाजारों और आर्थिक दबावों पर बेहतर प्रदर्शन करना होगा। आने वाले नतीजे तय करेंगे कि यह भरोसा कितना टिकाऊ साबित होता है।निवेशकों के लिए कुक जैसी इनसाइडर खरीद को एक भरोसे का संकेत माना जाता है, जिससे यह उम्मीद बढ़ी है कि नाइकी का टर्नअराउंड प्लान भविष्य में अच्छा असर दिखा सकता है। हालांकि, विश्लेषकों का मानना है कि शेयर में स्थायी तेजी के लिए कंपनी को अपने प्रदर्शन करना होगा।

ओयो ला रही 6,650 करोड़ रुपये का आईपीओ, शेयरधारकों से मिली मंजूरी

नईदिल्ली (एजेंसी)। ओयो की मूल कंपनी प्रिज्म को अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के माध्यम से 6,650 करोड़ रुपये तक जुटाने के लिए शेयरधारकों की मंजूरी मिल गई है। होटल एग्रीगेटर ने शुरू में 2021 में आईपीओ के लिए आवेदन किया था, लेकिन पेश नहीं कर सकी। कंपनी ने मार्च, 2023 में भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड को एक गोपनीय दस्तावेज के माध्यम से अपनी लिस्टिंग योजनाओं को पुनर्जीवित किया, लेकिन मई, 2025 में तीसरी बार पेशकश को स्थगित कर दिया।विशेष आम बैठक में प्रिज्म के शेयरधारकों ने बिना समय सीमा निर्धारित किए आईपीओ के साथ आगे बढ़ने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। इससे कंपनी को अनुकूल परिस्थितियों में सार्वजनिक बाजार में प्रवेश करने की सुविधा मिल सकेगी। शेयरधारकों ने बोनस शेयर जारी करने को भी मंजूरी दे दी है, जिसके तहत वर्तमान में रखे गए प्रत्येक 19 इक्विटी शेयरों के बदले एक पूर्णत: भुगतान किया हुआ इक्विटी शेयर जारी किया जाएगा।कंपनी ने वित्त वर्ष 2025 में राजस्व में 16 फीसदी की वार्षिक वृद्धि दर्ज करते हुए 62.53 अरब रुपये का राजस्व अर्जित किया, जबकि असाधारण मदों के बाद शुद्ध लाभ 6.6 फीसदी बढ़कर 2.45 अरब रुपये हो गया।

एसएस प्लाजा स्थित बालाजी स्टील में लगी भीषण आग

लाखों के नुकसान का अनुमान, शॉर्ट सर्किट को माना जा रहा आग लगने का कारण

कोरबा (छ.ग.गौरव)। शहर में सुबह उस वक्त अफरा तफरी मच गई जब एसएस प्लाजा स्थित बालाजी स्टील में अचानक आग भड़क उठी। आग की लपटें और घना धुआं दूर से साफ दिखाई दिया, जिससे आसपास के दुकानदारों और राहगीरों का हुजूम इकट्ठा हो गया। फायर ब्रिगेड की मदद से आग बुझाने का प्रयास किया गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक आग तेजी से फैला, जिसके बाद लोगों ने तुरंत पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। मौके पर दमकल की गाड़ियां पहुंचीं और आग पर काबू पाने की कोशिश जारी रही। शुरुआती अंदेशा शॉर्ट सर्किट का बताया जा रहा है, हालांकि आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। घटना के बाद एसएस प्लाज़ा और आसपास के इलाके में भीड़ जमा हो गई। सुरक्षा के लिहाज से क्षेत्र को खाली कराया गया। राहत की बात यह रही कि खबर लिखे

जाने तक किसी के हताहत होने की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन दुकान में रखा सामान जलने से भारी नुकसान की आशंका जताई जा रही है। ज्ञात रहे कि इससे पहले शहर के टीपी नगर एक कॉम्प्लेक्स में आग लगी थी। जिसमें जान माल का भारी नुकसान हुआ था। घटना के बाद पुलिस अलर्ट मोड पर रही। दमकल विभाग के कर्मी भी हालात पर काबू पाने में डटे रहे।

बगल में ज्वेलर्स सहित अन्य दुकानें

पावर हाउस रोड स्थित से प्लाजा में संचालित बालाजी स्टील के बगल में ज्वेलर्स सहित अन्य दुकान है। ऊपरी तल की दुकान में आग लगी। बगल की दुकानों तक आग ना पहुंच सके, इसके लिए लोगों ने समान हटाना शुरू किया। जानकारी के अनुसार आसपास की कुछ दुकान आग की लपट की वजह से प्रभावित हुई है। सूचना दिए जाने के बाद सीएसईबी की डीएसपीएम इकाई से दमकल के साथ कर्मचारी पहुंचे हुए जिन्होंने आग पर नियंत्रण करने का प्रयास किया। कुछ और उपक्रमों से दमकलों की व्यवस्था की गई।

दुकान से नगदी, मोबाइल और लैपटॉप की चोरी

सीसीटीवी कैमरे का डीवीआर भी ले गए चोर

कोरबा (छ.ग.गौरव)। शातिर चोरों ने शहर के मध्य टीपी नगर स्थित आकांक्षा सेल्स कार्पोरेशन में चोरी की बड़ी वारदात को अंजाम दिया है। चोर शटर में लगे ताला तोड़कर दुकान के भीतर पहुंचे थे। व्यवसायी दुकान खोलने पहुंचा तो उसे चोरी की जानकारी हुई। पुलिस ने आरोपियों की पतासाजी शुरू कर दी है।

दुकान में रखे 80 हजार रूपए नगदी के अलावा लैपटॉप व मोबाइल की चोरी कर दुकान के फरार हो गए। शहर में दीपक अग्रवाल निवास करते हैं। वे सीएसईबी पुलिस चौकी अंतर्गत टीपी नगर प्लाट नंबर 188 में आकांक्षा सेल्स कार्पोरेशन का संचालन करते हैं। प्रतिदिन की तरह शनिवार की रात दुकान बंद कर श्री अग्रवाल घर चले गए। वे रविवार की सुबह करीब 10 बजे दुकान खोलने पहुंचे। इस दौरान उनकी नजर दुकान के शटर पर पड़ी। शटर में लगा ताला टूटा हुआ था। शटर जमीन से कुछ ऊपर था। श्री अग्रवाल को माजरा समझने में देर नहीं लगी। उन्होंने शटर खोलकर देखा तो दुकान के भीतर सारा सामान अस्त व्यस्त पड़ा था। शातिर चोर ताला तोड़कर दुकान के भीतर घुसे थे। चोरों ने गल्ले में रखे 80 हजार रूपए नगदी के अलावा मोबाइल व लैपटॉप को पार कर दिया था। व्यवसायी ने सीसीटीवी कैमरे को खंगालने का प्रयास किया तो डीवीआर भी गायब मिला। चोर डीवीआर को लेकर फरार हुए थे, ताकि उनकी तस्वीर न मिले। घटना की सूचना व्यवसायी ने तत्काल सीएसईबी पुलिस चौकी पहुंचकर दी। सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी भीमसेन यादव टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करते हुए आरोपियों की पतासाजी शुरू कर दी है।

अनीता राठौर के ईंट भट्ठे से 30 हजार अवैध ईंटें जब्त

कोरबा (छ.ग.गौरव)। हरदीबाजार-दीपका एसईसीएल क्षेत्र की अधिग्रहण प्रक्रिया को सुरक्षित रखने तथा अवैध कब्जों और निर्माण कार्यों पर रोक लगाने प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। धारा 9 के प्रकाशन के बाद प्रभावित क्षेत्रों में किसी भी प्रकार के नए निर्माण व व्यावसायिक गतिविधियों पर प्रतिबंध लागू है। इसके बाद भी लोग नहीं मान रहे हैं।

हरदीबाजार तहसीलदार अभिजीत राजभानु की टीम ने क्षेत्र में दबिश देकर अनीता राठौर के ईंट भट्ठे से 30 हजार अवैध ईंटें जब्त की है। अधिकारियों ने बताया कि एसईसीएल दीपका क्षेत्र के लिए धारा 9 का प्रकाशन होने के बाद संबंधित भूमि पर किसी भी प्रकार का नया निर्माण, व्यावसायिक गतिविधि या संसाधनों का दोहन पूरी तरह प्रतिबंधित है। इसके बावजूद भी मुआवजे की आशंका या अवैध लाभ कमाने की नीयत से ईंट भट्ठे संचालित किए जा रहे थे। नदी-नालों से अवैध रेत परिवहन कर निर्माण कार्यों में उपयोग किया जा रहा था।

युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत

दो दोस्तों ने छोड़ा था घर, चिकित्सकों ने किया मृत घोषित

कोरबा (छ.ग.गौरव)। घर से काम पर जाने निकले युवक की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। उसे दो दोस्त सहारा देकर घर लाए और खाट पर सुलाकर लौट गए थे। उसकी आंख करीब तीन घंटे बाद भी नहीं खुली। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। परिजन जीवित होने की उम्मीद से मृत युवक को लेकर निजी अस्पताल का चक्कर काटते रहे। आखिरकार शव को मर्चुरी में रखवाया गया। विडंबना तो यह है कि परिजनों ने मारपीट की आशंका जताई, लेकिन बयान में मारपीट के बजाय शराब सेवन का जिक्र कर दिया गया।

बालको थानांतर्गत चेकपोस्ट भदरापारा में घसनीन चौहान निवास करती है। उसका बड़ा पुत्र संजय चौहान 35 वर्ष बालको के ठेका कंपनी में काम कर परिवार का भरण पोषण करते आ रहा था। वह ठेका समाप्त होने पर एक माह से घर में ही रह रहा था। शनिवार की सुबह संजय चौहान काम में जाने के नाम पर घर से निकला। करीब 11.15 बजे विजय तिवारी उर्फ बिट्टू और शिव कुमार उसे कंधे में सहारा देकर घर ले आए। वे संजय को खाट में सुलाकर लौट गए। तीन घंटे बाद पत्नी लता ने खाना खाने के लिए संजय को नींद से जगाने का प्रयास किया, तो उसकी आंख ही नही खुली। जिससे परिजनों को अनहोनी की आशंका हुई। वे तत्काल युवक को लेकर मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने परीक्षण उपरांत उसे मृत घोषित कर दिया। यह बाद परिजनों को नहीं पची। वे जीवित होने की उम्मीद से मृत युवक को कोसाबाड़ी स्थित निजी अस्पतालों का चक्कर काटते रहे, लेकिन निजी अस्पताल के डॉक्टरों ने भी मौत की पुष्टि कर दी। आखिरकार परिजनों ने शव को मेडिकल कॉलेज अस्पताल में मर्चुरी में रखवा दिया। मामले में उस वक्त नया मोड़ आया, जब मेमो मिलने पर अस्पताल पुलिस ने परिजनों ने घटना की जानकारी ली। उन्होंने मृतक के मोबाइल से विजय और मंगल सिंह नामक दो लोगों को एक हजार रूपए ट्रांसफर होने की बात कही। साथ ही युवक के साथ शराब के लिए पैसे नहीं देने पर मारपीट की आशंका जताई। मामला संदिग्ध प्रतीत होने पर अस्पताल पुलिस ने कंट्रोल रूम के माध्यम से बालको पुलिस को अवगत कराया। बालको थाने में पदस्थ एएसआई अस्पताल पुलिस चौकी पहुंचे। उनके सामने भी परिजनों ने पूरे मामले की जानकारी देते हुए आशंका जताई। एएसआई के माध्यम से मृतक की मां का बयान दर्ज किया गया, लेकिन बयान में ऐसी किसी भी बातों का जिक्र ही नही किया गया। इसके उलट अज्ञात कारण और शराब सेवन का जिक्र कर दिया गया। मामले में पुलिस द्वारा पूरी प्रक्रिया अस्पताल पुलिस द्वारा किए जाने का हवाला देकर पल्ला झाड़ लिया गया। हालांकि पोस्टमार्टम या बिसरा जांच से मौत की वजह का खुलासा हो सकता है, लेकिन कागजी प्रक्रिया में गोलमोल से पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने में बेवजह विलंब होना तय है। बहरहाल मृतक के शव को वैधानिक कार्रवाई उपरांत परिजनों के सुपुर्द किया जा चुका है।

दो स्थानों पर प्रशासन का छापा, 285 बोरी धान जब्त

अवैध भंडारण और खराब गुणवत्ता वाले धान की बिक्री के खिलाफ प्रशासन सख्त

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जिले में अवैध धान भंडारण और खराब गुणवत्ता वाले धान की बिक्री के खिलाफ प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। रविवार को कलेक्टर कुणाल दुदावत के निर्देशों पर दो अलग-अलग मामलों में कुल 285 बोरी धान जब्त किया गया। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पाली रोहित कुमार सिंह के मार्गदर्शन में राजस्व और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने ग्राम हरदी बाजार में छापेमारी की। यहां सनत कुमार राठौर के गोदाम से अवैध रूप से भंडारित 200 बोरी पुराना धान जब्त किया गया। प्रशासन को सूचना मिली थी कि सनत कुमार राठौर द्वारा बड़ी मात्रा में धान का अवैध भंडारण किया गया है। तहसीलदार हरदी बाजार अभिजीत राजभानु और थाना प्रभारी मृत्युंजय पांडे के नेतृत्व में टीम ने दबिश दी गई।

जांच के दौरान गोदाम में 200 बोरी धान मिला। गोदाम संचालक सनत कुमार राठौर धान की खरीदी-बिक्री या भंडारण से संबंधित कोई वैध दस्तावेज, जैसे लाइसेंस या मंडी पर्ची, प्रस्तुत नहीं कर सके। दस्तावेजों के अभाव में इतनी बड़ी मात्रा में धान का भंडारण नियम विरुद्ध पाए जाने पर पंचनामा बनाकर धान जब्त कर लिया गया। इसी क्रम में पोड़ी-उपरोड़ा विकासखंड के धान उपार्जन केंद्र कुल्हरिया में भी कार्रवाई हुई। तहसीलदार पसान वीरेंद्र श्याम ने केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ग्राम जजगी निवासी राजकुमार पिता जयराम सिंह, द्वारा बिक्री के लिए लाई गई 85 बोरी (लगभग 32 क्विंटल) धान की जांच की गई। जांच में यह धान पुराना और गुणवत्ता मानकों के अनुरूप नहीं पाया गया। इस पर तत्काल कार्रवाई करते हुए राजकुमार का 85 बोरी धान जब्त कर सहकारी समिति को सौंप दिया गया। प्रशासन की इस अचानक हुई कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध धान कारोबार करने वाले कोचियों और बिचौलियों में हड़कंप मच गया है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि धान खरीदी सीजन के दौरान अवैध भंडारण और खराब गुणवत्ता वाले धान की बिक्री के खिलाफ सघन निगरानी और कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

गांव से मॉल घूमने आए 3 दोस्त हुए लूट का शिकार, मोबाइल, नगदी व बाइक लूट कर फरार हुए आरोपी

कोरबा (छ.ग.गौरव)। गांव से मॉल घूमने आ रहे छात्र व दोस्तों से युवकों ने मारपीट कर मोबाइल, नगदी व बाइक लूट की वारदात को 4 लोगों ने मिलकर अंजाम दिया।

प्रार्थी दिलीप बिंझवार ग्राम सरभोंका थाना बांगो में रहता है तथा कक्षा 11 वीं का छात्र है। वह दोपहर करीब 1 बजे अपने दोस्त मनीष बिंझवार और आशीष कुमार बिंझवार के साथ मोटर सायकल हीरो एचएफ डिलक्स क्रमांक सीजी 12 बीडी 2898 में बैठकर कोरबा टीपी नगर पॉम मॉल घूमने आ रहा था। शाम करीब 4 बजे ये लोग ढोढ़ीपारा मोहल्ले के पानी टंकी के पास पहुंचे थे तभी रोड के दूसरे तरफ से 4 लड़के रोड़ के इस तरफ आकर इनको आवाज देकर रुकवाया और गाड़ी में नंबर प्लेट कहां है, कागजात दिखाओ बोले। सभी मिलकर गाली-गलौच कर जान से मारने की धमकी देकर झापड़ से मारपीट करने लगे, फिर पानी टंकी के पीछे रेल्वे लाईन के किनारे ले जाकर प्रार्थी तथा उसके दोस्त मनीष बिंझवार, आशीष कुमार बिंझवार को हाथ-मुक्का, बेल्ट एवं डण्डा से मारपीट की। उसके बाद रियल मी कम्पनी का मोबाईल कीमती 12000 रुपए, मनीष बिंझवार का मोबाईल कीमती 7000 रुपए, आशीष कुमार बिंझवार का ओप्पो मोबाईल कीमती 9000 रुपए को लूट लिया। प्रार्थी मोबाईल कव्हर में रखे 100 रुपए, मनीष के मोबाईल कव्हर में रखे 50 रुपए तथा आशीष कुमार बिंझवार के मोबाईल कव्हर में रखे 300 रुपए को लूट लिया। इसके अलावा मोटर सायकल हीरो एचएफ डिलक्स क्रमांक सीजी 12 बीडी 2898 कीमती 30000 रुपए को चाबी सहित छीन लिया। उसके बाद आशीष कुमार बिंझवार को बस चढ़कर अपने घर चले जाना बोलकर 100 रुपए वापस किये तथा रेल लाईन से घर चले जाओ बोलकर वे लोग वहां से चले गए। इसके बाद सभी पीड़ित युवक बस में चढ़कर गोपालपुर अपने दोस्त उदय दास उर्फ बिटटू के घर गए और उसको घटना के बारे में बताया। चौकी सीएसईबी में घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई गई। सिविल लाइन रामपुर थाना में दिलीप बिंझवार की रिपोर्ट पर अज्ञात 4 लड़कों के विरुद्ध नम्बरी पर धारा 115(2), 126(2), 296, 3(5), 309(6), 351(3) बीएनएस के तहत जुर्म दर्ज कर पतासाजी की जा रही है।

छात्रों के साथ लूट व मारपीट की घटना अत्यंत चिंताजनक —मामले को लेकर अधिवक्ता धनेश कुमार सिंह का कहना है कि घटना अत्यंत निंदनीय, अमानवीय एवं चिंताजनक है। जानकारी के अनुसार चार अज्ञात युवकों द्वारा इन छात्रों को रोककर उनके साथ मारपीट की गई, जान से मारने की धमकी दी गई तथा तीन मोबाइल फोन, नकदी एवं मोटरसाइकिल लूट ली गई। इस घटना का सबसे दुर्भाग्यपूर्ण पहलू यह है कि लूट के बाद आरोपियों द्वारा एक पीड़ित को घर जाने के लिए मात्र 100 रुपये लौटाना, अपराधियों की मानसिकता और कानून के प्रति उनके भयहीन रवैये को दर्शाता है। यह किसी प्रकार की दया नहीं, बल्कि समाज और कानून का खुला उपहास है।

यह घटना न केवल पीड़ित छात्रों और उनके परिजनों के लिए भय और असुरक्षा का कारण बनी है, बल्कि पूरे शहर की कानून-व्यवस्था पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करती है। यदि सार्वजनिक स्थानों पर घूमने वाले छात्र और युवा ही सुरक्षित नहीं हैं, तो आम नागरिक स्वयं को कैसे सुरक्षित महसूस करेंगे? प्रशासन एवं पुलिस विभाग से मांग करते हुए उन्होंने कहा कि घटना में संलिप्त सभी आरोपियों की शीघ्र पहचान कर उनकी गिरफ्तारी की जाए। क्षेत्र में गश्त बढ़ाई जाए एवं संवेदनशील इलाकों में विशेष निगरानी रखी जाए। पीड़ितों को सुरक्षा एवं न्याय दिलाने त्वरित और कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। शहर की जनता में बढ़ते अपराधों को लेकर गहरी चिंता व्याप्त है। अब समय आ गया है कि अपराधियों के विरुद्ध सख्त संदेश दिया जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

अस्पताल जाने निकला युवक रहस्यमय ढंग से लापता

कुसमुंडा खदान के मुहाने पर मिली पर मिली लाश

कोरबा (छ.ग.गौरव)। सोनपुरी से अस्पताल जाने के नाम पर निकला युवक रहस्यमय ढंग से लापता हो गया। उसके परिजन खोजबीन में लगे हुए थे। इसी दौरान रविवार की देर शाम उसकी लाश कुसमुंडा खदान के मुहाने पर मिली। मृतक खदान में बतौर ठेका कर्मी काम करता था। मामले में पुलिस ने शव को मर्चुरी शिफ्ट करते हुए जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

बताया जा रहा है कि हरदीबाजार थानांतर्गत ग्राम बोईदा में चंद्रशेखर मरार 32 वर्ष निवास करता था। वह कुसमुंडा खदान के नीलकंठ नामक ठेका कंपनी में कार्यरत था। चंद्रशेखर अपनी पत्नी को प्रसव के लिए शहर के एक अस्पताल में लाया था, जहां प्रसव उपरांत वह दोस्तों से मिलने सर्वमंगला पुलिस चौकी अंतर्गत ग्राम सोनपुरी चला गया। वह रात करीब दस बजे दोस्तों से मिलकर अस्पताल जाने के नाम पर निकला, लेकिन न तो अस्पताल पहुंचा और न ही घर लौटा। उसके लापता हो जाने से परेशान परिजनों ने खोजबीन शुरू की। वे युवक की पतासाजी के लिए सोशल मीडिया का सहारा भी ले रहे थे। इसी दौरान रविवार की देर शाम कुसमुंडा खदान के मुहाने पर एक युवक की लाश पड़ी मिली। सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी विभव तिवारी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने मृतक की शिनाख्ती कार्रवाई शुरू की तो परिचितों ने उसकी पहचान चंद्रशेखर मरार के रूप में कर ली। पुलिस ने पहचान कार्रवाई उपरांत मृतक के शव को मर्चुरी शिफ्ट कर दिया है। मामले में जांच के बाद ही वस्तुस्थिति स्पष्ट होगी।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक किशोर शर्मा द्वारा कावेरी प्रिंटर्स, सी-35, प्रेस काम्पलेक्स टी.पी. नगर कोरबा (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित संपादक किशोर शर्मा, पंजीयन क्रमांक 7585/61 फोन नं. 07759-357623